निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

नवबिहार टाइम्स

• बोकारो, मंगलवार 7 अप्रैल 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 318 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

भाजपा के स्थापना दिवस पर भाजपा मुख्यालय में पार्टी का झंडा फहराते राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन

नवाचार और शोध से तय होगा देश का भविष्य : राज्यपाल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। आईआईटी-आईएसएम में सोमवार से आयोजित दो दिवसीय 'इनवेंटिव 2026' का भव्य आगाज हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम देश के लिए एक अहम पहल है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि यह सिर्फ एक आयोजन नहीं बल्कि भारत के नवाचार, अनुसंधान और भविष्य की दिशा तय करने वाला सशक्त मंच है। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि इस मंच पर नवाचार, निवेश, शोध और नीति एक साथ आकर देश को नई दिशा देने का काम कर रहे हैं। यह भारत की बौद्धिक क्षमता और संभावनाओं का मजबूत उदाहरण है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस कार्यक्रम से नए संवाद,

साझेदारियां और अवसर सामने आएंगे। जो स्टार्टअप, अत्याधुनिक तकनीक और रोजगार के नए रास्ते खोलेंगे। राज्यपाल ने वैश्विक चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि भारत को अपनी क्षमताओं को और मजबूत बनाना होगा। प्रौद्योगिकी, ऊर्जा और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ वैश्विक साझेदार के रूप में भी आगे बढ़ना जरूरी है। राज्यपाल ने कहा कि इस उद्घाटन समारोह में नेशनल हेल्थ अथॉरिटी के सीईओ डॉ सुनील के बर्नवाल, जुरी इंडस्ट्रीज के एमडी अतहर शहाब, टाटा स्टील के संदीप कुमार, डॉ शिर्षेंदु मुखर्जी और रिंयू की को-फाउंडर वैशाली निगम सिन्हा समेत कई विशिष्ट अतिथि मौजूद रहे। कार्यक्रम में देशभर के 15 आईआईटी, 7 एनआईटी और आईआईएसईआर जैसे प्रमुख संस्थानों के निदेशक भी शामिल हो रहे हैं। 'इनवेंटिव 2026' शोध को व्यावहारिक रूप देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इसका उद्देश्य नई तकनीकों और शोध को सीधे समाज और उद्योग के उपयोग में लाना है। कार्यक्रम के दौरान लगभग 200 स्टॉलों पर विभिन्न नवाचारों और तकनीकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई है।

सर्च ऑपरेशन के दौरान आइइडी विस्फोट में सीआरपीएफ जवान घायल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। नक्सल विरोधी अभियान के दौरान जिले के सरंडा जंगल में आईईडी ब्लास्ट की घटना सामने आई है। इस घटना में सीआरपीएफ का एक जवान घायल हो गया। घटना उस समय हुई जब सुरक्षा बल इलाके में सर्च ऑपरेशन चला रहे थे। इसी दौरान नक्सलियों द्वारा पहले से जमीन में प्लांट किया गया विस्फोटक अचानक फट गया जिसकी चपेट में आकर जवान घायल हो गया। घटना के तुरंत बाद सुरक्षा बलों ने घायल जवान को प्राथमिक उपचार दिया और हालत की गंभीरता को देखते हुए उसे एयरलिफ्ट कर रांची भेजा गया। वहां डॉक्टरों की निगरानी में उसका इलाज चल रहा है और उनकी स्थिति स्थिर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को निशाना बनाने के लिए जंगल के रास्तों में पहले से ही आइइडी लगा रखे थे। अभियान के दौरान जवानों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से इस तरह के विस्फोटकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। घटना के बाद पूरे इलाके में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। सुरक्षा बलों ने सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है ताकि अन्य छिपे हुए आइइडी को समय रहते निष्क्रिय किया जा सकें और नक्सलियों की गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाई जा सके। झारखंड पुलिस के प्रवक्ता एवं आईजी अभियान डॉ. माइकल एस राज ने बताया कि ब्लास्ट में एक जवान मामूली रूप से घायल हुआ है। जरूरत के अनुसार उसे एयरलिफ्ट कर रांची भी लाया जा सकता है। आईजी अभियान ने बताया कि बचे हुए नक्सलियों के खिलाफ सारंडा में बड़ा अभियान चल रहा है। इसी दौरान यह विस्फोट हुआ है। इलाके में सर्च अभियान के दौरान एक जिंदा आईईडी बम भी बरामद किया गया है, जिसे नष्ट कर दिया गया। इलाके में अभियान जारी है। वहीं,एसपी अमित रेणु का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि यह पुराना प्लांट किया गया आइइडी था या हाल ही में बिछाया गया विस्फोटक। अभी फिलहाल क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन जारी रहेगा और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जा रही है। गौरतलब है कि सरंडा जंगल क्षेत्र में नक्सलियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

लावालौंग थाना प्रभारी प्रशांत मिश्रा निलंबित

चतरा (नबिटा ब्यूरो)। जिले में अफीम तस्करों को संरक्षण देने के आरोप में लावालौंग थाना प्रभारी प्रशांत कुमार मिश्रा को निलंबित कर दिया गया है। एसपी सुमित कुमार अग्रवाल ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उन्हें पद के दुरुपयोग के गंभीर आरोपों के बाद यह कदम उठाया। एसपी को थाना प्रभारी के खिलाफ लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद, उन्होंने सिमरिया एसडीपीओ शुभम खंडेलवाल को मामले की गुप्त जांच का निर्देश दिया। जांच रिपोर्ट मिलने के बाद एसपी ने तत्काल प्रभाव से प्रशांत मिश्रा को निलंबित कर पुलिस लाइन में अटैच कर दिया।

सड़क हादसे में दो अंचल अधिकारी जख्मी

मेदिनीनगर (नबिटा ब्यूरो)। पलामू जिला में नेशनल हाइवे 139 पर एक ट्रक ने नौडीहा बाजार के अंचल अधिकारी के गाड़ी को टक्कर मार दी है। इस दुर्घटना में नौडीहा बाजार के अंचल अधिकारी संजय कुमार, पिपरा के अंचल अधिकारी एवं उनके ड्राइवर जख्मी हो गए हैं। इन तीनों को इलाज के लिए छतरपुर अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती करवाया गया जहां से डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए तीनों को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज और हॉस्पीटल रेफर कर दिया है। पुलिस मौके पर पहुंच मामले में छानबीन कर रही है।

सड़क किनारे खड़े ट्रक में लगी आग

कोडरमा (नबिटा ब्यूरो)। जिले के जयनगर थाना क्षेत्र में बीती रात खेशकरी के पास सड़क किनारे खड़े एक ट्रक में अचानक आग लग गई। यह घटना कोडरमा-कोवार मुख्य मार्ग पर एक लाइन होटल के समीप हुई। आग लगते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। देखते ही देखते ट्रक धू-धू कर जलने लगा। मौके पर मौजूद लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैलती गई। चालक के अनुसार ट्रक में करीब 60 लाख रुपए के सोलर प्लेट लदे थे, जिनमें से लगभग 10 लाख रुपए का सामान जलकर नष्ट हो गया। पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

हड़ताल पर गये एमजीएम अस्पताल के जूनियर डॉक्टर

जमशेदपुर(नबिटा ब्यूरो)। कोल्हान के सबसे बड़े सरकारी एमजीएम अस्पताल के जूनियर डॉक्टर अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर चले गए हैं। डॉक्टर का कहना है कि पूर्व स्वास्थ्य मंत्री से अपनी मांगों को कई बार अवगत कराया गया लेकिन सिर्फ आश्वासन मिला और कार्रवाई नहीं हुई। हड़ताल के कारण ग्पक्ष और इमरजेंसी सेवा प्रभावित हुई है। जमशेदपुर के डिमना स्थित कोल्हान के सबसे बड़े सरकारी एमजीएम मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल में जूनियर डॉक्टर हड़ताल पर चले गए हैं। जूनियर डॉक्टरों ने अपना मानदेय बढ़ाने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू कर दी है।

इस्पात प्लांट में ब्लास्ट, नौ मजदूर झुलसे, सात गंभीर

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। जिले के अरगड्डा मोड़ के पास हेसला स्थित झारखंड इस्पात प्लांट प्राइवेट लिमिटेड में सोमवार को हुए भीषण फर्नेस ब्लास्ट ने पूरे इलाके को दहला दिया। इस दर्दनाक हादसे में प्लांट में काम कर रहे 9 मजदूर बुरी तरह झुलस गए जिनमें से 7 की हालत बेहद नाजुक बताई जा रही है। घटना के बाद मजदूरों, प्रबंधन, स्थानीय लोगों के सहयोग से प्राथमिक उपचार कराकर सभी घायलों को रांची के देवकमल और अन्य अस्पताल में भर्ती कराया गया है जिसमें से सात लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार घटना उस समय हुई जब मजदूर फर्नेस के पास नियमित कार्य में लगे हुए थे। अचानक फर्नेस में तेज धमाका हुआ और देखते ही देखते आग व गर्म धातु की लपटों ने आसपास काम कर रहे मजदूरों को अपनी चपेट में ले लिया। धमाका इतना जबरदस्त था कि पूरे प्लांट में अफरा-तफरी मच गई। किसी तरह घायलों को बाहर निकाला गया। घायलों की पहचान अखिला राय, बृजलाल बेदिया, राजबालन यादव, महेश महतो, अशोक बेदिया, राजू झा उर्फ पंडित जी, छोटू साव, सुरेश बेदिया और इशया के रूप में हुई है। सभी घायलों

को तत्काल रांची रोड स्थित होप अस्पताल पहुंचाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से घायल मजदूरों को रांची के सहित अन्य अस्पतालों में रेफर कर दिया गया। डॉक्टरों के अनुसार 7 मजदूरों की हालत बहुत गंभीर है। वे 80 से 90 प्रतिशत तक झुलस चुके हैं। सभी गंभीर घायलों को बेहतर इलाज के लिए रांची के देवकमल अस्पताल रेफर कर दिया गया है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि धमाका इतना तेज था कि आसपास के इलाके में दहशत फैल गई। वहीं, घटना के बाद प्लांट प्रबंधन की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। स्थानीय लोगों और मजदूरों ने आरोप लगाया है कि सुरक्षा मानकों की अनदेखी के कारण यह हादसा हुआ है। घटना के बाद प्लांट गेट पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और लोगों की भीड़ जुट गई। रामगढ़ नगर परिषद के उपाध्यक्ष रणधीर गुप्ता ने मौके पर पहुंचकर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि इतने बड़े प्लांट में एंबुलेंस तक की व्यवस्था नहीं होना बेहद शर्मनाक है। घायलों को स्थानीय लोगों के सहयोग से अस्पताल पहुंचाना पड़ा, जो प्रबंधन की बड़ी लापरवाही को दर्शाता है। फिलहाल पुलिस और प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर तकनीकी खराबी या सुरक्षा में चूक को हादसे की वजह माना जा रहा है। हालांकि वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा। फिलहाल लोग गेट के पास पहुंचकर घटना का विरोध कर रहे हैं। मौके पर पुलिस प्रशासन भी मौजूद है ताकि किसी तरह का कोई उपद्रव न हो सके। रामगढ़ थाना प्रभारी नवीन प्रकाश पांडे ने बताया कि इस्पात प्लांट में हादसा हुआ है जिसमें कई मजदूरों के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना है। सभी को बेहतर इलाज के लिए रांची भेजा गया है। स्थानीय लोगों द्वारा विरोध जारी है जिसे देखते हुए पुलिस मौके पर तैनात है।

टांगी से काटकर बड़े भाई की हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले के पांकी थाना क्षेत्र के ठेकही अंदाग गांव में छोटे भाई ने अपने बड़े भाई की टांगी से काटकर हत्या कर दी। घटना के बाद छोटा भाई फरार हो गया है। पुलिस पूरे मामले में छानबीन करने के साथ आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। पूरी घटना शराब के नशे के दौरान हुए विवाद में हुआ है। दरअसल, मृतक ठेकही अंदाग के पिंटू भुइयां चार भाई थे। सबसे बड़े भाई के बेटे की सगाई हुई थी। सगाई के दौरान सभी भाई एक जगह जमा हुए थे। इसी बीच सभी ने शराब का सेवन किया था। इसी बीच पिंटू भुइयां का अपने छोटे सिंटू भुइयां के साथ किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। इसी क्रम में छोटे भाई सिंटू भुइयां ने पिंटू भुइयां को टांगी से काट डाला। घटना के बाद परिजनों ने पिंटू को इलाज के लिए पांकी के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती करवाया जहां से बेहतर इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज और हॉस्पीटल रेफर कर दिया गया था लेकिन डॉक्टरों ने पिंटू भुइयां को मृत घोषित कर दिया। इधर, परिजन अस्पताल से शव लेकर भाग गए और गांव में अंतिम संस्कार की तैयारी करने लगे। तभी मामले की जानकारी होने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। पांकी के थाना प्रभारी राजेश रंजन ने बताया कि शराब के नशे में दोनों भाइयों के बीच विवाद हुआ था। इसी विवाद में हत्या हुई है। घटना को अंजाम देने वाला छोटा भाई फरार है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। दोनों भाई बाहर ईंट भट्ठा में काम करते हैं।

बिना जांच के एचआईवी पॉजीटिव गर्भवती का कर दिया ऑपरेशन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। राजधानी रांची स्थित राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में एक गंभीर और संवेदनशील मामला सामने आया है। यहां एक एचआईवी संक्रमित महिला का बिना पूर्व जांच के ऑपरेशन कर दिया गया जिससे डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ के बीच चिंता बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार महिला पिछले तीन वर्षों से एचआईवी संक्रमित थी लेकिन उसने अपनी बीमारी की जानकारी चिकित्सकों से छिपा ली। इसी आधार पर उसे सामान्य मरीज मानते हुए लेबर रूम में नियमित प्रक्रिया के तहत ऑपरेशन किया गया। मामले का खुलासा तब हुआ जब सदर अस्पताल से आई रिपोर्ट में महिला के एचआईवी पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई। इसके बाद रिम्स में हड़कंप मच गया। ऑपरेशन में शामिल डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों ने एहतियातन पीईपी (पोस्ट एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस) दवाओं का सेवन शुरू कर दिया है जो संक्रमण के खतरे को कम करने के लिए दी जाती है। फिलहाल अस्पताल प्रबंधन पूरे मामले की आंतरिक जांच कर रहा है। इस घटना ने मरीजों द्वारा स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी साझा करने की आवश्यकता को एक बार फिर उजागर किया है। साथ ही अस्पतालों में जांच प्रक्रिया की अनिवार्यता और सतर्कता को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

मुठभेड़ में अपराधी सनी सिंह को लगी गोली

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रामगढ़। जिले के पतरातू-भुरकुंडा क्षेत्र में रामगढ़ पुलिस और कुख्यात राहुल दुबे गिरोह के अपराधी के बीच मुठभेड़ हो गई। इस मुठभेड़ में राहुल दुबे गिरोह के एक सक्रिय अपराधी को गोली लगी है। आरोपी की पहचान रैलीगढ़ा निवासी, सनी सिंह के रूप में हुई है। मौके से 02 देसी पिस्तौल, 01 मोबाइल फोन और 01 लेदर बैग भी बरामद किया गया है। इस ऑपरेशन के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। मिली जानकारी के अनुसार राहुल दुबे गिरोह के अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई के लिए एसआईटी टीम का गठन किया गया था, जो लगातार छापेमारी कर रही थी। इसी क्रम में पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि गिरोह का सक्रिय सदस्य सनी सिंह भुरकुंडा क्षेत्र में घूम रहा है और अपने साथियों के साथ मिलकर किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में है।

सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने भुरकुंडा और पतरातू क्षेत्र में सघन छापेमारी शुरू की। इसी दौरान यह इनपुट मिला कि भुरकुंडा स्थित दुमुहाना मंदिर के पास एक संदिग्ध व्यक्ति मौजूद है। पुलिस टीम ने तुरंत इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया। छापेमारी के दौरान संदिग्ध व्यक्ति ने पुलिस गाड़ी को देखते ही फायरिंग शुरू कर दी। हालांकि, थाना प्रभारी बाल-बाल बच गए। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की, जिसमें फायरिंग कर रहे अपराधी के दाहिने पैर में गोली लग गई और वह मौके पर ही घायल होकर गिर पड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम सनी सिंह, ग्राम रैलीगढ़ा बताया। घायल सनी सिंह को प्राथमिक उपचार के बाद तत्काल सीसीएल अस्पताल, भुरकुंडा भेजा गया। जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना के बाद रामगढ़ पुलिस अधीक्षक अजय कुमार खुद मौके पर पहुंचे और पूरे मामले की छानबीन की। उन्होंने बताया कि लगातार राहुल दुबे गिरोह या अन्य अपराधी के संगठन के खिलाफ कार्रवाई चल रही है। पुलिस और अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ में राहुल दुबे गिरोह के एक अपराधी को गोली लगी है। फिलहाल अपराधी का इलाज चल रहा है। बता दें कि कल ही रामगढ़ पुलिस ने हथियार के साथ राहुल दुबे गैंग के सात गुर्गे को गिरफ्तार किया है।

दुकान के बाहर मिला शव, इलाके में दहशत

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। सदर थाना क्षेत्र के तेलीपाड़ा इलाके में सोमवार की सुबह उस समय सनसनी फैल गई, जब एक व्यक्ति का शव दुकान के बाहर पड़ा हुआ मिला। सुबह-सुबह इस घटना की खबर फैलते ही आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंचे और पूरे क्षेत्र में अफरा तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय निवासी निरंजन कुमार ने बताया कि वह रोज की तरह अपनी दुकान खोलने पहुंचे थे। जैसे ही उन्होंने दुकान का शटर उठाया, बाहर एक व्यक्ति को अचेत अवस्था में पड़ा देखा। नजदीक जाकर देखने पर पता चला कि उसकी मौत हो चुकी थी। उन्होंने तुरंत आसपास के लोगों को इसकी जानकारी दी, जिसके बाद इलाके में चर्चा और भय का माहौल बन गया। घटना की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

रांची में 'एकम डायलॉग्स' का दो दिवसीय महाकुंभ कल से

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा सुरक्षा के क्षेत्र में कार्यरत संस्था 'सीड' आगामी 8 और 9 अप्रैल को रांची में 'एकम डायलॉग्स संवाद से निर्माण' नामक एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय शिखर सम्मेलन का आयोजन कर रही है। सोमवार को राजधानी में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान संस्था के सीईओ रमापति कुमार ने बताया कि इस गरिमामयी कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्र सरकार के रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ करेंगे। इस आयोजन की विशिष्टता यह है कि इसमें देश के 11 पद्मश्री सम्मान से नवाजे गए व्यक्तित्व भी अपने अनुभवों को साझा करेंगे। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 27 'चेंज मेकर्स' को 'एकम संवाद' सम्मान से विभूषित किया जाएगा, जिन्होंने जमीनी स्तर पर सकारात्मक बदलाव की इबारत लिखी है। दो दिनों तक चलने वाले इस महा-संवाद में कुल 11 तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। सीड के सीईओ ने स्पष्ट किया कि चर्चा का दायरा केवल किताबी ज्ञान तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसमें इको रिस्टोरेशन (पारिस्थितिकी बहाली), ऑर्गेनिक और प्राकृतिक खेती के सफल प्रयोगों पर गहन विमर्श होगा। इसके अतिरिक्त, स्वच्छ उद्योगों की स्थापना, वित्तीय संसाधनों का प्रबंधन, क्लाइमेट फाइनांस और नीतियों के प्रभावी कार्यान्वयन जैसे जटिल विषयों पर भी शोधकर्ता और नीति-निर्माता एक साझा मंच पर विचार-विमर्श करेंगे। आयोजन के मुख्य उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए रमापति कुमार ने कहा कि 'एकम डायलॉग्स' महज एक औपचारिक चर्चा नहीं बल्कि एक समावेशी मंच है। यहां नीति-निर्माताओं, उद्योगपतियों, शोधकर्ताओं और सिविल सोसाइटी के साथ-साथ महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। इसका प्राथमिक लक्ष्य सामुदायिक पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक वैज्ञानिक नवाचारों के बीच की खाई को पाटकर क्षेत्रीय विकास के व्यावहारिक समाधान खोजना है। यह पहल पूर्वी भारत के राज्यों के साझा सांस्कृतिक और पारिस्थितिक ताने-बाने को आधार बनाकर जलवायु-अनुकूल भविष्य के निर्माण की दिशा में एक बड़ा कदम साबित होगी। झारखंड, छत्तीसगढ़, बिहार और ओडिशा जैसे राज्य जलवायु परिवर्तन के प्रति अत्यंत संवेदनशील हैं। सीड की डायरेक्टर (पॉलिसी) सृष्टि पल्लव ने बताया कि 'एकम डायलॉग्स' इन राज्यों की साझा भौगोलिक और पर्यावरणीय चुनौतियों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। सम्मेलन के निष्कर्षों को एक 'श्वेत पत्र' के रूप में संकलित किया जाएगा, जिसे भविष्य की नीतियों के निर्माण के लिए संबंधित सरकारों के साथ साझा किया जा सकता है। रांची में होने जा रहा यह आयोजन निश्चित रूप से पर्यावरण और सतत विकास के क्षेत्र में एक नई चेतना जागृत करेगा।

ट्रेन की चपेट में आने से दो की मौत

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। पलामू जिले में सोमवार को रेलवे ट्रैक पर हुई दो अलग-अलग दुर्घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई। इन घटनाओं से इलाके में हड़कंप मच गया। मृतकों में एक की पहचान हो गई है जबकि दूसरा व्यक्ति अज्ञात है। पहली घटना शहर थाना क्षेत्र के बिसफुटा पुल के पास हुई। यहां हमीदगंज कंदाखाड़ मोहल्ला निवासी 62 वर्षीय रामानंद तिवारी ट्रेन की चपेट में आ गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सोमवार सुबह स्थानीय लोगों ने रेलवे ट्रैक पर उनका शव पड़ा देखा। सूचना मिलने पर रेल पुलिस और शहर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के अनुसार रामानंद तिवारी सुबह टहलने के दौरान ट्रेन की चपेट में आ गए। शव का पोस्टमार्टम मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कराया गया है। दूसरी घटना हैदरनगर थाना क्षेत्र में पूर्व मध्य रेल के बीडी रेल खंड पर कोसियारा और हैदरनगर स्टेशन के बीच हुई। यहां एक अज्ञात व्यक्ति की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। यह घटना कोसियारा स्टेशन से लगभग एक किलोमीटर पहले बताई जा रही है।

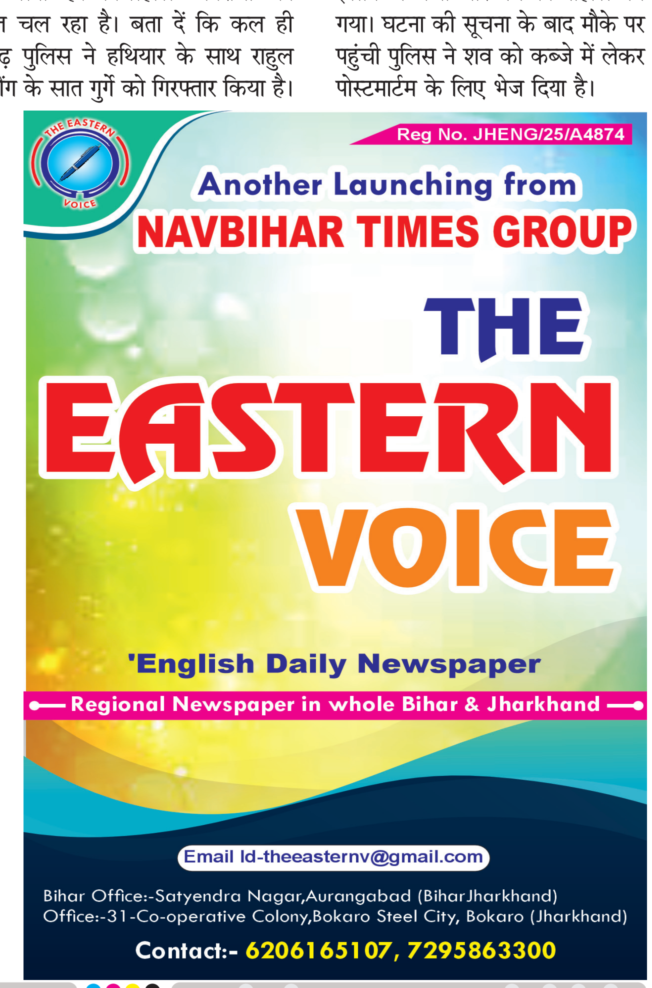

C M Y K

भाजपा के स्थापना दिवस पर बैठक, तीन दिवसीय अभियान की रूपरेखा तय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर शंकरचक्र स्थित भाजपा जिला कार्यालय में गिरिडीह जिला महानगर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष रंजीत कुमार राय ने की, जबकि संचालन जिला महामंत्री संदीप डंगेच ने किया बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष रंजीत कुमार राय ने कहा कि स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी द्वारा 6, 7 और 8 अप्रैल को विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

इस दौरान सभी कार्यकर्ता अपने-अपने घरों में पार्टी का झंडा लगाएंगे और बूथ स्तर पर बैठक कर बूथ अध्यक्ष व कमेटी के सदस्यों के साथ झंडारोहण करेंगे। उन्होंने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते कार्यकताओं का दायित्व है कि समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचे और जरूरतमंदों के बीच जाकर जनहित के कार्यों को प्राथमिकता दी जाए। यही पार्टी के लिए बलिदान देने वाले महापुरुषों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व जिला अध्यक्ष एवं नगर निगम के पूर्व डिप्टी मेयर प्रकाश सेठ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की स्थापना वर्ष 1980 में हुई थी और तब से लेकर आज तक पार्टी ने दो सीटों से बढ़कर बहुमत का आंकड़ा पार किया है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि उन महापुरुषों के त्याग और समर्पण का परिणाम है, जिनके विचारों को कार्यकताओं तक पहुंचाना आवश्यक है इस मौके पर कोडरमा लोकसभा सांसद प्रतिनिधि दिनेश प्रसाद यादव, नगर निगम के पूर्व अध्यक्ष पूनम प्रकाश, चुन्नीकांत, विनय सिंह, विनीता कुमारी, संत कुमार लल्लू, डॉ. शैलेंद्र चौधरी, संगीता सेठ, संजू देवी, अनूप सिन्हा, नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह बग्गा, मिथुन चंद्रवंशी, राजेश जायसवाल, जयशंकर सिन्हा, सुमन सिन्हा, नवीन सिन्हा, राजेश गुप्ता, गंगाधर दास, संजय साहू, इनोद साव, सुरेश मंडल, अशोक केसरी, पवन शर्मा, संतोष गुप्ता, समरदीप, सुरेंद्र यादव, शुभम पांडे, दीपक श्रीवास्तव, राज किशोर साहू, आदित्य यादव, मनीष कुमार, ज्योतिष शर्मा, सुनील साव, आकाश कुमार, कुंदन सिंह, श्रेयांश, सौरभ, अरुण राना, गोपाल कुमार सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

भाजपा विश्व की सबसे बड़ी और अनुशासित पार्टी : मंजू कुमारी

■ दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के समापन पर मनाया गया स्थापना दिवस

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जमुआ के झारखंडधाम स्थित विवाह भवन सभागार में भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर संपन्न हुआ। समापन अवसर पर पार्टी का स्थापना दिवस भी उत्साहपूर्वक मनाया गया।मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए जमुआ विधायक मंजू कुमारी ने कहा कि विकास एक सतत प्रक्रिया है और राष्ट्रवाद हमारी भावनाओं से जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि ह्लहमारा रोम-रोम राष्ट्र का कर्जदार है और हम सभी का कर्तव्य है कि मां भारती की रक्षा और सेवा के लिए सर्वस्व समर्पित करने को तैयार रहें।ह्व उन्होंने भाजपा को विश्व की सबसे बड़ी और अनुशासित पार्टी बताते हुए कार्यकर्ताओं को संगठन मजबूत करने का आह्वान किया उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि झारखंड में वर्तमान सरकार जनहित के कार्यों में विफल रही है। वहीं, पूर्व विधायक केदार हजरा पर भी क्षेत्र की उपेक्षा करने का आरोप लगाया और कहा कि उन्होंने आम जनता की बजाय प्रभावशाली लोगों को प्राथमिकता दी प्रशिक्षण शिविर में प्रशिक्षक बिरेंद्र तिवारी ने भाजपा के इतिहास, केंद्र सरकार की उपलब्धियों, सोशल मीडिया के महत्व और उसके उपयोग पर विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में मीडिया और सोशल मीडिया राजनीति का अहम हिस्सा बन चुका है। साथ ही कार्यकर्ताओं को प्रधानमंत्री के ह्लमन की बातह्व कार्यक्रम सुनने तथा सरल ऐप डाउनलोड करने की सलाह दी दूसरे प्रशिक्षक अशोक उपाध्याय ने भी भाजपा के इतिहास और संगठन के विकास पर विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष विकास मंडल ने की समापन अवसर पर सभी कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से भाजपा का स्थापना दिवस मनाया और हर घर में पार्टी का झंडा लगाने का संकल्प लिया शिविर में भाजपा के इतिहास, बूथ प्रबंधन, ह्लमन की बातह्व, वैचारिक अधिष्ठान, अंत्योदय, कार्य पद्धति, कार्य विस्तार, सोशल मीडिया, एआई एप, सरल ऐप और नमो ऐप जैसे विषयों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया इस अवसर पर माथुर मंडल, मोहन मंडल, दशरथ वर्मा, गंगाधर वर्मा, कार्तिक मंडल, विवेक आनंद कुशवाहा, ऋषि पांडेय, कुमारी प्रभा वर्मा, आशुतोष कुशवाहा, अजीत वर्मा, रंजीत मंडल, त्रिभुवन मंडल, राजेश वर्मा, राजेंद्र पंडित, राकेश वर्मा, अनिल चौधरी, नंदू वर्मा, शिवचरण महतो, बिरेंद्र राम, राजेंद्र मंडल, किशोर राम, दशरथ दास, टिकैत दास, संजय दास सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा के 46 वर्षों का सफर अविस्मरणीय : अविनाश

मेदिनीनगर/पलामू (नबिटासं)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्य समिति सदस्य अविनाश कुमार वर्मा ने आज पार्टी के 47 वें स्थापना दिवस के अवसर पर अपने पांकी रोड स्थित आवासीय कार्यालय में पार्टी का झंडा लगाकर पार्टी के संघर्ष को याद किया। विदित हो कि 6 अप्रैल 1980 को भारतीय जनता पार्टी की स्थापना हुई थी। इसके प्रथम राष्ट्रीय अध्यक्ष भारतरत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेई बनाए गए थे। जबकि पलामू जिले के प्रथम अध्यक्ष आदरणीय श्याम नारायण दुबे मनोनीत किए गए थे। आज उस कार्यक्रम के निमित्त अविनाश वर्मा ने बयान जारी कर कहा कि भारत देश के करोड़ों भारतीयों के लिए यह गर्व का विषय है कि मात्र 46 साल पूर्व जिस पार्टी की नींव डाली गई थी आज वह पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी है। बीच के कुछ कालखंडों के साथ पिछले 12 वर्षों से लगातार केंद्र की सरकार माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में कई आयाम स्थापित करने का काम कर रही है। साथ ही साथ कई राज्यों में भाजपा की सरकार कई कृतिमान स्थापित कर चुकी है। यह उन जैसे करोड़ देशवासियों व भारतीय जनता पार्टी के जमीनी कार्यकताओं के लिए उत्साह का विषय है। अविनाश वर्मा ने कहा कि आज देश के सभी पार्टी कार्यालयों के साथ हम सभी कार्यकताओं के द्वारा अपने-अपने घरों पर पार्टी का झंडा लगाकर पार्टी के प्रति समर्पण व नेतृत्व के निर्णय का स्वागत करते हैं। इस 46 वर्षों के सफर में हम उन लोगों को विशेष रूप से याद करते हैं, जिन्होंने पार्टी के हित में अपने आप को खपा दिया।

इचाक मोड़ फ्लाईओवर और कन्हरी क्षेत्र में सर्विस रोड को मंजूरी, कोडरमा-मेघातरी फोरलेन मरम्मत भी जल्द

हजारीबाग ब्यूरो (नबिटाब)। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 33 पर इचाक मोड़ में फ्लाईओवर निर्माण और कन्हरी वाइल्डलाइफ क्षेत्र में सर्विस रोड के निर्माण के लिए लगभग 54 करोड़ रुपये की निविदा को मार्च माह में स्वीकृति दे दी है। इस परियोजना के पूरा होने से इचाक बाजार में लगने वाली भीड़भाड़ की समस्या से लोगों को राहत मिलेगी। साथ ही कन्हरी वन्य प्राणी क्षेत्र के दोनों ओर सर्विस रोड बनने से स्थानीय निवासियों को आवागमन में काफी सुविधा होगी। लगभग 10 वर्षों से लंबित इस समस्या के समाधान की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वहीं दूसरी ओर, रांची-पटना मुख्य मार्ग पर कोडरमा से मेघातरी के बीच फोरलेन सड़क का कार्य लंबे समय से लंबित है। इस मार्ग की मरम्मत के लिए करीब 10 करोड़ रुपये की निविदा को भी मंजूरी मिल चुकी है। ठऌअक द्वारा इस कार्य को जल्द पूरा करने की तैयारी की जा रही है, जिससे भविष्य में यह मार्ग अधिक सुरक्षित और सुगम हो इसकी जानकारी परियोजना निदेशक मनोज पांडे ने दी।

आपूर्ति विभाग की समीक्षात्मक बैठक

हजारीबाग ब्यूरो (नबिटाब)। उपायुक्त श्री शशि प्रकाश सिंह के निदेर्शानुसार सोमवार को समाहरणालय सभागार में आपूर्ति विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम एवं झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी श्री मुरली यादव ने आरसीएमएस, सेल्फ सरेंडर, डोर स्टेप डिलीवरी, जन वितरण प्रणाली

(पीडीएस) विक्रेताओं की स्थिति, चना-दाल, चीनी, नमक वितरण, गोदामों की स्थिति, सोना-सोबरन अंत्योदय योजना, मिट्टी तेल वितरण तथा सफेद एवं ग्रीन राशन कार्ड की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली एवं प्रगति हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला आपूर्ति पदाधिकारी ने भारत सरकार द्वारा उपलब्ध कराए गए अयोग्य राशन कार्डधारियों की सूची के अनुसार विलोपन सुनिश्चित करने, कम खाद्यान्न वितरण वाले क्षेत्रों में सुधार लाने तथा पीजीएमएस (ढङ्मट्टर) में लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन करने का निर्देश दिया। सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारियों को क्षेत्र भ्रमण कर पीडीएस डीलरों के कार्यों की समीक्षा करने एवं अपने लॉगिन में लंबित आवेदनों का शीघ्र निष्पादन कर शून्य करने, पात्र लाभुकों के आवेदनों को स्वीकृत करने तथा अपात्र, मृत अथवा राशन कार्ड सरेंडर किए गए मामलों में जांचोपरांत अग्रेतर कार्रवाई करने का निर्देश दिया। सभी बीसीओ को ह्लवन नेशन वन राशन कार्डह्व योजना के अंतर्गत राशन उठाव करने वाले लाभुकों का वेरिफिकेशन कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया। साथ ही विलोपित एवं रिजेक्टेड मामलों की जांच अपने स्तर से करने का निर्देश संबंधित पदाधिकारियों को दिया गया। इसके अतिरिक्त उन्होंने अप्रैल माह के राशन 15 अप्रैल तक शत-प्रतिशत वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी, सभी प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

13 अप्रैल को हजारीबाग यूथ विंग का रक्तदान शिविर, सांसद ने हजारीबाग वासियों से की अपील

हजारीबाग ब्यूरो (नबिटाब)। हजारीबाग यूथ विंग द्वारा 13 अप्रैल को शहर के लक्ष्मी सिनेमा हॉल केंपस में आयोजित होने वाले भव्य रक्तदान शिविर को लेकर सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। लगातार तीसरी बार आयोजित हो रहे इस शिविर को सफल बनाने के लिए संस्था द्वारा व्यापक स्तर पर जनसंपर्क एवं निमंत्रण अभियान चलाया गया है, जिसके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहे हैं। इस सामाजिक पहल को लेकर हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल ने जिलेवासियों से अपील करते हुए कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है, जो सीधे किसी जरूरतमंद की जान बचाने में सहायक होता है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि अधिक से अधिक संख्या में शिविर में पहुंचकर रक्तदान करें और इस पुनीत कार्य में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करें। उन्होंने यह भी कहा कि रक्तदान करने से शरीर पर कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता, बल्कि यह स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है। हर स्वस्थ व्यक्ति को प्रत्येक तीन महीने में रक्तदान अवश्य करना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा सड़क सुरक्षा की दृष्टिकोण से हर रक्तदाताओं को हेलमेट भेंट किया जाएगा। शिविर को सफल बनाने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं।

समय से पहले बनें जन्म-मृत्यु प्रमाण पत्र, लापरवाही बर्दाश्त नहीं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। नगर निगम में आज एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें नगर निगम की कार्यप्रणाली को और अधिक सुचारू एवं जनहितकारी बनाने को लेकर कई अहम निर्देश दिए गए।बैठक के दौरान नगर निगम पहुंचकर पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों के साथ विस्तृत समीक्षा की गई।

इस दौरान निर्देश दिया गया कि नगर निगम क्षेत्र की आम जनता को जन्म प्रमाण पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र निर्धारित समय से पहले निर्गत किए जाएं, ताकि लोगों को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े इसके साथ ही सभी पदाधिकारियों और कर्मचारियों को यह भी निर्देशित किया गया कि नगर निगम से जुड़े सभी कार्य समय सीमा से पहले पूर्ण किए जाएं। अधिकारियों को स्पष्ट रूप से कहा गया कि आम जनता की सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए और किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी बैठक में नगर निगम के डिप्टी मेयर सुमित कुमार, झामुमो गिरिडीह महानगर समिति के अध्यक्ष राकेश कुमार रॉकी, उप नगर आयुक्त प्रशांत कुमार लायक सहित नगर निगम के सभी पदाधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।नगर निगम की इस पहल से आम लोगों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

राजकुमार राज ने सराहा रेलवे बजट, झारखंड को मिली सौगात

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। राष्ट्रीय लोकजनशक्ति पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार राज ने केंद्र सरकार द्वारा प्रस्तुत रेलवे बजट में झारखंड को मिली बड़ी परियोजनाओं पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने कहा कि हजारों करोड़ रुपये के आवंटन से राज्य में विकास और कनेक्टिविटी को नई रफ्तार मिलेगी राजकुमार राज ने कहा कि कोडरमा-रांची, गिरिडीह-कोडरमा और कोडरमा-तिलैया जैसी महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं के लिए किए गए प्रावधान राज्य के समग्र विकास की दिशा में बड़ा कदम है। इससे न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि व्यापार और रोजगार के नए अवसर भी उत्पन्न होंगे रेलवे बजट में झारखंड के रेल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने के लिए बड़े निवेश का ऐलान किया गया है कोडरमा-रांची (लगभग 189 किमी) नई रेल लाइन के लिए 3,376.82 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं, जिससे राजधानी रांची से सीधा संपर्क बेहतर होगा।गिरिडीह-कोडरमा (102.5 किमी) रेल लाइन के लिए 925.99 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो उत्तर और मध्य झारखंड के बीच संपर्क को मजबूत करेगा कोडरमा-तिलैया (68 किमी) रेल लाइन के लिए 1,626 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिससे स्थानीय यातायात और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

गिरिडीह में नगर निगम ने चलाया अतिक्रमण हटाओ अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जहां शहर को अतिक्रमण मुक्त बनाने के लिए नगर निगम ने सख्त कदम उठाए हैं। सोमवार को गिरिडीह नगर निगम द्वारा व्यापक स्तर पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया यह अभियान टावर चौक से शुरू होकर कालीबाड़ी चौक तक चला, जहां सड़क किनारे और फुटपाथ पर अवैध रूप से दुकानें लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई। अभियान के दौरान नगर निगम की टीम ने कई फुटपाथी दुकानदारों के सब्जी, तराजू और अन्य सामान जब्त कर लिए नगर निगम के अधिकारियों ने दुकानदारों को सख्त चेतावनी दी कि दोबारा अतिक्रमण करने पर जुमार्ना और कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि वरीय

पदाधिकारियों के निर्देश पर यह अभियान लगातार चलाया जा रहा है।

पहले दुकानदारों को समझाया गया, लेकिन नहीं मानने पर कार्रवाई करनी पड़ी नगर निगम ने स्पष्ट किया कि इस अभियान का उद्देश्य शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाना और आम लोगों को जाम की समस्या से राहत दिलाना है। साथ ही आम नागरिकों और दुकानदारों से अपील की गई है कि वे नियमों का पालन करें और सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण न करें अभियान के दौरान नगर निगम कर्मियों के साथ यातायात पुलिस के जवान भी मौजूद रहे। फिलहाल, गिरिडीह में अतिक्रमण के खिलाफ यह कार्रवाई आगे भी जारी रहने वाली है।

ग्रोथ कोचिंग में मैट्रिक टॉपर मेधावी विद्यार्थी सम्मानित

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

नवादा। जिले के हिसुआ स्थित अंदर बाजार नाला के पास संचालित ग्रोथ कोचिंग सेंटर में मैट्रिक परीक्षा 2026 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के सम्मान में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व संस्थान की निदेशक रत्नेश कुमार ने किया। समारोह में सफल छात्रों को मेडल, प्रमाण पत्र, कलम -डायरीएवं मोमेंटो प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे विद्यार्थियों में उत्साह और आत्मविश्वास का संचार हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नवादा सदर -2 एसडीपीओ अमित कुमार नगर परिषद चेयरमैन पूजा कुमारी ,प्रो॰ मुकेश कुमार ,उपमुख्य पार्षद टिंकू कुमार ,पत्रकार सुनील चौधरी रहे।

कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के अंगवस्त्र मोमेंटो एवं पुष्पगुच्छ देकर भव्य स्वागत के साथ हुई। अपने संबोधन में एसडीपीओ ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि सफलता प्राप्त करने के लिए सोशल मीडिया से दूरी बनाकर पढ़ाई पर अधिक ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने अनुशासन, समर्पण और कड़ी मेहनत को सफलता की कुंजी बताया। वहीं चेयरमैन पूजा कुमारी ने भी छात्रों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने और निरंतर प्रयास करते रहने की सलाह दी। समारोह में कोचिंग संस्थान के मेधावी छात्रों को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। दीपाली (465 अंक), रौशन (461), अनन्या (456), प्रिंसी (453), दीप राज (452), राधिका (448), गोलू (434), सृष्टि (426), सिद्धार्थ (424), हेमलता (416), सुप्रिया (415), खुशबू (414), सोनी (414), रवि (411), आर्यन (406), शिवानी (400) एवं शुभम (400)। 12वीं बोर्ड 2026 में पायल (451 अंक), सत्यम (432), अनोखी (423), फलक (418), सतीश (411), सुरुचि (402), दिव्या (383), साहुल (382), चांदनी (373), संजना (373), वर्षा (372), सिफा नाज (371), त्रिशा (370), जूली (369), मनीष (362) और सदफ (359)। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में संस्थान के शिक्षक बलराम कुमार, राजू सर, शैलेश सर, पूजा कुमारी, रानी कुमारी, अलिशा राज, विक्रम सर, शुभम सर, सनी सर और अमित सर का विशेष योगदान रहा।

पीपरा के अंचलाधिकारी सड़क दुर्घटना में घायल, भर्ती

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। सोमवार को पलामू जिले के दो अंचलाधिकारी सड़क दुर्घटना में घायल हो गए हैं। नौडीहा बाजार के अंचलाधिकारी जितेंद्र कुमार व पिपरा के अंचलाधिकारी संजय कुमार सिंह सड़क दुर्घटना में घायल हो गए। साथ ही दुर्घटना में नौडीहा बाजार अंचलाधिकारी के ड्राइवर रविंद्र कुमार भी घायल हो गए हैं।

समाचार के अनुसार दोनों अंचलाधिकारी अपने -अपने ड्राइवर के साथ मेदिनीनगर में आयोजित मीटिंग में आ रहे थे। इसी बीच छतरपुर थाना क्षेत्र के मसीहानी गांव के पास एक टेलर वाहन से उनके वाहन की टक्कर हो गई। इसमें दोनों अंचलाधिकारी संजय कुमार सिंह व जितेंद्र कुमार सहित उनका ड्राइवर गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय ग्रामीणों ने तीनों घायलों को इलाज के लिए छतरपुर अनुमंडल अस्पताल ले गए । वहां इलाज के बाद चिकित्सकों ने इनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड अस्पताल रेफर कर दिया। यहां दोनों का इलाज चल रहा है। घटना के बाद छतरपुर थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर दोनों वाहनों को जप्तकर थाना ले गई। साथ ही आगे की कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

डीएवी पब्लिक स्कूल, सीसीएल गिरिडीह में नए सत्र 2026-27 का शुभारंभ

'बच्चों का सर्वांगीण विकास' रहेगा इस वर्ष का मुख्य थीम

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह । डीएवी पब्लिक स्कूल, सीसीएल, गिरिडीह में नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 का शुभारंभ ह्लबच्चों का सर्वांगीण विकासह्व थीम के साथ किया गया इस अवसर पर विद्यालय परिसर में प्राचार्य ओमप्रकाश गोयल के नेतृत्व में यज्ञ एवं हवन का आयोजन किया गया, जिसमें पूरे विद्यालय परिवार एवं उपस्थित छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर नए सत्र की मंगलकामना की।

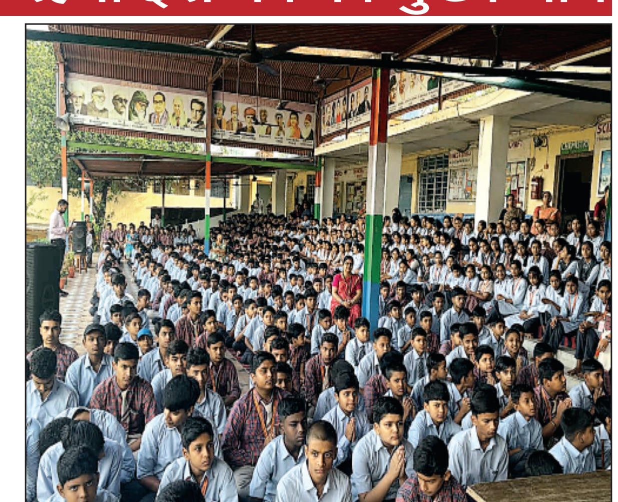

कार्यक्रम के दौरान प्राचार्य ओमप्रकाश गोयल ने सभी शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि अनुशासन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा बच्चों का पहला अधिकार है। उन्होंने कहा कि शिक्षा के साथ-साथ बच्चों का सर्वांगीण विकास करना विद्यालय का प्रमुख दायित्व है उन्होंने छात्रों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे अपने विकास के प्रति हमेशा सजग रहें और शिक्षकों के साथ मिलकर आगे बढ़ें विद्यालय परिवार ने आशा व्यक्त की कि नया सत्र सभी विद्यार्थियों के जीवन में नई उम्मीदें, अवसर और सफलता लेकर आएगा।

पुलिस छापेमारी में शराब सिंडिकेट का भंडाफोड़

बालू भंडारण की आड़ में चल रहा था कारोबार

- 5,148 बोतल बरामद, कारोबारियों में दहशत
- असली बोतल में परोसी जा रही नकली शराब

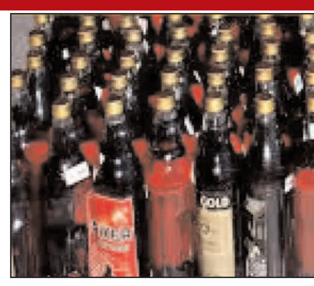

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चांडिल । सरायकेला-खरसावां जिले के उपायुक्त नितिश कुमार सिंह के निर्देश पर उत्पाद विभाग ने अवैध शराब के सिंडिकेट पर अब तक की सबसे बड़ी चोट की है। उत्पाद अधीक्षक क्षितिज मिंज के नेतृत्व में संयुक्त टीम ने चौका थाना क्षेत्र के मिरूडीह में छापेमारी कर अवैध शराब फैक्ट्री और भंडारण का भंडाफोड़ किया है।

गुप्त सूचना के आधार पर सोमवार रात 2 बजे शुरू हुआ यह तलाशी अभियान मंगलवार सुबह 8:30 बजे तक चला। मिरूडीह में बालू स्टॉक की आड़ में एक टीन शेड के भीतर अवैध कारोबार संचालित किया जा रहा था। छापेमारी के दौरान टीम ने विभिन्न ब्रांडों की पंजाब निर्मित अवैध विदेशी शराब की कुल 5,148 बोतलें बरामद कीं।इसको लेकर शराब माफियाओं में दहशत व्याप्त है।

जांच में सामने आया है कि यह फैक्ट्री पिछले दो महीनों से सक्रिय थी। यहां नकली शराब का निर्माण और ब्रांडेड बोतलों में रीपैकेजिंग कर उन्हें अलग-अलग क्षेत्रों में खपाया जा रहा था। उत्पाद विभाग की इस संयुक्त टीम में सरायकेला और पूर्वी सिंहभूम के अधिकारी समेत चौका थाना प्रभारी शामिल थे। इस बड़ी कार्रवाई से क्षेत्र के शराब माफियाओं में हड़कंप मच गया है।

उत्पाद विभाग ने शराब के साथ-साथ निर्माण में प्रयुक्त होने वाली डेकची, खाली बोतलें और अन्य उपकरण भी जब्त किए हैं। विभाग अब इस रैकेट के मुख्य सरगनाओं की तलाश में जुट गया है।

आरोपित गिरफ्तार

दुमका। आज कल लोग गलत कार्य करने से पहले अपने और अपने परिवार की चिंता नहीं करते है। जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र में प्रेम का अनोखा मामला सामने आया है।

यहां पांच बच्चों के पिता मनार अंसारी का दिल अपने पड़ोस में रहने वाली तीन बच्चे की मां पर आ गया। 30 मार्च को दोनों अपने बच्चों को छोड़कर भाग गए। इस बात की जानकारी बच्चों ने नजदीक गांव में रहने वाले नाना को दी। पिता ने अपने स्तर से काफी खोजबीन की, लेकिन कुछ पता नहीं चला।थक हारकर उन्होंने चार अप्रैल को मनार अंसारी पर बेटी के अपहरण का मामला दर्ज कराया। आवेदन में बताया कि उनका दामाद दूसरे शहर में रोजगार के लिए गया है।ऐसे में घर में बेटी अकेली थी। 30 मार्च को मनार उसे बहला फुसलाकर ले कर भाग गया। पुलिस ने इस मामले में तो त्वरित कार्रवाई करते हुए सोमवार को मनार अंसारी को उसके घर सोनाढाप गांव से गिरफ्तार किया। महिला को भी बरामद कर स्वजन को सूचित किया। थाना प्रभारी अमित लकड़ा ने बताया कि अपहरण के आरोप में मनार को जेल भेज दिया गया है। महिला का मंगलवार को अदालत में बयान दर्ज कराया गया।

पत्नी की हत्या कर टोटो से शव ले जाकर झाड़ी में फेंका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

झुमरी तिलैया (कोडरमा)। कोडरमा जिले के तिलैया थाना क्षेत्र से एक बेहद सनसनीखेज और दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है। तिलैया बस्ती वार्ड नंबर 2 की रहने वाली 28 वर्षीय प्रीति कुमारी की हत्या कर उसके शव को प्लास्टिक में बांधकर गोमो स्थित सतपुलिया के पास झाड़ियों में फेंक दिया गया। इस जघन्य वारदात का आरोप उसके पति पवन स्वर्णकार पर है, जो घटना के बाद से फरार है।

जानकारी के अनुसार, पवन स्वर्णकार पेशे से टोटो चालक है और अपनी पत्नी व तीन वर्षीय बच्ची के साथ तिलैया बस्ती में किराए के मकान में रहता था। बताया जा रहा है कि बीते दिनों वह राजधनवार में रह रहा था, लेकिन गुरुवार को पत्नी और बच्ची के साथ झुमरी तिलैया लौटा था।

शनिवार की सुबह पवन ने अपने ससुराल में फोन कर बताया कि किसी बात को लेकर उसका प्रीति से विवाद हुआ, जिसमें प्रीति ने उस पर बेलन से हमला कर दिया। इससे गुस्साए पवन ने प्रीति को मसाला पीसने वाले सिलवट पर पटक दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

हत्या की बात कबूल करने के बाद पवन अचानक लापता हो गया। सूचना मिलने पर मृतका के स्वजन तिलैया पहुंचे और पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस जब पवन के किराए के मकान पर पहुंची, तो वह बंद मिला। इसके बाद उसकी तलाश शुरू की गई। जांच के दौरान आरोपी के मोबाइल की आखिरी लोकेशन मरकच्चो थाना क्षेत्र में मिली, जबकि उसका टोटो बेंगाबाद इलाके में देखा गया। इधर, सोमवार की सुबह गुमो सतपुलिया के पास एक स्थानीय व्यक्ति ने झाड़ियों में प्लास्टिक में लिपटा शव देख पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर परिजनों को बुलाया, जहां उसकी पहचान प्रीति कुमारी के रूप में हुई। शव पर गंभीर चोट के निशान मिले हैं, जिससे हत्या की पुष्टि होती है।

एसपी अनुदीप सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह हत्या का मामला है।

आरोपी की गिरफ्तारी के लिए एसडीपीओ अनिल सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई है। साथ ही एफएसएल टीम को भी जांच के लिए बुलाया गया है। पुलिस सभी पहलुओं पर गहनता से जांच कर रही है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है।

पत्नियों ने पतियों को कोर्ट परिसर में धूना

बीच बचाव करने आये पतियों के दोस्तों को लोगों ने लिया आड़े हाथों

पुलिस ने कराया मामला शांत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

दुमका। कोर्ट परिसर में सोमवार को न्याय के लिए पहुंचे दो पत्नियां पतियों को सामने देखकर आपा खो बैठी और भीड़ के बीच से पतियों को खींचकर जमकर पीटा। उत्पीड़न व दूसरी शादी से नाराज पत्नियां किसी के समझाने के बाद भी पिटाई करने से नहीं चूकी।

वे तब तक पतियों की पिटाई करतीं रहीं, जब तक लोगों ने सख्ती से बचाव नहीं किया। नगर थाना की पुलिस ने आकर किसी तरह से शांत कराया।

जामा के छैलापाथर की रहने वाली एक महिला दोपहर को पहले से चल रहे केस की सुनवाई के लिए आई थी। जब उसकी नजर मसलिया के खूंटोजारी निवासी पति पर पड़ी तो वह आपा खो बैठी। उसने दौड़कर पति को पकड़ लिया और जमकर पिटाई शुरू कर दी।

महिला का कहना था कि पति ने दूसरी शादी कर ली है। पहले भी उसके साथ मारपीट करता था, इसलिए कुटुंब न्यायालय में मेंटेनेंस का मामला भी दर्ज कराया। वारंट जारी होने के बावजूद पुलिस ने उसे गिरफ्तार नहीं किया। पति के साथ मौजूद एक व्यक्ति ने जब महिला पर हाथ उठाया तो मौके पर मौजूद लोग महिला के समर्थन में आ गए और दोनों पक्षों के बीच मारपीट होने लगी। सूचना मिलते ही पुलिस पहुंची और दोनों पक्षों को हिरासत में लेकर माहौल शांत कराया।

वहीं, दूसरी घटना में पति-पत्नी और एक तीसरे व्यक्ति के बीच विवाद ने उग्र रूप ले लिया। महिला ने आरोप लगाया कि वर्षों तक साथ रहने के बावजूद पति ने दूसरी शादी कर उसे छोड़ दिया। उसने भी भरी भीड़ में पति को पकड़ लिया और जमकर पिटाई कर दी।

पिटाई के बाद पति ने भागने की कोशिश की तो महिला ने काफी दूर तक पीछा कर पकड़ा और फिर पीटा। हालांकि, पति मौके का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा।

नगर थाना की पुलिस का कहना है कि जामा के मामले में दोनों पक्ष को थाना लाया गया था, कोर्ट में केस चल रहा है इसलिए दोनों को समझा बुझाकर उनके घर भेज दिया गया है।

छात्र समागम समारोह में पूर्ववर्ती छात्रों ने शिक्षा की गिरती गुणवत्ता पर उठाये सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेलागंज। बेलागंज स्थित अग्रवाल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सोमवार को आयोजित पूर्ववर्ती छात्र समागम समारोह केवल एक मिलन समारोह बनकर नहीं रहा, बल्कि यह कार्यक्रम विद्यालय की गिरती शैक्षणिक गुणवत्ता और अनुशासन को लेकर गंभीर मंथन का मंच बन गया। बड़ी संख्या में जुटे पूर्व छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और गणमान्य लोगों ने विद्यालय के स्वर्णिम अतीत की याद को ताजा करते हुए वर्तमान हालात पर चिंता जताई और सुधार के लिए सामूहिक प्रयास की जरूरत पर बल दिया।

कार्यक्रम की शुरूआत संस्थापक स्व. गुलाब चंद अग्रवाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद दीप प्रज्वलित कर समारोह का औपचारिक उद्घाटन हुआ। समारोह की अध्यक्षता पूर्व प्राचार्य एवं राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित रामप्रवेश सिंह ने की। अपने संबोधन में उन्होंने विद्यालय के पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि एक समय यह संस्थान अनुशासन, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और उत्कृष्ट परिणामों के लिए पूरे क्षेत्र में पहचान रखता था, लेकिन वर्तमान में स्थिति चिंताजनक होती जा रही है।

उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शिक्षा के स्तर में गिरावट और अनुशासनहीनता ने विद्यालय की छवि कोप्रभावित किया है।

उन्होंने पूर्व छात्रों से आह्वान किया कि वे केवल आलोचना तक सीमित न रहें, बल्कि विद्यालय के विकास में सक्रिय भूमिका निभाएं। समारोह में पूर्व शिक्षक राम सुमिरन शर्मा, राम अकबाल शर्मा, जनमेजय

सुधार के लिए एकजुट हुए एलुमनाई

बाबू, कौशलेंद्र प्रियदर्शी, अभयचंद प्रजापति, अरविन्द शर्मा, रामविनय सिंह, शंभू शरण सिंह, जनक शर्मा, मंटू कुमार गौतम एवं रजनीश कुमार सहित कई वक्ताओं ने भी शिक्षा व्यवस्था में आ रही गिरावट पर नाराजगी जताई।

वक्ताओं ने कहा कि यदि समय रहते सुधार नहीं किया गया, तो विद्यालय अपनी पहचान खो सकता है। सभी ने मिलकर अनुशासन बहाली, शिक्षण गुणवत्ता सुधार और छात्रों के समग्र विकास के लिए ठोस कदम उठाने पर सहमति जताई।

कार्यक्रम के दौरान पूर्ववर्ती छात्र संघ की ओर से विद्यालय के विकास में सहयोग देने का संकल्प लिया गया। साथ ही उपस्थित सभी पूर्व छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह के बाद सामूहिक भोज का आयोजन किया गया, जिसमें मगध क्षेत्र के पारंपरिक व्यंजन ₹बिरंजर₹ को विशेष रूप से परोसा गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में संपा के अध्यक्ष रविन्द्र कुमार, संयोजक रविशंकर कुमार, सचिव पंकज कुमार, कोषाध्यक्ष प्रभात कुमार मिश्रा समेत कई सदस्यों की सक्रिय भूमिका रही। इस मौके पर बड़ी संख्या में पूर्व छात्र-छात्राएं और शिक्षक उपस्थित रहे, जिन्होंने विद्यालय के पुनर्निर्माण और गौरव बहाली के लिए एकजुट होकर काम करने का संकल्प लिया।

सर्विस रोड को कराया गया अतिक्रमणमुक्त

जाम से लोग होते थे हलकान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चंदवारा (कोडरमा)। चंदवारा थाना क्षेत्र अंतर्गत चंदवारा पुराना थाना चौक से लेकर बजरंगबली चौक स्थित सर्विस रोड़ पर लगे ठेला वाले को चंदवारा थाना प्रभारी शशि भूषण कुमार ने हटाया।

सभी को हिदायत दी गई कि सर्विस रोड़ पर अतिक्रमण करने पर कार्रवाई की जाएगी।

अतिक्रमण होने से आने जाने वाले लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिससे लोग काफी हलकान होते थे।

संजीव बने राजगंज के नए थानेदार

धनबाद। हाल ही में पाकुड़ जिला बल से स्थानांतरित होकर धनबाद आए संजीव कुमार राजगंज के नए थानेदार बनाए गए। वे पुलिस लाइन में वेटिंग फॉर पोस्टिंग पर थे। विभागीय सीमित परीक्षा पास कर एसआई बने संजीव कुमार को अब महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

अलीशा कुमारी के लाइन क्लोज के बाद खाली था पद।

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह राजगंज थाना प्रभारी अलीशा कुमारी को लाइन क्लोज कर दिया गया था। इसके बाद से यह पद खाली पड़ा था और नए थानेदार को लेकर तरह-तरह की चर्चाएं चल रही थीं। अब संजीव की नियुक्ति के साथ ही इन सभी कयासों पर पूर्ण विराम लग गया है।

चिकनपॉक्स से बचाव के लिए टीकाकरण अभियान को समर्थन दे रहे डॉ. अशोक तलपातर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। स्वास्थ्य सेवाओं में समानता को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए अपोलो क्लिनिक, धनबाद के बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. अशोक तलपातर ने वंचित वर्ग की लड़कियों के लिए चिकनपॉक्स से बचाव के लिए एक विशेष टीकाकरण अभियान का समर्थन किया।

यह पहल जेनरेटिंग अवेयरनेस ऑन अंडरप्रिविलेज्ड गर्ल्स राइट टू इम्यूनाइजेशन के तहत आयोजित की गई, जिसका नेतृत्व नोवो मेडि साइंसेज प्राइवेट लिमिटेड कर रहा है।

इस अभियान को क्राई (चाइल्ड राइट्स एंड यू) का भी सहयोग मिला, जिससे इसकी पहुंच बढ़ी और जमीनी स्तर पर प्रभाव को मजबूती मिली।

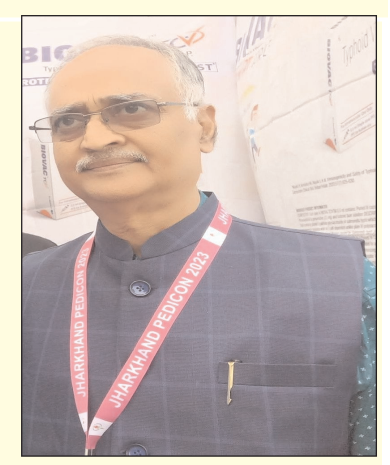

अभियान के तहत लोगों को मिस्ड कॉल के जरिए इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित किया गया, जो एक प्रतीकात्मक पहल से आगे बढ़कर अब एक व्यापक अभियान का रूप ले रहा है, जो वंचित लड़कियों के लिए निवारक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने की दिशा में काम कर रहा है।

डॉ. तलपातर ने कहा कि चिकनपॉक्स से बचाव संभव है, लेकिन फिर भी कई बच्चे, खासकर वंचित पृष्ठभूमि की लड़कियां, टीकाकरण से वंचित रह जाती हैं। जेनरेटिंग अवेयरनेस ऑन अंडरप्रिविलेज्ड गर्ल्स राइट टू इम्यूनाइजेशन जैसी पहलें जागरूकता बढ़ाने और ऐसी स्वास्थ्य जरूरतों तक पहुंच सुधारने में अहम भूमिका निभाती हैं। मुझे उन प्रयासों में योगदान देने पर गर्व है, जो बच्चों को रोकी जा सकने वाली बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं।

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सं. 03_2026-27, दिनांक 02.04.2026 वरिष्ठ मंडल अभियंता/सी, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **वरिष्ठ डीईएन/ मुख्यालय/हावड़ा** के अधीन। **कार्य का विवरण :** मानसून से पहले अत्यावश्यकता के आधार पर हावड़ा स्टेशन प्लेटफॉर्म क्षेत्र, यार्ड क्षेत्र और कॉलोनी क्षेत्र आदि में स्थित ढके हुए एवं बिना ढके हुए ड्रेनों की सफाई का प्रावधान। **अनुमानित मूल्य :** रु. 63,36,893.16, **बयाना राशि:** रु. 1,26,700/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य :** रु.0.00, **समापन अवधि :** स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से 12 (बारह) माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय : दिनांक 27.04.2026 को 14.00 बजे।** निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। **ईएमडी और टीडीसी का भुगतान**-ई-निविदा प्रणाली के मामले में, बयाना राशि जमा (ईएमडी) और निविदा कागजात की लागत (टीडीसी) का भुगतान, केवल नेट बैंकिंग या पेमेंट गेटवे के माध्यम से स्वीकार किया जाएगा। **टिप्पणी:** आईआरईपीएस (ई-निविदा पोर्टल) पर आमंत्रित निविदाओं के लिए ईएमडी के रूप में कोई फिक्स्ड डिपॉजिट रिसीट (एफडीआर) स्वीकार नहीं की जाएगी। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-07/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

पूर्व रेलवे

ई-निविदा सं.: 01_2026-27, दिनांक: 01.04.2026, मंडल रेल प्रबंधक, पूर्व रेलवे, हावड़ा, नई डीआरएम बिल्डिंग, रेल म्यूजियम के पास, हावड़ा-711101 **[वरिष्ठ डीईएन/सी/हावड़ा** के कार्यक्षेत्र के लिए] द्वारा निम्नलिखित कार्य के लिए सिंचाई/सीपीडब्ल्यूडी/एसईबी/एमईएस या किसी सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम से पंजीकृत समेत समप्रकृति के कार्य के अनुभवी एवं अपेक्षित वित्तीय संपन्न निविदाकारों से निम्नलिखित ई-निविदा ऑनलाइन आमंत्रित की जाती है: **कार्य का विवरण** : वरिष्ठ मंडल अभियंता (समन्वय)/हावड़ा के तहत हावड़ा मंडल/अन्य मंडल में कहीं भी साइट पर इंजीनियर के निर्देश के अनुसार 30 मीटर की लीड के भीतर मल्टीपल ट्रैक के सभी लीड, लिफ्ट, क्रॉसिंग आदि के साथ यांत्रिक लोडिंग, अनलोडिंग और स्टैकिंग, पृथक्करण आदि सहित सभी प्रकार की पी. वे सामग्री जैसे रेल, स्विच, क्रॉसिंग आदि का परिवहन जिसमें टेलर के उपयोग की आवश्यकता है और साथ ही ईआरसी, बोल्ट और नट, जिसमें प्लेट हों और अन्य पी. वे सामग्री और ट्रैक मशीन स्पेयर पार्ट्स जैसे कन्वेयर बेल्ट, कटर, चेन, वेयर प्लेट, फिल्टर, वाल्व, सिलेंडर, बैटरी, पंप, मोटर आदि जिसमें ट्रक के उपयोग की आवश्यकता है। **अनुमानित मूल्य :** रु. 8,05,85,738/-, **बयाना राशि :** रु. 16,11,700/-, **निविदा प्रपत्र का मूल्य** : शून्य। **समापन अवधि** : 09 माह। यदि निविदा आमंत्रण सूचना में उल्लिखित अंतिम तिथि को किसी भी कारण से अवकाश/बंद/हड़ताल घोषित किया जाता है, तो ऑनलाइन निविदा की अंतिम तिथि नहीं बदली जाएगी क्योंकि आईआरईपीएस की वेबसाइट में किया गया आवेदन, निविदा की अंतिम तिथि और समय के बाद किसी भी प्रस्ताव को जमा करने की अनुमति नहीं देता है। तथापि निविदाओं का ऑनलाइन खोला जाना अगले कार्यदिवस में किया जाएगा। **निविदा की अंतिम तिथि और समय** : दिनांक 24.04.2026 को 14.00 बजे । निविदा का विवरण वेबसाइट : **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। निविदाकारों से अनुरोध किया जाता है कि अपने प्रस्ताव को उपर्युक्त वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करें। कोई मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार्य नहीं होगा।

HWH-08/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

अनुसेवक को डीसी ने ससम्मान दी विदाई

आपकी सेवा के लिए मैं कृतज्ञ हूं, अपने वाहन से घर तक किया रवाना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बोकारो। जिला प्रशासन के इतिहास में एक अनूठी और मानवीय मिसाल उस समय देखने को मिली, जब उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने अपने आवासीय परिसर में प्रतिनियुक्त अनुसेवक कर्ण सिंह चौधरी को जिस आत्मीयता और सम्मान के साथ विदाई दी। उसने उपस्थित सभी लोगों को भावुक कर दिया। यह केवल एक औपचारिक विदाई नहीं, बल्कि एक परिवार के सदस्य को सम्मानपूर्वक विदा करने का मार्मिक क्षण था।

आप हमारे परिवार का हिस्सा हैं - उपायुक्त के शब्दों ने छुआ हर दिल- समारोह के दौरान उपायुक्त ने जब कर्ण सिंह चौधरी को संबोधित करते हुए कहा कि आप हमारे परिवार का हिस्सा हैं, आपकी सेवा के लिए हम कृतज्ञ हैं, तो वहां उपस्थित हर व्यक्ति की आंखें नम हो उठीं। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन केवल अधिकारियों से नहीं चलता, बल्कि उन कर्मियों के समर्पण से सशक्त होता है, जो चुपचाप अपनी जिम्मेदारियां निभाते हैं।

टीम भावना और मानवीय रिश्तों का दिया संदेश- इस अवसर पर उपायुक्त ने सभी कर्मियों को यह संदेश दिया कि कार्यस्थल पर केवल

जिम्मेदारियां ही नहीं, बल्कि रिश्ते भी निभाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि एक-दूसरे के सुख-दुख को समझते हुए टीम भावना के साथ कार्य करना ही सच्ची सेवा का आधार है।

यह रिश्ता हमेशा यादों में जीवित रहेगा - डॉ. प्रतिमा झा- मौके पर उपस्थित उपायुक्त की धर्मपत्नी डॉ. प्रतिमा झा ने भी भावुक शब्दों में कहा कि कर्ण सिंह चौधरी की ईमानदारी झ्र कार्य निष्ठा से एक विशेष लगाव बन गया था। उन्होंने कहा कि वे हमेशा हमारी यादों का हिस्सा बने रहेंगे।

पहली बार दिखी ऐसी संवेदनशीलता और अपनापन- अक्सर सरकारी विदाई समारोह औपचारिकता तक सीमित रह जाते हैं, लेकिन इस अवसर पर जो अपनापन, सम्मान और भावनात्मक जुड़ाव देखने को मिला, वह विरल था। उपायुक्त द्वारा स्वयं आगे बढ़कर सम्मान देना और अपने वाहन से उन्हें घर तक भिजवाना, इस विदाई को विशेष और यादगार बना गया।

सभी ने दी उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं- समारोह में उपस्थित अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, एसडीओ चास प्रांजल ढांडा, डीसीएलआर चास प्रभाष दत्ता सहित अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारी प्रतिनिधियों ने भी कर्ण सिंह चौधरी के योगदान की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ, सुखद और सफल भविष्य की कामना की।

अंत में जब कर्ण सिंह चौधरी को सम्मानपूर्वक विदा किया गया, तो वह क्षण केवल एक कर्मचारी की विदाई नहीं, बल्कि एक परिवार के सदस्य से बिछड़ने जैसा प्रतीत हो रहा था - एक ऐसा दृश्य, जिसने प्रशासनिक तंत्र में मानवीय संवेदनाओं की नई मिसाल कायम कर दी।

इस अवसर पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रेमचंद सिन्हा, डीडीएमओ शक्ति कुमार, एपीआरओ अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य अधिकारी-कर्मी उपस्थित थे।

होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने पूर्वी क्षेत्र में एक करोड़ बिक्री का आंकड़ा किया पार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने पूर्वी क्षेत्र में 1 करोड़ संचयी बिक्री का ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल किया है। यह उपलब्धि कंपनी की विकास यात्रा में एक महत्वपूर्ण अध्याय है और इसके मजबूत बाजार विस्तार को दर्शाती है।

पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा, झारखंड और उत्तर-पूर्वी राज्यों जैसे प्रमुख बाजारों में मिली यह सफलता एचएमएसआई की बढ़ती लोकप्रियता और ग्राहकों के भरोसे को और मजबूत करती है।

यह उपलब्धि एचएमएसआई के मजबूत और लगातार विस्तार को दर्शाती है, जो महानगरों के साथ-साथ उभरते अर्ध-शहरी बाजारों में भी साफ दिखाई देता है, जहाँ दोपहिया वाहन रोजमर्रा की आवाजाही में अहम भूमिका निभाते हैं। इस उपलब्धि पर टिप्पणी करते हुए एचएमएसआई के डायरेक्टर, सेल्स और मार्केटिंग मुत्सुओ उसुई ने कहा कि पूर्वी क्षेत्र में 1 करोड़ बिक्री का मील का पत्थर इस बात को दर्शाता है कि हमारे प्रोडक्ट्स ग्राहकों की रोजमर्रा की गतिशीलता की जरूरतों में कितनी गहराई से जुड़े हुए हैं।

हाल के वर्षों में तेजी से हुई वृद्धि हमारे पोर्टफोलियो पर बढ़ते भरोसे और महानगरों से लेकर उभरते शहरों तक हमारे नेटवर्क की मजबूती को उजागर करती है। आगे बढ़ते हुए हमारा ध्यान पहुँच को और विस्तार देने, ग्राहक अनुभव को मजबूत बनाने और क्षेत्र में विकास के अगले चरण को आगे बढ़ाने पर रहेगा।

पूर्व रेलवे

ई-नीलामी सूचना

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल पिन-713301 द्वारा अनुबंध प्रदान करने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के जरिए आईआरईपीएस पोर्टल के माध्यम से खुली ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। विवरण इस प्रकार है:

- **(क) नीलामी की कैटेगरी:** एमआईएससी-स्टैटिक सर्विसेस। **ई-नीलामी कैटलॉग सं.:** एमएसएस-एएसएन-1004, **ई-नीलामी शुरू होने की तिथि और समय:** दिनांक 10.04.2026 को 12.00 बजे। **टाइप:** टू-व्हीलर्स एवं अन्य पार्सल की पैकिंग के लिए अनुबंध। **स्टेशन/स्थान का नाम:** जसीडीह रेलवे स्टेशन।
- **(ख) नीलामी की कैटेगरी:** एमआईएससी-स्टैटिक सर्विसेस। **ई-नीलामी कैटलॉग सं.:** एमएसएस-एएसएन-1404, **ई-नीलामी शुरू होने की तिथि और समय:** दिनांक 14.04.2026 को 12.00 बजे। **क्रम सं., प्रकार, स्टेशनों/स्थानों के नाम** निम्नानुसार हैं: (1) स्लीपिंग पॉड के विकास, परिचालन एवं रखरखाव के लिए अनुबंध, जसीडीह रेलवे स्टेशन। (2) मोबाइल और एक्सेसरीज कियोस्क की स्थापना, रखरखाव एवं परिचालन के लिए अनुबंध, आसनसोल रेलवे स्टेशन। (3) मोबाइल और एक्सेसरीज कियोस्क की स्थापना, रखरखाव एवं परिचालन के लिए अनुबंध, दुर्गापुर रेलवे स्टेशन। (4) डिजिटल लॉकरों की स्थापना, रखरखाव एवं परिचालन के लिए अनुबंध, बैद्यनाथधाम रेलवे स्टेशन। (5) डिजिटल लॉकरों की स्थापना, रखरखाव एवं परिचालन के लिए अनुबंध, बासुकीनाथ रेलवे स्टेशन। सभी प्रत्याशित बोलीदाताओं को सूची के अनुसार उक्त ई-नीलामी के संपूर्ण विवरण एवं भाग लेने के लिए वेबसाइट **www.ireps.gov.in** देखने की सलाह दी जाती है।

ASN-06/2026-27

निविदा सूचना वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है

हमें यहाँ देखें : @EasternRailway @ easternrailwayheadquarter

29वां इप्टा सम्मेलन सम्पन्न

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

छपरा। भारतीय जननाट्य संघ (इप्टा), छपरा द्वारा बिपिन बिहारी श्रीवास्तव नगर, ब्रजकिशोर किंडर गार्टन, छपरा में रविवार को 29वाँ इप्टा छपरा सम्मेलन सह लोक रंगोत्सव चार सत्रों में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में कला, संस्कृति और सामाजिक सरोकारों का समन्वय देखने को मिला, जहाँ युद्ध के खिलाफ शांति और मानवीय मूल्यों का संदेश प्रमुख रूप से उभरा।

सम्मेलन की शुरूआत सर्वप्रथम विधान पार्षद प्रो० वीरेन्द्र नारायण यादव एवं इप्टा बिहार के महासचिव डॉ० फीरोज अशरफ खाँ द्वारा झंडोत्तोलन से हुई। इसके पश्चात प्रो० वीरेन्द्र नारायण यादव, डॉ० फीरोज अशरफ खाँ, बिहार इप्टा के उपाध्यक्ष रमेश यादव एवं संयुक्त सचिव पीयूष सिंह ने दीप प्रज्वलित कर सम्मेलन का विधिवत उद्घाटन किया।

दूसरे सत्र में युद्धः शान्ति की संस्कृति बनाम हिंसा की राजनीतिह्व विषय पर सार्थक विचार गोष्ठी आयोजित की गई, जिसका विषय प्रवेश डॉ० अमित रंजन ने करते हुए कहा कि मानव सभ्यता का इतिहास जितना विकास का है, उतना ही युद्धों की त्रासदी का भी रहा है। आज आवश्यकता है कि हम शांति की संस्कृति को सामाजिक आंदोलन के रूप में स्थापित करें।

शोधार्थी कौस्तुभ निहाल ने कहा कि वर्तमान दौर में युद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह आर्थिक और वैचारिक वर्चस्व का माध्यम बन चुका है।

डॉ० दीनेश पाल ने युद्ध को मानवता के लिए सबसे बड़ा संकट बताते हुए कहा कि हिंसा की राजनीति समाज को विभाजित करती है, जबकि संस्कृति उसे जोड़ती है। प्रो० विभु कुमार ने अपने वक्तव्य में कहा कि कला और साहित्य हमेशा शांति के पक्षधर रहे हैं और इन्हें जनमानस तक पहुंचाना हमारी जिम्मेदारी है।

डॉ० लाल बाबू यादव ने ऐतिहासिक संदर्भों के माध्यम से बताया कि हर युद्ध के बाद सबसे अधिक नुकसान आम जनता को उठाना पड़ता है।

पीयूष सिंह ने कहा कि आज जरूरत है कि युवाओं को शांति और सह-अस्तित्व की विचारधारा से जोड़ा जाए।

राजेन्द्र राय ने कहा कि हिंसा की राजनीति लोकतंत्र के मूल्यों के लिए खतरा है और इसके खिलाफ सांस्कृतिक प्रतिरोध जरूरी है। डॉ० फीरोज अशरफ खाँ ने कहा कि इप्टा की परंपरा हमेशा जनपक्षधर रही है और यह संगठन कला के माध्यम से सामाजिक बदलाव का वाहक है।

राम बाबू सिंह ने अपने विचार रखते हुए कहा कि लोक संस्कृति में शांति और सहिष्णुता के तत्व गहराई से निहित हैं, जिन्हें मजबूत करने की आवश्यकता है।

प्रो० वीरेन्द्र नारायण यादव ने कहा कि शांति केवल एक आदर्श नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय और समानता के आधार पर ही संभव है। विचार गोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि ह्लसंस्कृति का दायित्व है कि वह सत्ता की हिंसक प्रवृत्तियों के विरुद्ध जनचेतना को जागृत करे और शांति की दिशा में समाज को प्रेरित करे।

तीसरे सत्र में आयोजित सांगठनिक बैठक में संयोजक शैलेन्द्र कुमार शाही ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसे बहस के दौरान प्राप्त सुझावों के आधार पर आंशिक संशोधन के साथ सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसी सत्र में नई कार्यकारिणी का गठन भी सर्वसम्मति से किया गया।

नई कार्यकारिणी में मुख्य संरक्षक के रूप में प्रो० वीरेन्द्र नारायण यादव तथा संरक्षक मंडल में प्रो० लाल बाबू यादव, प्रो० विभु कुमार, डॉ० शालिग्राम विश्वकर्मा, प्रो० कंचन माला, डॉ० नेहा पाण्डेय, प्रो० विद्या वाचस्पति त्रिपाठी एवं सच्चिदानन्द प्रसाद का निर्वाचन हुआ।

दस पदाधिकारियों में अध्यक्ष सुरेन्द्र नाथ त्रिपाठी, कार्यकारी अध्यक्ष डॉ० अमित रंजन, उपाध्यक्ष प्रियंका कुमारी, विनय कुमार एवं बबुआनन्द द्विवेदी सचिव शैलेन्द्र कुमार शाही, संयुक्त सचिव रंजीत भोजपुरिया, सहायक सचिव विजय शंकर एवं शालिनी कुमारी तथा कोषाध्यक्ष सत्येन्द्र सिंह निर्वाचित हुए।

इसके अतिरिक्त 11 सदस्यीय कार्यकारिणी में कंचन बाला, डॉ० अंजलि सिंह, प्रियंका श्रीवास्तव, अमितेश, जय प्रकाश माँझी, जितेन्द्र कुमार राम, प्रिया श्रीवास्तव, सुग्रीव गुप्ता, आकाश सिंह एवं डॉ० रविन्द्र सिंह निर्वाचित हुए जबकि एक पद रिक्त रखा गया। सम्मेलन के समापन अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि इप्टा जैसे सांस्कृतिक संगठन समाज में शांति, समानता और जनवादी मूल्यों के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और ऐसे आयोजन समय की जरूरत हैं।

गायक गोप के निर्गुण भजन सुन श्रोता हुए भाव विभोर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रसूलपुर। छपरा इप्टा के 29 वें सम्मेलन की सांस्कृतिक संध्या में लोकगायक रामेश्वर गोप ने कबीर के निर्गुण भजनों की लोकगायन की। ब्रजकिशोर किंडेन गार्डन छपरा में इप्टा के सांस्कृतिक मंच पर कबीर रचित साखी,शबद व भजनों का गायन एकतारा वादन के साथ गायक गोप ने की जिसे सुन श्रोता और दर्शक भाव विभोर हो उठे। सांस्कृतिक मंच रंगोत्सव का आगाज गायक गोप ने कबीर साहब के दोहा ' विनय करूं करजोर के सुनूं गुरू कृपा निधान,संतन को सुख दीजिए दया गरीबी दान ' से की।कबीर रचित साखी ₹ दया गरीबी वंदगी समता शील सुभाव इतना लक्षण साधु के कहहीं कबीर विचार ' के माध्यम से साधु संतों के लक्षणों को रेखांकित किया।अपने आकर्षक सादे लिबास व हाथ में एकतारा व मंजीरा वादन करते गायक गोप ने कबीर के विलुप्तप्राय निर्गुण भजन वा घर के सुध कोई ना बतावे जा घर से जीव आया हो.. का गायन की तो दर्शक मंत्रमुग्ध हो गये।पानी पवन मिल दही जमाया अग्नि का जोरन डाला.. पंक्ति की प्रस्तुति पर दर्शकों ने तालियों से गायक गोप का हौसला अफजाई की। हारमोनियम पर संगीत शिक्षक जितेन्द्र कुमार व ढोलक पर बीनू कुमार आदि कलाकारों ने सराहनीय संगत की। संगीत शिक्षिका कंचन बाला ने अपनी मधुर स्वरों से मंच संचालन की और गायक गोप को सम्मानित भी किया।

एक ही परिवार के तीन बच्चे डूबे

गांव में पसरा मातमी सन्नाटा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। प्रखंड क्षेत्र के करेंह नदी स्थित बड़ियाही घाट पुल के समीप सोमवार को एक बेहद हृदयविदारक घटना सामने आई। जहां एक ही परिवार के तीन मासूम बच्चों की नदी में डूबने से मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे गांव में मातमी सन्नाटा छा गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मिली जानकारी के अनुसार, परसा पंचायत के बोरज गांव निवासी सुदर्शन झा के तीन पुत्र आदित्य कुमार झा 15 वर्ष, हर्षनाथ कुमार झा 13 वर्ष एवं कार्तिक कुमार झा 11 वर्ष नदी किनारे गए थे। इसी दौरान तीनों गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे आसपास के लोगों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन तेज धारा के कारण सफलता नहीं मिल सकी। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य शुरू दी। गोताखोरों और एसडीआरएफ टीम की मदद से तलाशी अभियान चलाया गया।

काफी प्रयास के बाद दो बालकों आदित्य और हर्षनाथ के शव को पानी से बाहर निकाल लिया गया। वहीं, सबसे छोटे भाई कार्तिक कुमार झा का शव तेज धारा में बह जाने के कारण देर शाम करीब 5 बजे बरामद किया गया।

मौके पर प्रभारी अंचल अधिकारी मनीष चौधरी, प्रखंड विकास पदाधिकारी आलोक कुमार सिंह तथा शिवाजीनगर थाना अध्यक्ष रविंद्र कुमार मौजूद रहे और पूरे अभियान की निगरानी कर रहे थे। स्थानीय मल्लाहों के द्वारा महाजाल की सहायता से नदी में लगातार खोजबीन की गई, जिसके बाद तीसरे बालक का शव भी बरामद कर लिया गया। इस दर्दनाक घटना के बाद बोरज गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में शोक की लहर दौड़ गई है।

ग्रामीणों के अनुसार, तीनों भाई बेहद होनहार और मिलनसार थे।

एक ही परिवार के तीन बच्चों की असामयिक मौत ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया। प्रशासन द्वारा पीड़ित परिवार को हर संभव सहायता देने का आश्वासन दिया गया है।

वहीं, स्थानीय लोगों ने नदी घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने और चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की दुखद घटनाओं से बचा जा सके।

ई-रिक्शा चालक ने की आत्महत्या

भागलपुर। कर्ज के बोझ से परेशान एक ई-रिक्शा चालक ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर ली। मामला बरारी थाना क्षेत्र के पश्चिम टोला का है। मृतक पिछले एक महीने से कर्ज के कारण मानसिक रूप से काफी तनाव में था।

जानकारी के अनुसार, रविवार रात खाना खाने के बाद वह अपने कमरे में सोने चला गया। देर रात करीब 1 बजे जब उसकी पत्नी कमरे में पहुंची, तो वह फंदे से लटका हुआ मिला। पत्नी के शोर मचाने पर परिजन मौके पर पहुंचे और घटना की सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और परिजनों की मौजूदगी में शव को नीचे उतारकर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक की पहचान बरारी थाना क्षेत्र के पश्चिम टोला निवासी गोलू यादव के पुत्र बिट्टू कुमार (26) के रूप में हुई है। उसकी शादी चार साल पहले हुई थी और उसके दो छोटे बच्चे हैं। वह ई-रिक्शा चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। बताया जा रहा है कि पिछले एक साल में उसने रिश्तेदारों और अन्य लोगों से लाखों रुपये का कर्ज लिया था, जिसके कारण वह लगातार परेशान रहता था।

महुआ शराब और बाइक के साथ तस्कर गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेलागंज। चाकंद थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गन्नू बिगहा में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को लगभग 35 लीटर देशी महुआ शराब के साथ गिरफ्तार किया गया है।

पकड़े गए आरोपी की पहचान देशिन बिगहा गांव निवासी जितेंद्र कुमार, पिता-भैरो चौधरी के रूप में की गई है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि गांव से अवैध रूप से देशी महुआ शराब बिक्री के लिए लेकर जा रही है। सूचना के आधार पर चाकंद थाना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आसपास नाकाबंदी करके बाइक पर सवार जितेंद्र कुमार को गिरफ्तार की। छापेमारी के दौरान आरोपी के पास से करीब 35 लीटर देशी महुआ शराब बरामद की गई, जिसे मौके पर ही जब्त कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर थाना परिसर में लाया गया है बाइक सहित, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। इस संबंध में बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ की जा रही है। इस संबंध में बिहार मद्य निषेध एवं उत्पाद अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अग्रिम कानूनी कार्रवाई की जा रही है। चाकंद थानाध्यक्ष शिवम कुमार बताया कि अवैध शराब के धंधे में संलिप्त अन्य लोगों की भी पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि क्षेत्र में शराबबंदी कानून का सख्ती से पालन कराया जाएगा और अवैध शराब के कारोबार में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

जनगणना को ले प्रशिक्षण

शिवाजीनगर। प्रखंड मुख्यालय स्थित सभागार कक्ष में सोमवार को जनगणना कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के उद्देश्य से एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में प्रखंड के सभी शिक्षक एवं पंचायत सेवकों ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रखंड विकास पदाधिकारी आलोक कुमार सिंह ने की। जिसके माध्यम से देश की वास्तविक जनसंख्या, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का सटीक आकलन किया जाता है। इसमें घर-घर सर्वेक्षण की प्रक्रिया, आंकड़ों के सही संकलन, ऑनलाइन प्रविष्टि, तथा गोपनीयता बनाए रखने के निर्देश शामिल थे। साथ ही, संभावित समस्याओं और उनके समाधान के बारे में भी विस्तार से बताया गया। इस अवसर पर बीसी हरीनाथ सिंह, प्रखंड कृषि पदाधिकारी सतीश कुमार, मृत्युंजय कुमार, उमेश राय, प्रदीप कुमार, सत्यनारायण आर्य, मनोज सहनी, पारसनाथ महाराज, राजकुमार सहनी सहित प्रखंड के सभी कर्मी उपस्थित रहे।

बैठक में वरिष्ठ नागरिकों को रेलवे में मिलने वाली छूट का उठा मुद्दा

सदस्यों ने केंद्र के प्रति जताया रोष

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। सीनियर सिटीजन वेलफेयर असोसियेशन का 24वां वार्षिक अधिवेशन रेडक्रास सभागार में आयोजित हुआ, जिसमें बिहार समेत तीन राज्यों से करीब 500 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम की अध्यक्षता धीरेन्द्र प्रसाद सिंह ने की। मुख्य अतिथि के रूप में बिहार सरकार के श्रम मंत्री संजय सिंह टाइगर उपस्थित रहे। इसके अलावा महापौर, डिप्टी मेयर और कई गणमान्य लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया। अपने संबोधन में श्री टाइगर ने कहा कि वरिष्ठ नागरिक समाज की अमूल्य धरोहर हैं। उनके अनुभव और मार्गदर्शन से ही मजबूत समाज और परिवार का निर्माण संभव है।

अधिवेशन में सबसे प्रमुख मुद्दा रेलवे में वरिष्ठ नागरिकों को मिलने वाली छूट को बहाल करने का रहा। श्री सिंह ने केंद्र सरकार से कोविड-पूर्व दी जाने वाली रियायतों को फिर से लागू करने की मांग की।

इसके साथ ही आयुष्मान भारत योजना के तहत आयु सीमा 70 वर्ष से घटाकर 60 वर्ष करने की भी मांग उठाई गई। प्रतिनिधियों का कहना था कि इससे अधिक संख्या में बुजुर्गों को स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। वक्ताओं ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों के लिए सरकारी योजनाओं में और सुधार की जरूरत है। सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन सुविधाओं को सुदृढ़ करने पर विशेष जोर दिया गया।

कार्यक्रम के अंत में यह निर्णय लिया गया कि वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं और मांगों को सरकार तक मजबूती से पहुंचाया जाएगा, ताकि उन्हें बेहतर सुविधाएं मिल सकें और उनका जीवन सम्मानजनक बन सके।

वृद्धा की पीट-पीटकर हत्या

मुंगेर। मुंगेर जिले के हवेली खड़गपुर प्रखंड अंतर्गत लोहची गांव में पैसों के विवाद ने भयावह रूप ले लिया। बड़ी बहू और उसके बेटों पर वृद्ध सास की पीट-पीटकर हत्या करने का आरोप है। घटना रविवार देर शाम शामपुर थाना क्षेत्र में हुई।

जानकारी के अनुसार, 65 वर्षीय उर्मिला देवी अपने छोटे बेटे और बहू के साथ गांव में रहती थीं, जबकि उनके बड़े बेटे राजीव यादव और रंजीत यादव दिल्ली में काम करते हैं। आरोप है कि बड़ी बहू लाली देवी का उर्मिला देवी से पैसों को लेकर अक्सर विवाद होता रहता था और वह उन्हें मानसिक व शारीरिक रूप से प्रताड़ित करती थी।

रविवार दिन में हुए विवाद के बाद उर्मिला देवी शामपुर थाना पहुंचीं और अपनी जान को खतरा बताते हुए शिकायत दर्ज कराई। हालांकि, पुलिस ने उन्हें मोबाइल नंबर देकर घर भेज दिया। घर लौटने के बाद बड़ी बहू लाली देवी, उसके पुत्र सचिन और अमरेश ने कथित रूप से शिकायत से नाराज होकर उर्मिला देवी पर हमला कर दिया। तीनों ने मिलकर बेरहमी से पिटाई की, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

रिम्स में एचआईवी पाजिटिव प्रसूता की आपरेशन से चिकित्सकों में हड़कंप

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची । राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) में एक गंभीर और संवेदनशील मामला सामने आया है। यहां एक एचआईवी संक्रमित महिला का बिना पूर्व जांच के ऑपरेशन कर दिया गया, जिससे डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ के बीच चिंता बढ़ गई है।

जानकारी के अनुसार महिला पिछले तीन वर्षों से एचआईवी संक्रमित थी लेकिन उसने अपनी बीमारी की जानकारी चिकित्सकों से छिपा ली। इसी आधार पर उसे सामान्य मरीज मानते हुए लेबर रूम में नियमित प्रक्रिया के तहत ऑपरेशन किया गया।

मामले का खुलासा तब हुआ जब सदर अस्पताल से आई रिपोर्ट में महिला के एचआईवी पॉजिटिव होने की पुष्टि हुई। इसके बाद रिम्स में हड़कंप मच गया। ऑपरेशन में शामिल डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों ने एहतियातन पीईपी (पोस्ट एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस) दवाओं का सेवन शुरू कर दिया है, जो संक्रमण के खतरे को कम करने के लिए दी जाती हैं।

फिलहाल अस्पताल प्रबंधन पूरे मामले की आंतरिक जांच कर रहा है। इस घटना ने मरीजों द्वारा स्वास्थ्य संबंधी सही जानकारी साझा करने की आवश्यकता को एक बार फिर उजागर किया है। साथ ही अस्पतालों में जांच प्रक्रिया की अनिवार्यता और सतर्कता को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

सनकी पिता ने की बेटी की हत्या

गोपालगंज। कटेया थाना क्षेत्र के गौरा गांव में दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। सनकी पिता ने अपनी ही 19 वर्षीय बेटी की टेबल फैन से बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी। बताया जा रहा है कि बेटी के प्रेम प्रसंग से नाराज होकर पिता ने घटना को अंजाम दिया। मृतका की पहचान मोनिका के रूप में हुई है। वह बीए की छात्रा थी। घटना के बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गौरा गांव निवासी जनार्दन कमकर की 19 वर्षीय पुत्री मोनिका कुमारी, जो बी.ए. की छात्रा थी, का किसी युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। पिता को यह रिश्ता मंजूर नहीं था और इसे लेकर घर में अक्सर विवाद होता रहता था।बीती रात इसी बात को लेकर बाप-बेटी के बीच तीखी बहस हुई। आवेश में आकर जनार्दन कमकर ने घर में रखे लोहे के टेबल फैन को उठा लिया और मोनिका के सिर और शरीर पर ताबड़तोड़ प्रहार करना शुरू कर दिया। प्रहार इतना जोरदार था कि छात्रा ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही कटेया थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए भागने की फिराक में लगे आरोपी पिता जनार्दन कमकर को धर दबोचा।

शॉर्ट सर्किट से गेहूं की फसल में लगी आग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेलागंज। बेलागंज में शॉर्ट सर्किट से साल भर की पूंजी में लगी आग स्थानीय प्रखंड अंतर्गत पनारी पंचायत के प्रेम बिगाह गाँव में शनिवार को बिजली के शॉर्ट सर्किट के कारण गेहूं के खेत में आग लग गई। जैसे ही इसकी भनक किसान को लगी तब तक आग ने अपने चपेट में ले लिया और किसान और स्थानीय लोगों ने आग पर काबू पाने के लिए काफी हद तक कोशिश की मगर काफी तीव्र गति से आग पकड़ने के कारण काफी मुशक्कत के बाद अग्निशमन विभाग दल और ग्रामीण के सहयोग से आग पर काबू पाया गया। किसान ने बताया दिवाकर कुमार का 5 बिगाह और किसान भूषण यादव के 5 बिगाह में आग लग गया स्थानीय ग्रामीण ने जिला प्रशासन से मुआवजा की मांग की है।

एनआईए की टीम ने कई स्थानों पर दी दबिश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। अवैध हथियारों की तस्करी और संदिग्ध नेटवर्क के खिलाफ राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) और बिहार आतंकवाद निरोधक दस्ता ने सोमवार को जिले में एक साथ 6 स्थानों पर छापेमारी कर बड़ी कार्रवाई की।

यह पूरी कार्रवाई कुख्यात तस्कर मोहम्मद परवेज आलम की गिरफ्तारी के बाद उसके मोबाइल से मिले अहम सुरागों के आधार पर की गई। सबसे प्रमुख छापेमारी बिहारशरीफ के लहेरी थाना क्षेत्र स्थित पोस्ट ऑफिस मोड़ के पास पीके गन हाउस में हुई, जहां सुबह करीब 4 बजे ही टीम ने दबिश दी। जांच दल ने गन हाउस के लाइसेंस, दस्तावेज और हथियारों के भंडार की गहन जांच की। टीम लगभग 7 घंटे तक वहां मौजूद रही और कई महत्वपूर्ण कागजात जब्त कर उनकी सूची दुकानदार को सौंप दी।गन हाउस के संचालक रामप्रवेश कुमार ने बताया कि जांच दल ने सभी कागजातों की बारीकी से जांच की है और वे इस कार्रवाई से संतुष्ट हैं। वहीं, उनके भाई मुकेश वर्मा ने बताया कि उनका परिवार वर्ष 1995 से वैध रूप से इस व्यवसाय से जुड़ा हुआ है।

इसके अलावा जांच दल ने चीकसौरा थाना क्षेत्र के मिजार्पुर गांव, हिलसा थाना क्षेत्र के राममूर्ति नगर और इस्लामपुर थाना क्षेत्र के सकरी गांव में भी छापेमारी की।

मिजार्पुर और राममूर्ति नगर के ठिकाने सत्येंद्र प्रसाद नामक व्यक्ति से जुड़े बताए जा रहे हैं, जिसका नाम हथियारों की खरीद-बिक्री में सामने आया है। स्थानीय लोगों के अनुसार सत्येंद्र प्रसाद आर्म्स अधिनियम के एक मामले में फिलहाल जेल में बंद है।इस पूरे अभियान को सफल बनाने के लिए जिला स्तर पर लगभग 100 पुलिस पदाधिकारियों की विशेष टीम बनाई गई थी। टीम ने सुबह ही सभी चिन्हित स्थानों की घेराबंदी कर कार्रवाई शुरू कर दी।

खास बात यह रही कि इस छापेमारी की सूचना स्थानीय पुलिस को पहले से नहीं दी गई थी। लहेरी थानाध्यक्ष रंजीत कुमार रजक ने बताया कि उन्हें केवल दो पुलिसकर्मियों को सहयोग के लिए भेजने की जानकारी दी गई थी।

गौरतलब है कि 18 दिसंबर 2025 को नालंदा पुलिस और विशेष कार्यबल ने जमशेदपुर के चार युवकों को हथियारों के जखीरे के साथ गिरफ्तार किया था। इनमें एक आरोपी मोहम्मद परवेज आलम भी शामिल था। उसके पास से 1300 कारतूस बरामद किए गए थे, जिनमें एके-47 की 153 गोलियां भी शामिल थीं।

जांच में यह भी सामने आया था कि यह गिरोह बिहार और झारखंड के सीमावर्ती इलाकों में हथियारों की आपूर्ति का जाल चला रहा था। आरोपियों ने बिहारशरीफ के सोहनकुंआ मोहल्ले में एक मकान किराए पर ले रखा था, जिसका उपयोग हथियारों की खरीद-बिक्री के लिए किया जाता था। वहां से विदेशी निर्मित पिस्तौल और बड़ी मात्रा में कारतूस बरामद किए गए थे।

इससे पहले 4 दिसंबर 2025 को भी राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने जिले में दो स्थानों पर छापेमारी की थी। उस दौरान बारादरी मोहल्ला और भागन बीघा क्षेत्र में तलाशी ली गई थी, हालांकि उस समय कोई आपत्तिजनक सामान बरामद नहीं हुआ था।

शराब पीने से छात्र की तबीयत बिगड़ी

स्कूल में था शराब का भंडारण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बेगूसराय। प्रखंड के शिशवा स्थित प्राथमिक विद्यालय में सोमवार को एक हैरान करने वाली घटना सामने आई। विद्यालय के शौचालय में रखी शराब पीने से एक छात्र की तबीयत अचानक बिगड़ गई, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया।

जानकारी के अनुसार चतुर्थ वर्ग का 11 वर्षीय छात्र घर लौटने के बाद अजीब हरकत करने लगा। परिजनों को पहले कुछ समझ नहीं आया, लेकिन जब उसके मुंह से शराब की बदबू आई तो मामला गंभीर हो गया। परिजनों ने अन्य बच्चों से पूछताछ की तो पता चला कि छात्र ने विद्यालय के शौचालय में रखी किसी वस्तु का सेवन किया था। इसके बाद अभिभावकों ने तत्काल विद्यालय प्रशासन को सूचना दी।

विद्यालय के प्रभारी प्रधानाध्यापक ने बताया कि जांच के दौरान शौचालय से 12 कार्टन अंग्रेजी शराब बरामद हुई। इतनी बड़ी मात्रा में शराब मिलने से सभी लोग हैरान रह गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सभी शराब को जब्त कर थाने ले गई। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है कि आखिर विद्यालय परिसर में शराब किसने और क्यों रखी।

घटना के बाद अभिभावकों में भारी आक्रोश है। उनका कहना है कि बच्चों की सुरक्षा के साथ इतनी बड़ी लापरवाही कैसे हो सकती है और स्कूल परिसर में शराब पहुंची कैसे। इस घटना ने विद्यालय की सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। लोग प्रशासन से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई और भविष्य में ऐसी घटनाओं की रोकथाम की मांग कर रहे हैं।

टावर पर चढ़ी प्रेमिका, घंटों चला हाई वोल्टेज ड्रामा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। स्टेशन रोड झुरकिया के पास उस वक्त अफरातफरी मच गई, जब एक युवती बिजली के हाईटेंशन टावर पर चढ़ गई। घटना की सूचना मिलते ही आसपास के इलाके में लोगों की भारी भीड़ जुट गई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा बताया जा रहा है। युवती अपने प्रेमी से शादी की जिद पर अड़ी है और उसने साफ कह दिया कि जब तक उसकी शादी नहीं कराई जाएगी, वह नीचे नहीं उतरेगी।

हाईटेंशन टावर पर चढ़ने के कारण स्थिति बेहद संवेदनशील बन गई है। टावर की ऊंचाई और बिजली के खतरे को देखते हुए मौके पर मौजूद लोगों की सांसें थम सी गई हैं। हर कोई युवती को सुरक्षित नीचे उतारने की कोशिश में लगा है।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंच गई। परिजन भी वहां मौजूद हैं और युवती को समझाने-बुझाने का प्रयास कर रहे हैं ताकि वह सुरक्षित नीचे आ जाए।

स्थानीय लोग और प्रशासनिक अधिकारी लगातार युवती से बातचीत कर रहे हैं। उसे भरोसा दिलाया जा रहा है कि उसकी बात सुनी जाएगी, लेकिन वह अपनी जिद पर अड़ी हुई है, जिससे स्थिति और चुनौतीपूर्ण हो गई है।

घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव और उत्सुकता का माहौल है। बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुटे हैं, जिससे प्रशासन को भीड़ नियंत्रित करने में मशक्कत करनी पड़ रही है। प्रशासन की प्राथमिकता युवती को किसी भी तरह सुरक्षित नीचे उतारना है। अधिकारी लगातार प्रयास कर रहे हैं कि बिना किसी अनहोनी के इस पूरे मामले का शांतिपूर्ण समाधान निकाला जा सके।

नए इलाके में बिछेगी गैस पाइप लाइन

शेखपुरा। एक महीने से अधिक समय से चल रहे पश्चिम एशिया संकट का साइड इफेक्ट घर के चूल्हों पर तेज होने लगा है। इस संकट के कारण एक महीने से रसोई गैस की किल्लत झेल रहे कई उपभोक्ताओं के अब एलपीजी कनेक्शन ब्लॉक होने वाले हैं। ऐसे एलपीजी उपभोक्ता वे हैं, जिनके घरों में पीएनजी (भूमिगत पाइप लाइन से रसिउ गैस की आपूर्ति) का भी कनेक्शन है।

रसोई गैस को लेकर अपनी नियमित प्रेस वार्ता में जिलाधिकारी शेखर आनंद ने बताया जिला में रसोई गैस की आपूर्ति कर रही तेल कंपनियों ने जिला के 700 ऐसे उपभोक्ताओं की पहचान करके उसकी सूची जिला प्रशासन को दी है, जिनके पास एलपीजी और पीएनजी दोनों कनेक्शन हैं। ऐसे उपभोक्ताओं का एलपीजी कनेक्शन अब रद्द किया जाएगा। तेल कंपनियों ने जिला में 141 ऐसे एलपीजी उपभोक्ता परिवारों को भी चिह्नित किया है, जिनके पास एक से अधिक एलपीजी कनेक्शन हैं।

भाजपा ने मनाया स्थापना दिवस, प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने किया झंडोत्तोलन

भाजपा के 47 वें स्थापना दिवस पर 47 किलो बांटे गए लड्डू, प्रदेश कार्यालय में 47 दीप प्रज्जवलित हुए

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी भाजपा आज देश, दुनिया में अपना स्थापना दिवस मना रही है। इसी के तहत बिहार भाजपा कार्यालय में भी धूमधाम से पार्टी का स्थापना दिवस मनाया गया। स्थापना दिवस को लेकर पार्टी कार्यालय भवन को फूलों और रंगीन बल्बों से सजाया गया है। इस मौके पर पार्टी कार्यालय में झंडोत्तोलन किया गया तथा पार्टी के वरिष्ठ नेताओं को स्मरण करते हुए उनके संस्मरणों को याद किया गया। पार्टी के स्थापना दिवस के मौके पर प्रदेश कार्यालय में प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने पार्टी का झंडा फहराया। इस मौके पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने आरएसएस के चिंतक और संगठनकर्ता तथा एकात्मक मानववाद विचारधारा के प्रणेता दीनदयाल उपाध्याय और भारतीय जनसंघ के संस्थापक श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। स्थापना दिवस के मौके पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, संगठन महामंत्री भीखू भाई दालसनिया, सांसद रविशंकर प्रसाद, विधायक संजीव चौरसिया, कार्यक्रम संयोजक और प्रदेश महामंत्री राधामोहन शर्मा, पटना महानगर के अध्यक्ष रूप नारायण मेहता, महामंत्री राकेश कुमार, उपाध्यक्ष अमृता भूषण, पवन जायसवाल ने भी मनीषियों की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। स्थापना दिवस के मौके पर 47 किलो मिठाईयां भी बांटी गईं और 47 दीप प्रज्वलित किये गए। स्थापना दिवस को लेकर कार्यकर्ताओं में गजब का उत्साह दिखा। कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कार्यालय में जमकर आतिशबाजी की। इस मौके पर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने सभी कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस की शुभकामना और बधाई देते हुए कहा कि भाजपा को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी में असंख्यक कार्यकर्ताओं का खून पसीना तो लगा ही है कई कार्यकर्ताओं ने बलिदान भी दिया है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को याद किया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्थापना दिवस पर किये गये संबोधन को उद्धृत करते हुए कहा, 'उन्होंने कहा था कि भाजपा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबके प्रयास के साथ काम कर रही है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए कहा कि उन्होंने कहा था कि अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा, कमल खिलेगा। उन्होंने कहा कि आज बिहार बदल रहा है। बिहार के लोगों के लिए जो मन मे बात थी वह भी जल्द पूरा होगा। उन्होने बिहार के नितिन नवीन को पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाये जाने पर कहा कि यह भाजपा में ही संभव है। आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है। विकसित भारत हमारा सपना है। आने वाले दिनों में दुनिया को रास्ता दिखाने वाले भारत को विकसित बनाने के लिए भाजपा अग्रसर रहेगी। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कार्यकर्ताओं को स्थापना दिवस पर बधाई और शुभकामना देते हुए कहा कि आज 47 वां साल हुआ है लेकिन यह कामना है कि पार्टी अगले 4700 वर्ष तक जिंदा रहे। उन्होंने कहा कि भाजपा ने जिस चीज पर कमिटमेंट कर दिया उससे पीछे नहीं हटती। उन्होंने इसके कई उदाहरण भी गिनाए। स्थापना दिवस पर पुराने वरिष्ठ प्रमुख लोगों को सम्मानित भी किया गया। जिन प्रमुख लोगों को सम्मानित किया गया उनमें विजय गुप्ता, प्रकाश शर्मा,कृष्णा मोहन, प्रमोद सिंह, अर्जुन गुप्ता, अमरेंद्र बाजी, किरण शंकर, दिनेश पटेल, विश्वनाथ मुखिया, वीर बहादुर सिंह, चंद्रवेशी मुखिया, शिव प्रसाद सिंह, कपिलदेव प्रसाद, सीताराम राय, विश्वनाथ सिंह,श्याम नंदन प्रमुख थे। आज स्थापना दिवस के मौके पर गैर राजनीतिक परिवार से बड़ी संख्या में आये लोगों ने भाजपा की सदस्यता भी ग्रहण की। सदस्यता ग्रहण करने वालों में सुमित टेकरीवाल, राहुल आनन्द, अंकित हिसारिया, हिमांशु नथनी, विक्रांत विशाल, सूर्यमणि, आलोकमणि, चंद्र प्रकाश, समीर सोलंकी, विक्की कुमार , आशीष कुमार, अजय कुमार प्रमुख प्रमुख रूप से शामिल थे। इस स्थापना दिवस समारोह में मंच संचालन प्रदेश उपाध्यक्ष पिंकी कुशवाहा ने किया जबकि धन्यवाद ज्ञापन सत्यपाल नरोत्तम ने किया।

महाप्रबंधक ने बरवाडीह स्टेशन का लिया जायजा, दिये कई निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। आज पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक छत्रसाल सिंह द्वारा बरवाडीह स्टेशन एवं इसके आसपास के क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने रेलवे ट्रैक, स्टेशन परिसर, यात्री सुविधाओं तथा परिचालन व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। निरीक्षण के क्रम में महाप्रबंधक द्वारा बरवाडीह आरओएच डिपो का भी निरीक्षण किया। इस अवसर पर मॉडिफाइड ब्रेक वैन की शुरुआत उनकी उपस्थिति में वरीय ट्रेन मैनेजर द्वारा किया गया। इस ब्रेक वैन में सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आधुनिक सुविधाओं का समावेश किया गया है। इसमें कार्यरत कर्मचारियों की सुविधा हेतु सोलर पैनल एवं बैटरी, आरामदायक कुशन युक्त सीटें, नवीन इंटीरियर, शौचालय की सुविधा तथा लुकिंग ग्लास सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई गई हैं। इस अवसर पर धनबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक श्री अखिलेश मिश्र सहित मुख्यालय एवं मंडल के अन्य अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण उपस्थित थे।

स्थापना दिवस पर डॉ. प्रेम कुमार ने कार्यकर्ताओं को दी बधाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर बिहार विधानसभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने प्रदेशवासियों एवं पार्टी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि भारतीय जनता पार्टी केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा, सुशासन और जनकल्याण के प्रति समर्पित एक सशक्त विचारधारा है। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि पार्टी ने अपने स्थापना काल से ही सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मूल मंत्र को अपनाते हुए देश के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। गरीब कल्याण, युवाओं के रोजगार, महिला सशक्तिकरण, किसानों की आय वृद्धि और डिजिटल इंडिया जैसे क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य हुए हैं। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के वैचारिक आधार को मजबूत करने वाले नेताओं श्यामा प्रसाद मुखर्जी और दीनदयाल उपाध्याय को स्मरण करते हुए कहा कि उनके राष्ट्रवादी विचार और एकात्म मानववाद की अवधारणा आज भी पार्टी के मार्गदर्शक सिद्धांत हैं। डॉ. प्रेम कुमार ने वरिष्ठ नेताओं अटल बिहारी वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवाणी के योगदान को भी याद किया और कहा कि उनके आदर्श करोड़ों कार्यकर्ताओं के लिए प्रेरणा स्रोत हैं। उन्होंने बिहार में पार्टी कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि प्रदेश में विकास, सुशासन और सामाजिक समरसता को मजबूत करने में भाजपा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। अंत में उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पार्टी की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाते हुए राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान दें।

युवा व्यवसायी ने संगीत जगत में रखा कदम, पहला गीत 'अनसेड' हुआ रिलीज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार की राजधानी पटना के निवासी और प्रसिद्ध व्यवसायी सुशील सुन्दरका के पुत्र सुयश सुन्दरका ने अब संगीत की दुनिया में भी अपनी पहचान बनाने की दिशा में कदम बढ़ाया है। शिक्षा और व्यवसाय के क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के बाद, सुयश ने अपने जुनून को आगे बढ़ाते हुए संगीत क्षेत्र में प्रवेश किया है। सुयश ने मुंबई स्थित नरसी मूनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज से एमबीए की पढ़ाई पूरी की है और वर्तमान में एक सफल व्यवसायी के रूप में कार्यरत हैं। व्यावसायिक जिम्मेदारियों के साथ-साथ उन्होंने अपने रचनात्मक पक्ष को भी संजोते हुए संगीत को अपने करियर का हिस्सा बनाया है। संगीत के प्रति अपने गहरे लगाव के चलते सुयश सुन्दरका नाम से एक आर्टिस्ट, रैपर और गीतकार के रूप में उभर रहे हैं। उनका पहला वीडियो सॉन्ग 'अनसेड' 5 अप्रैल 2026 को रिलीज़ हुआ है। यह गीत उन अनकहे जज़्बातों को अभिव्यक्त करता है, जो अक्सर लोगों के दिलों में दबे रह जाते हैं। भावनाओं की सच्चाई और आधुनिक संगीत शैली के मेल से तैयार यह गीत युवाओं के साथ-साथ हर वर्ग के श्रोताओं को जोड़ने का प्रयास करता है। एम पी जैन ने बताया कि सुयश को विश्वास है कि श्रोता उनके इस नए प्रयास को सराहेंगे और उन्हें भरपूर प्यार एवं समर्थन प्रदान करेंगे। उन्होंने भविष्य में भी संगीत के क्षेत्र में निरंतर कार्य करते रहने की इच्छा व्यक्त की है।

राजस्व विभाग की राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक आज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग द्वारा राज्य के सभी भूमि सुधार उप समाहर्ताओं (डीसीएलआर) की राज्यस्तरीय समीक्षा बैठक आज मंगलवार को पटना स्थित विभागीय मुख्यालय, पुराना सचिवालय में आयोजित की जाएगी। राज्य के सभी भूमि सुधार उपसमाहर्ताओं (डीसीएलआर) की पटना में आयोजित समीक्षा बैठक के संबंध में उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि जमीन से जुड़े मामलों में आम लोगों को त्वरित और पारदर्शी न्याय दिलाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि दाखिल-खारिज, अपील वाद, राजस्व वसूली और लैंड बैंक से जुड़े कार्यों की नियमित समीक्षा से प्रशासनिक व्यवस्था और मजबूत होगी। अधिकारियों की जवाबदेही तय करते हुए लंबित मामलों के तेजी से निष्पादन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हड़ताल के कारण जिन नए लोगों को चार्ज दिया गया है उन्हें भी प्रशिक्षित किया जा रहा है। लोगों के कार्य की गति बढ़ाने का दिशा निर्देश देने के साथ-साथ कोई काम बाधित नहीं हो, इसकी तैयारी की जा रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशिक्षण और समीक्षा की इस प्रक्रिया से राजस्व से संबंधित अधिकारियों की कार्यक्षमता बढ़ेगी और लोगों को जमीन से जुड़े विवादों के समाधान में तेजी आएगी। राज्य सरकार राजस्व प्रशासन को अधिक पारदर्शी, प्रभावी और जनहितकारी बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। विभाग के उप सचिव देवेश कुमार द्वारा जारी पत्र के अनुसार, यह बैठक वित्तीय वर्ष 2025-26 की समाप्ति के बाद विभिन्न राजस्व एवं भूमि सुधार से जुड़े कार्यों की समीक्षा के उद्देश्य से बुलाई गई है। बैठक दो चरणों में आयोजित होगी। पहले सत्र में प्रधान सचिव सीके अनिल द्वारा विभागीय कार्यों की विस्तृत समीक्षा की जाएगी। इस दौरान दाखिल-खारिज अपील वाद, बीएलडीआर वाद तथा मापी अपील वादों के निष्पादन की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। विशेष रूप से 01 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 तक माहवार निष्पादित वादों की संख्या तथा संबंधित अधिकारियों के पदस्थापन के बाद से अब तक किए गए निष्पादन का आकलन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त बैठक में राजस्व वसूली की स्थिति, लैंड बैंक के लिए चिन्हित भूमि का सत्यापन, अंचल एवं हल्का स्तर पर किए गए निरीक्षण तथा अन्य प्रशासनिक विषयों पर भी चर्चा की जाएगी।

एलन पटना द्वारा नर्चर एवं फाउंडेशन विद्यार्थियों के लिए मेगा ओरिएंटेशन सेशन का आयोजन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। एलन करियर संस्थान पटना द्वारा एस के मेमोरियल हॉल में नए शैक्षणिक सत्र के लिए नर्चर एवं फाउंडेशन विद्यार्थियों हेतु एक भव्य मेगा ओरिएंटेशन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम तीन सत्रों में आयोजित किया गया, जिसमें 6000 से अधिक छात्र-छात्राओं एवं अभिभावकों की उपस्थिति रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में प्रसिद्ध मोटिवेशनल स्पीकर विक्रम अग्निहोत्री ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा, सफलता पाने के लिए निरंतर प्रयास और मजबूत इच्छाशक्ति सबसे आवश्यक होती है। यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत लगातार की जाए, तो कोई भी बाधा रास्ता नहीं रोक सकती। इस अवसर पर क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट प्राची अग्रवाल अग्निहोत्री ने कहा, विद्यार्थियों के लिए मानसिक संतुलन और एकाग्रता बनाए रखना अत्यंत जरूरी है। सकारात्मक सोच के साथ पढ़ाई करने से बेहतर परिणाम प्राप्त होते हैं। कार्यक्रम में बिहार-झारखंड के जोनल हेड विपिन योगी ने कहा, ल्लअनुशासन, नियमित अभ्यास और सही मार्गदर्शन ही सफलता का आधार है। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य के प्रति समर्पित रहना चाहिए। वहीं सेंटर हेड चेतन शर्मा ने जेईई एवं नीट की तैयारी की विस्तृत रणनीति साझा करते हुए कहा, नियमित प्रैक्टिस, समय प्रबंधन और निरंतर रिवीजन ही सफलता की कुंजी है। पीएनसीएफ के जोनल हेड विशाल केजरीवाल ने कहा, फाउंडेशन स्तर की तैयारी ही भविष्य की सफलता की मजबूत नींव रखती है। शुरुआत से ही सही दिशा में की गई मेहनत निश्चित रूप से सफलता दिलाती है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को शैक्षणिक के साथ-साथ मानसिक रूप से भी सशक्त बनाना था, ताकि वे प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन कर सकें। संस्थान के प्रवक्ता ने बताया कि इस प्रकार के आयोजन विद्यार्थियों में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार करते हैं, जिससे वे अपने लक्ष्य की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ते हैं।

बी.डी. कॉलेज में छह दिवसीय एफडीपी का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग एवं बी.डी. कॉलेज, पटना द्वारा शोध और अकादमिक विमर्श की नवीन प्रवृत्तियाँ विषय पर छह दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम का शुभारंभ सोमवार को बी.डी. कॉलेज परिसर में हुआ। इस कार्यक्रम को सेंटर फॉर जेंडर स्टडिज पटना से सहयोग प्राप्त है। उद्घाटन सत्र में कुलपति प्रो. उपेन्द्र प्रसाद सिंह ने कहा कि शोध और अकादमिक विमर्श की नवीन प्रवृत्तियाँ शिक्षकों को वैश्विक दृष्टिकोण प्रदान करती हैं और उच्च शिक्षा की गुणवत्ता को सुदृढ़ करती हैं। उन्होंने बी.डी. कॉलेज की प्राचार्या एवं कार्यक्रम की कोर्स डायरेक्टर प्रो. रत्ना अमृत द्वारा किए जा रहे कार्यों की भूरि-भूरि प्रशंसा की। प्रो. रत्ना अमृत ने स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम केवल एक शैक्षणिक आयोजन नहीं है, बल्कि यह हमारे सामूहिक संकल्प का प्रतीक है कि हम शोध और अकादमिक विमर्श को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाएं। मुख्य वक्ता प्रो. रत्नेश्वर मिश्रा, पूर्व विभागाध्यक्ष, एल.एन.एम.यू., ने भारतीय ज्ञान परंपरा की मुख्य विशेषता संवाद को रेखांकित किया और वेदों, उपनिषदों, पुराणों के बरक्स लोक परंपरा के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। विशिष्ट अतिथि प्रो. मंगला रानी, अध्यक्ष, स्नातकोत्तर हिंदी विभाग, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय ने कहा कि शोध की दिशाएँ तो शोधार्थी स्वयं ही तय करते हैं, शिक्षक तो केवल उन्हें ज़मीन देने का कार्य करते हैं। अध्यक्षीय उद्बोधन प्रो. अरविंद कुमार, अध्यक्ष, स्नातकोत्तर इतिहास विभागाध्यक्ष, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय ने दिया और एफडीपी के विभिन्न पहलुओं को विस्तार से बताया। आयोजन सचिव एवं डीएसडब्ल्यू, पाटलिपुत्र विश्वविद्यालय प्रो. राजीव रंजन ने कहा कि राष्ट्र निर्माण के लक्ष्य को लेकर शोध करने की आवश्यकता है, न कि केवल नौकरी और परिवार को ध्यान में रखकर। दूसरी रिसोर्स पर्सन प्रो. मधु प्रभा सिंह ने अनुसंधान की मुख्य धारा में कथेत्तर साहित्यः एक प्रसंग विषय पर हिंदी साहित्य की रिपोर्ताज, यात्रा साहित्य, आत्मकथा और जीवनी के माध्यम से शोध की नवीन प्रवृत्तियों की ओर शोधार्थियों और शिक्षकों का ध्यान आकृष्ट किया। अंत में प्रो. अविनाश झा , स्नातकोत्तर इतिहास विभाग, आयोजन सचिव ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया। इस छह दिवसीय कार्यक्रम के पहले दिन व्यापक स्तर पर शिक्षकों और शोधार्थियों ने भाग लिया। आगामी दिनों में विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों के व्याख्यान एवं संवाद सत्र आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

लेन-देन के बदलते स्वरूप पर डॉ. आनंद की तीखी टिप्पणी, कविता बनी जनचर्चा का विषय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जंदाहा (वैशाली)। समाज में बढ़ती आर्थिक असंतुलन और आपसी विश्वास के संकट को लेकर समाजसेवी एवं शिक्षाविद् डॉ. आनंद रंजन झा की एक नई कविता ने व्यापक चर्चा को जन्म दिया है। अपनी सशक्त और यथार्थपरक पंक्तियों के माध्यम से डॉ. आनंद ने वर्तमान सामाजिक व्यवस्था पर सीधा प्रहार किया है। उनकी कविता की प्रमुख पंक्तियां– पैसा लेता है वो, जो लौटाता नहीं, जो लौटाने वाला है, वो हाथ बढ़ाता नहीं। आज के दौर में लेन-देन की बिगड़ती मानसिकता और विश्वास के संकट को स्पष्ट रूप से उजागर करती हैं। डॉ. आनंद ने कहा कि आज समाज में लेने और देने के बीच संतुलन पूरी तरह बिगड़ चुका है। लोग लेने में तो तत्पर हैं, लेकिन देने या जिम्मेदारी निभाने से बचते नजर आते हैं। यह प्रवृत्ति न केवल आर्थिक व्यवस्था को प्रभावित कर रही है, बल्कि सामाजिक संबंधों में भी दरार पैदा कर रही है। उन्होंने आगे कहा कि यदि समाज को मजबूत बनाना है, तो प्रत्येक व्यक्ति को ईमानदारी, विश्वास और जिम्मेदारी के मूल्यों को अपनाना होगा। विशेष रूप से युवाओं को आगे आकर सकारात्मक बदलाव की दिशा में कार्य करना चाहिए। यह कविता सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मस पर तेजी से वायरल हो रही है और विभिन्न वर्गों के लोगों द्वारा इसे सराहा जा रहा है। कई शिक्षाविदों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी इसे समाज का सटीक दर्पण बताया है।

जिला पर्यवेक्षकों के प्रशिक्षण के लिए प्रदेश कांग्रेस संचालन समिति गठित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी द्वारा नियुक्त जिला पर्यवेक्षकों का तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम 18, 19 एवं 20 अप्रैल को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम, पटना में आयोजित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य गांधीगिरी तरीके से संगठन को और मजबूत करना तथा जिला स्तर पर पार्टी की गतिविधियों को प्रभावी बनाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल एवं बेहतर संचालन के लिए बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम ने एक संचालन समिति का गठन किया है। समिति के सदस्य इस प्रकार हैं- चंद्र प्रकाश सिंह, अध्यक्ष, डॉ. तारानंद सदा, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी, अरविंद चौधरी, पूर्व प्रत्याशी हायाघाट, अभिषेक सिंह, अध्यक्ष शिक्षक प्रकोष्ठ, सतेंद्र बहादुर, पूर्व प्रत्याशी, डॉ. आशुतोष शर्मा, पूर्व जिलाध्यक्ष, रीता सिंह, राजीव शर्मा, सलभ कुमार, इसके अतिरिक्त प्रदेश कांग्रेस कनेक्ट सेंटर के सभी सदस्य इस समिति के पदेन सदस्य रहेंगे। प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से जिला पर्यवेक्षकों को संगठनात्मक कार्यों, पार्टी की नीतियों एवं जनसंपर्क अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने का प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे प्रदेश में कांग्रेस संगठन को और मजबूती मिलेगी।

अमरूद बनेगा किसानों की आय का मजबूत आधार, बिहार में बागवानी को मिलेगा नया विस्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कृषि मंत्री, बिहार राम कृपाल यादव ने कहा कि बिहार की विविध जलवायु परिस्थितियाँ अमरूद उत्पादन के लिए अत्यंत अनुकूल हैं। अमरूद बिहार के लिए केवल एक फल फसल नहीं, बल्कि पोषण सुरक्षा, किसानों की आय वृद्धि तथा कृषि विविधीकरण का सशक्त माध्यम बनकर उभर रहा है। उन्होंने कहा कि अमरूद कम लागत वाली बागवानी फसल है, जो हल्की बलुई से लेकर भारी दोमट मिट्टी तक में सफलतापूर्वक उगाई जा सकती है। यह फसल सूखा सहन करने में सक्षम है तथा सीमांत भूमि पर भी अच्छी आय देने की क्षमता रखती है, जिससे बिहार के किसानों के लिए यह एक व्यवहारिक एवं लाभकारी विकल्प बनती जा रही है। कृषि मंत्री ने कहा कि अमरूद राज्य की प्रमुख फल फसलों में शामिल है और किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसकी मांग पूरे वर्ष बनी रहती है, जिससे किसानों को नियमित एवं स्थिर आय प्राप्त होती है। इसके अलावा अमरूद से जैम, जेली, जूस, स्क्वैश एवं अन्य प्रसंस्कृत उत्पाद तैयार किए जाते हैं, जिससे मूल्य संवर्धन के साथ ग्रामीण स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी सृजित होते हैं। उन्होंने बताया कि मिशन फॉर इंटीग्रेटेड डेवलपमेंट ऑफ हॉर्टिकल्चर के तहत अमरूद बागवानी की स्थापना के लिए प्रति हेक्टेयर अनुमानित लागत लगभग 1.0 लाख रुपये से 1.2 लाख रुपये तक निर्धारित की गई है। इस पर सरकार द्वारा सामान्यतः 40 प्रतिशत तक अनुदान (क्षेत्र एवं श्रेणी के अनुसार) उपलब्ध कराया जाता है, जिससे किसानों को प्रारंभिक निवेश में सहायता मिलती है और बागवानी को बढ़ावा मिलता है। मंत्री ने कहा कि अमरूद पोषण की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण फल है। इसमें विटामिन-सी, फाइबर, कैल्शियम एवं फास्फोरस प्रचुर मात्रा में पाए जाते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, पाचन सुधारने तथा हृदय स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक हैं। राम कृपाल यादव ने कहा कि अमरूद जैसी बागवानी फसलों को बढ़ावा देकर बिहार में कृषि विविधीकरण को गति दी जा रही है। पारंपरिक फसलों के साथ फलोत्पादन को बढ़ावा देने से किसानों की आय में स्थिरता आएगी, जोखिम कम होगा तथा जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से भी सुरक्षा मिलेगी। उन्होंने कहा कि अमरूद जैसी कम लागत एवं अधिक लाभ देने वाली फसलें आत्मनिर्भर किसान एवं समृद्ध बिहार के लक्ष्य को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

खाड़ी देशों में फंसे श्रमिकों को हर संभव मदद

सासाराम/पटना। श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण सह युवा, रोजगार एवं कौशल विकास मंत्री श्री संजय सिंह टाइगर की अध्यक्षता में सोमवार को सासाराम परिसदन में संबंधित विभागों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभागीय कार्यों की प्रगति, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा श्रमिकों के कल्याण से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में श्रम संसाधन मंत्री द्वारा खाड़ी देशों में फंसे मजदूरों की स्थिति पर विशेष रूप से विचार-विमर्श किया गया तथा उन्हें हर संभव सहायता उपलब्ध कराने हेतु अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। इसके अतिरिक्त, खाड़ी क्षेत्र में उत्पन्न युद्ध जैसी परिस्थितियों के कारण देश में उत्पन्न घरेलू गैस संकट के बीच विभिन्न राज्यों से वापस लौट रहे श्रमिकों की स्थिति की भी समीक्षा की गई।

फिफो सिद्धांत 30 जून तक स्थगित, विशेष श्रेणी के आवेदकों को व्यक्तिगत उपस्थिति से भी मिलेगी छूट

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने भूमि से संबंधित मामलों के त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को प्राथमिकता आधारित निस्तारण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। प्रधान सचिव श्री सीके अनिल ने इस संबंध में सभी प्रमंडलीय आयुक्तों, जिलाधिकारियों, अपर समाहर्ताओं, भूमि सुधार उप समाहर्ताओं तथा अंचल अधिकारियों को पत्र जारी किया है। इस संबंध में उपमुख्यमंत्री सह राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि भूमि से जुड़े मामलों में निर्धारित प्राथमिकता का हर हाल में पालन किया जाए। अनुसूचित जाति/जनजाति, विधवा, सेना में कार्यरत या सेवानिवृत्त जवान, बाहर कार्यरत सुरक्षाकर्मियों और केंद्र सरकार के कर्मचारियों के मामलों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि फ़िफो व्यवस्था 30 जून 2026 तक स्थगित है, इसलिए विशेष श्रेणी के आवेदनों को प्राथमिकता देना अनिवार्य है। यदि किसी स्तर पर इन निर्देशों की अनदेखी पाई जाती है तो संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि ऐसे आवेदकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों का चक्कर न लगाना पड़े। आवश्यक होने पर उन्हें व्यक्तिगत उपस्थिति से छूट देकर उनके प्रतिनिधि या अधिवक्ता के माध्यम से सुनवाई की व्यवस्था की जाए, ताकि राजस्व प्रशासन अधिक संवेदनशील, पारदर्शी और जनहितकारी बन सके। प्रधान सचिव द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, राज्य सरकार के सात निश्चय कार्यक्रम के अंतर्गत 16 दिसंबर 2025 से राज्य में ईज ऑफ लिविंग का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी क्रम में माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की समृद्धि यात्रा तथा उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा के जन कल्याण संवाद के दौरान यह अपेक्षा सामने आई है कि आम लोगों की भूमि से जुड़ी समस्याओं का समाधान शीघ्र हो। इसके लिए मुख्य सचिव के निर्देश पर आयोजित सोमवारीय सभा और शुक्रवारीय दरबार में बड़ी संख्या में लोग अपनी समस्याएं लेकर पहुंच रहे हैं। विभाग ने स्पष्ट किया है कि सरलीकरण के उद्देश्य से गत चार महीनों में कई महत्वपूर्ण परिपत्र जारी किए गए हैं तथा मामलों के निस्तारण में लागू फीफो सिद्धांत को 30 जून 2026 तक स्थगित किया जा चुका है।

संपादकीय

पश्चिम एशिया युद्ध भारत की चेतावनी-संवाद की कमी खतरनाक

कूटनीतिक तकाजे के साथ-साथ मानवीय पहलू से भी देखें, तो होर्मुज जलमार्ग को तत्काल खोलने की जरूरत है, अन्यथा वैश्विक पैमाने पर जिस तरह का ऊर्जा संकट खड़ा होगा, उसकी भरपाई लंबे समय तक नहीं की जा सकेगी। इससे बड़ी विडंबना और क्या होगी कि पश्चिम एशिया में युद्ध ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच हो रहा है, लेकिन उसकी मार वैसे देशों को भी झेलनी पड़ रही है, जो किसी भी रूप में जंग में शामिल नहीं हैं। कई देशों में अब हालत यह है कि वहां तेल और गैस की कमी की वजह से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित होने लगा है।भारत भी उन देशों में से एक है, जहां कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति बाधित होने के कारण आम लोगों को कई तरह की मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। खासतौर पर जब से ईरान ने होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया है, तब से कई देशों में कच्चे तेल और गैस की आपूर्ति पर व्यापक असर पड़ा है। भारत में रसोई गैस सिलेंडर की उपलब्धता भी काफी प्रभावित हुई है। यह स्थिति मुख्य रूप से होर्मुज जलमार्ग को रोके जाने के कारण सामने आई है और इसमें तभी राहत मिल सकती है, जब ईरान इस मार्ग को फिर से खोले।वैश्विक स्तर पर यह चिंता गहरा रही है कि अगर होर्मुज जलमार्ग को इसी तरह बाधित करके रखा गया, तो आने वाले दिनों में स्थितियां और बिगड़ सकती हैं। शायद यही वजह है कि पश्चिम एशिया के इस संकट का हल निकालने की कोशिश के तहत ब्रिटेन की पहल पर साठ से ज्यादा देशों की बैठक हुई, जिसमें होर्मुज जलमार्ग को फिर से खोलने और फंसे हुए जहाजों तथा चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई। इसके तहत अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों में बिना बाधा के जहाजों की आवाजाही की अहमियत को रेखांकित किया गया, क्योंकि आज के दौर में समूची दुनिया में तेल और रसोई गैस लोगों के जीवन के सबसे अहम आधार बन चुके हैं। वहीं होर्मुज जलमार्ग के बाधित होने के बाद से ही जिस तरह का ऊर्जा संकट गहराता जा रहा है, उसका भारत पर भी सीधा असर पड़ा है। जाहिर है, अन्य कई देशों की तरह भारत भी इस प्रयास में है कि जितना जल्दी हो, इस संकट का हल निकले और होर्मुज जलमार्ग को खोला जाए। बैठक में भारत ने साफ शब्दों में कहा कि युद्ध खत्म करने के लिए तनाव कम करने और सभी पक्षों के बीच संवाद के रास्ते पर लौटने की जरूरत है। यों भी, आज के दौर में कोई भी युद्ध सिर्फ उन देशों को प्रभावित नहीं करता, जिनके बीच वह लड़ा जा रहा होता है। अब यह वैश्विक चिंता का सवाल बन चुका है कि इजराइल और अमेरिका के साझा हमले के बाद ईरान ने रणनीतिक मोर्चे पर जो रुख अख्तियार किया है, उसका खमियाजा अब दुनिया के कई देशों को भुगतना पड़ रहा है। संभव है कि अमेरिका और इजराइल को जवाब देने के लिए ईरान ने हमलों के अन्य मोर्चों के साथ-साथ होर्मुज जलमार्ग को बाधित किया हो, लेकिन जो देश इस युद्ध में किसी भी पक्ष में नहीं हैं, अगर उन्हें इसकी मार झेलनी पड़ रही है और आम लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर विपरीत असर पड़ रहा है, तो इसे कैसे देखा जाएगा। विडंबना यह है कि ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच जारी युद्ध में संवाद को लेकर फिलहाल किसी भी पक्ष में कोई उत्साह नहीं दिख रहा है। मगर कूटनीतिक तकाजे के साथ-साथ मानवीय पहलू से भी देखें, तो होर्मुज जलमार्ग को तत्काल खोलने की जरूरत है, अन्यथा वैश्विक पैमाने पर जिस तरह का ऊर्जा संकट खड़ा होगा, उसकी भरपाई लंबे समय तक नहीं की जा सकेगी।

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिप[ता का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है।

पश्चिम बंगाल में बढ़ती अराजकता लोकतंत्र के लिए चुनौती

(ललित गर्ग)

नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है।

पश्चिम बंगाल, जो कभी सांस्कृतिक चेतना, बौद्धिकता और राजनीतिक परिपक्वता का प्रतीक माना जाता था, आज एक ऐसे संक्रमणकाल से गुजर रहा है, जहां लोकतांत्रिक मूल्यों की जड़ें लगातार कमजोर होती प्रतीत हो रही हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है, वैसे-वैसे राज्य में हिंसा, अराजकता अलोकतांत्रिकता और राजनीतिक असहिष्णुता की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। यह केवल राजनीतिक प्रतिस्पर्धा का परिणाम नहीं है, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति घटते सम्मान और कानून व्यवस्था की गिरती स्थिति का भी द्योतक है। हाल ही में मालदा जिले में मतदाता सूची पुनरीक्षण अर्थात एसएआर को लेकर जिस प्रकार का असंतोष और तनाव देखने को मिला, वह भी लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति अविश्वास को दर्शाता है। मतदाता सूची में नाम जुड़ना या हटना एक कानूनी और प्रशासनिक प्रक्रिया है, जिसके लिए स्पष्ट नियम और प्रावधान होते हैं। यदि इस प्रक्रिया को राजनीतिक चश्मे से देखा जाएगा या प्रशासनिक अधिकारियों पर दबाव बनाया जाएगा, तो निष्पक्ष चुनाव की पूरी प्रक्रिया ही संदिग्ध हो जाएगी। एसएआर प्रक्रिया में बाधक बनते हुए जिसे तरह से न्यायिक अधिकारियों को नौ घंटे तक बंधक बनाए जाने की घटना सामने आयी है, वह न केवल चिंताजनक है बल्कि लोकतंत्र के लिये एक गंभीर चेतावनी भी है। यह उस व्यापक घातक एवं विडम्बनापूर्ण प्रवृत्ति का हिस्सा है, जिसमें प्रशासनिक और न्यायिक तंत्र को भी राजनीतिक दबाव और भीड़तंत्र के आगे झुकने के लिए मजबूर किया जा रहा है। विशेष रूप से यह तथ्य कि बंधक बनाए गए अधिकारियों में महिलाएं भी शामिल थीं, इस घटना को और अधिक गंभीर बना देता है। यह न केवल कानून के शासन पर प्रश्नचिह्न लगाता है, बल्कि समाज में बढ़ती असंवेदनशीलता को भी उजागर करता है।

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा का इतिहास नया नहीं है। 1960 और 70 के दशक में नक्सल आंदोलन के दौरान हिंसा का जो दौर शुरू हुआ था, उसने राज्य की राजनीतिक संस्कृति को गहराई से प्रभावित किया। इसके बाद वामपंथी शासन के लंबे कालखंड में भी राजनीतिक विरोधियों के प्रति असहिष्णुता और हिंसा की घटनाएं समय-समय पर सामने आती रहीं। सत्ता परिवर्तन के बाद तृणमूल कांग्रेस एवं ममता बनर्जी के शासन में यह प्रवृत्ति समाप्त नहीं हुई, बल्कि नए स्वरूप में सामने आई। यह स्पष्ट संकेत है कि समस्या केवल किसी एक दल या विचारधारा की नहीं, बल्कि पूरे राजनीतिक तंत्र में व्याप्त एक गहरे संकट की है। वर्तमान परिप्रेक्ष्य में, चुनावों के निकट आते ही जिस प्रकार की घटनाएं सामने आ रही हैं, वे लोकतंत्र के लिए गंभीर खतरे का संकेत देती हैं। मतदाता सूची के पुनरीक्षण जैसे संवेदनशील कार्य में लगे अधिकारियों को बंधक बनाना यह दर्शाता है कि कुछ तत्व चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं। यह केवल कानून का उल्लंघन नहीं, बल्कि मतदाता की स्वतंत्रता और निष्पक्ष चुनाव के अधिकार पर सीधा हमला है।

इस संदर्भ में सुप्रीम कोर्ट की सक्रियता उल्लेखनीय है। समय-समय पर न्यायालय ने राज्य सरकार को कड़े निर्देश दिए हैं और कानून व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी की याद दिलाई है। किंतु यह भी एक चिंताजनक तथ्य है कि इन निर्देशों का जमीनी स्तर पर अपेक्षित प्रभाव नहीं दिखाई देता। इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या राज्य प्रशासन एवं सत्तारूढ पार्टी इन निर्देशों को लागू करने में अक्षम है या इच्छुक नहीं है? यदि सर्वोच्च न्यायालय के

आदेश भी प्रभावी नहीं हो पा रहे हैं, तो यह लोकतंत्र के लिए एक गंभीर चेतावनी है। चुनाव के समय बढ़ती अराजकता के पीछे राजनीतिक बौखलाहट भी एक महत्वपूर्ण कारण हो सकती है। जब किसी दल को अपनी लोकप्रियता में गिरावट का भय होता है, तो वह अक्सर लोकतांत्रिक मर्यादाओं को दरकिनार कर असंवैधानिक उपायों का सहारा लेने लगता है। पश्चिम बंगाल में भी कुछ ऐसी ही प्रवृत्तियां देखने को मिल रही हैं, जहां सत्तारूढ़ दल के कार्यकर्ताओं पर विपक्ष को डराने, प्रशासनिक कार्यों में बाधा डालने और चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने के आरोप लगते रहे हैं। यदि इन आरोपों में सच्चाई है, तो यह स्थिति अत्यंत चिंताजनक है और लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।

नागरिक समाज सक्रिय रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए आगे नहीं आएगा, तब तक केवल प्रशासनिक उपायों से इस समस्या का समाधान संभव नहीं है। लोकतंत्र केवल चुनावों तक सीमित नहीं होता, बल्कि यह एक सतत प्रक्रिया है जिसमें कानून का शासन, संस्थाओं की स्वतंत्रता और नागरिकों की भागीदारी महत्वपूर्ण होती है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति इन सभी पहलुओं पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। यदि चुनाव प्रक्रिया ही निष्पक्ष और शांतिपूर्ण नहीं रह जाती, तो लोकतंत्र का मूल उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी शक्ति मतदाता का विश्वास होता है, और यदि मतदाता को यह लगने लगे कि मतदाता सूची, चुनाव प्रक्रिया या प्रशासन किसी राजनीतिक दबाव में काम कर रहा है, तो लोकतंत्र की विश्वसनीयता स्वतः कमजोर होने लगती है। इस पूरे घटनाक्रम में प्रशासनिक नाकामी का प्रश्न भी गंभीरता से सामने आता है। किसी भी राज्य में यदि अधिकारी सुरक्षित नहीं हैं, न्यायिक अधिकारी तक बंधक बना लिए जाते हैं और पुलिस या प्रशासन समय पर प्रभावी कार्रवाई नहीं कर पाता, तो यह प्रशासनिक तंत्र की कमजोरी का स्पष्ट प्रमाण है। प्रशासन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी कानून व्यवस्था बनाए रखना और सरकारी कार्यों को निर्भय वातावरण में संपन्न कराना होता है। यदि प्रशासन यह सुनिश्चित नहीं कर पा रहा है, तो इससे जनता में भय और अविश्वास दोनों बढ़ते हैं। जनता का विश्वास ही किसी सरकार की सबसे बड़ी पूंजी होता है, और जब यही विश्वास डगमगाने लगता है, तो शासन की वैधता पर भी प्रश्नचिह्न लगने लगते हैं।

राजनीतिक दलों की भूमिका भी इस पूरे परिदृश्य में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। लोकतंत्र में राजनीतिक दल केवल सत्ता प्राप्त करने का माध्यम नहीं होते, बल्कि वे लोकतांत्रिक मूल्यों के संवाहक भी होते हैं। उनसे अपेक्षा की जाती है कि वे अपने कार्यकर्ताओं को संयम, कानून के सम्मान और लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करने के लिए प्रेरित करें। लेकिन जब राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कटु संघर्ष में बदल जाती है और कार्यकर्ताओं को किसी भी तरह से राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, तो अराजकता की स्थिति उत्पन्न होती है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए आवश्यक है कि राजनीतिक दल चुनाव को युद्ध नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्सव के रूप में देखें। आज आवश्यकता इस बात की है कि पश्चिम बंगाल की घटनाओं को केवल एक राज्य की समस्या न मानकर लोकतंत्र के लिए चेतावनी के रूप में देखा जाए। यदि प्रशासनिक तंत्र कमजोर होगा, राजनीतिक दल मर्यादा नहीं रखेंगे, और जनता का विश्वास कम होता जाएगा, तो लोकतंत्र केवल कागजों तक सीमित रह जाएगा। लोकतंत्र की रक्षा केवल संविधान या न्यायालय नहीं कर सकते, इसके लिए राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक निष्पक्षता और जनता की जागरूकताकृतीनों का संतुलन आवश्यक है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान परिस्थितियां हमें यही संदेश देती हैं कि लोकतंत्र को केवल चुनाव से नहीं, बल्कि व्यवस्था की निष्पक्षता, कानून के शासन और नागरिक विश्वास से मजबूत बनाया जा सकता है।

इस परिप्रेक्ष्य में आवश्यक है कि राज्य सरकार, चुनाव आयोग और न्यायपालिका मिलकर ठोस कदम उठाएं। कानून व्यवस्था को सख्ती से लागू किया जाए, दोषियों के खिलाफ त्वरित और निष्पक्ष कार्रवाई हो और प्रशासनिक तंत्र को राजनीतिक दबाव से मुक्त रखा जाए। इसके साथ ही राजनीतिक दलों को भी आत्ममंथन करना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके कार्यकर्ता लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करें। निश्चित ही यह समझना होगा कि लोकतंत्र की रक्षा केवल संस्थाओं की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि प्रत्येक नागरिक का कर्तव्य है। पश्चिम बंगाल की वर्तमान स्थिति एक चेतावनी है कि यदि समय रहते सुधारात्मक कदम नहीं उठाए गए, तो यह अराजकता और गहराई तक फैल सकती है। लोकतंत्र की मजबूती के लिए आवश्यक है कि हम सभी मिलकर कानून, नैतिकता और सहिष्णुता के मूल्यों को पुनः स्थापित करें। पश्चिम बंगाल आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां से वह या तो लोकतांत्रिक पुनर्जागरण की ओर बढ़ सकता है या अराजकता के गहरे गर्त में गिर सकता है। यह निर्णय न केवल राजनीतिक नेतृत्व, बल्कि पूरे समाज को मिलकर लेना होगा।लेखक, पत्रकार, स्तंभकार है। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

विश्व शांति संकट- क्यों युद्ध और संघर्ष आज भी मनुष्य की प्राथमिकता हैं

(रितुप्रिया शर्मा)

मानव जीवन संघर्ष, प्रेम, शांति, इच्छाशक्ति और दूरदर्शिता का एक अनूठा उदाहरण है। मनुष्य की मनुष्यता इसी में है कि वह बिना किसी भय के, बिना किसी को नुकसान पहुंचाए अपना जीवन जी सके और दूसरे को भी जीने दे। मगर आज की संस्कृति में अशांति के तत्त्व की प्रधानता होती जा रही है। न तो मनुष्य के व्यक्तिगत जीवन में कहीं शांति है, न ही राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कहीं शांति की किरण नजर आती है। हर तरफ संघर्ष का शोर सुनाई देता है। युद्ध और टकराव को ही सबसे आखिरी हल मान लिया गया है। जबकि वास्तविकता यह है कि किसी भी प्रश्न या समस्या का समाधान शांति ही है। शांति कोई असाधारण या अप्राप्य बात नहीं है। यह बहुत साधारण है, लेकिन इसे प्राप्त करने के लिए मनुष्य को अपने आप में धीरज, प्रेम और भाईचारे के भाव को उत्पन्न करना होता है। मनुष्य की ईर्ष्या ही उसके इन भावों को बाहर आने से रोकती है और धीरे-धीरे न केवल वह खुद की शांति भंग करता है, बल्कि अपने आसपास की भी शांति को भंग करने लगता है। तात्कालिक तौर पर उसे जरूर लग सकता है कि अपनी मर्जी से वह जो कर रहा है, उससे उसे शांति मिल रही है, लेकिन वही वास्तव में उसके जीवन की अशांति का प्रबंध भी हो सकता है। यह ध्यान रखने की जरूरत होती है कि अगर किसी मोहल्ले में आग लगती है, तो उसकी आंच और आग हमारे दरवाजे तक कभी भी आ सकती है।

दुनिया में जितने भी धर्म हैं, उन सबने शांति का ही पाठ पढ़ाया है और यह एक ऐसा पाठ है, जो अहिंसा के माध्यम से ही प्राप्त किया जा सकता है। गांधी से लेकर नेल्सन मंडेला तक, गौतम बुद्ध से लेकर महावीर स्वामी तक, यहां तक कि कलिंग युद्ध के बाद महान सम्राट अशोक ने भी शांति के मार्ग को ही अपनाया। युद्ध, पीड़ा, लालसा, सब कुछ प्राप्त करने की होड़ मनुष्य को सही राह पर लेकर नहीं जाती, बल्कि इसके उलट उसे विनाश के कगार पर ले जाने में सक्षम है।

सवाल है कि शांति की इस स्थापित अहमियत और बड़े-बड़े प्रतीक महापुरुषों की शांति के लिए वकालत के बावजूद आज मनुष्य शांति के बजाय युद्ध को लेकर इतना उतावला क्यों रहता है। आज विश्व जिन आफतों से जूझ रहा है, ये सभी तकलीफें मनुष्य की ही निमंत्रित की हुई हैं। अपने आप को श्रेष्ठ कहलवाना, शक्ति को सर्वेसर्वा बना देना, मनुष्य को मनुष्य न समझकर उनकी जान की कोई कीमत नहीं आंकना, ये सभी बातें मनुष्यता के खिलाफ हैं। द्वितीय विश्वयुद्ध से आज तक अनेक युद्ध लड़े गए, देशों ने हथियारों का विकास किया। इसमें आणविक हथियार भी शामिल थे, लेकिन डर अब इस बात का हो गया है कि कहीं कोई परमाणु शक्ति से संपन्न देश किसी अन्य देश के खिलाफ इनका इस्तेमाल न कर दे। बहुत सारे देशों ने परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए समझौते पर हस्ताक्षर किया हुआ है। इसके बावजूद परमाणु हथियार बनाने की होड़ बदस्तूर जारी है।

बड़े राष्टों के डर से छोटे राष्ट भी अपने आप को परमाणु शक्ति संपन्न बनाने में जुटे हुए हैं। बड़े राष्टों का कहना है कि वे किसी अन्य राष्ट को परमाणु हथियार नहीं बनाने देंगे। वहीं छोटे राष्ट अपने बचाव के लिए अपने आपको परमाणु शक्ति संपन्न बनाना चाहते हैं और यहीं से शुरू होती है विश्व में हथियारों की होड़, अशांति का माहौल और आम जनता की पीड़ा। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच युद्ध इसी बात को उजागर करता है कि कमजोर अपने आपको मजबूत बनाना चाहता है और मजबूत अपने से कमजोर लोगों को मजबूत होते हुए नहीं देखना चाहता। यह बात सही है कि परमाणु ऊर्जा का सदुपयोग होना चाहिए, न कि हथियारों की होड़ में इसका उपयोग। इसका मतलब यह नहीं है कि हम किसी संप्रभु राष्ट पर आक्रमण कर दें। ये मुद्दे शांति और भाईचारे से भी सुलझाए जा सकते हैं। बड़े राष्टों को चाहिए कि वे छोटे देशों को आश्वस्त करें कि वे कभी भी उन पर आक्रमण नहीं करेंगे और उनको अपनी सुरक्षा के लिए आणविक हथियारों की ओर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

जापान के हिरोशिमा-नागासाकी शहरों पर परमाणु बम गिराने से उपजी त्रासदी का उदाहरण हमारे सामने है, जिसका प्रभाव आज भी देखने को मिलता है। क्या हम यह चाहते हैं कि विश्व वही स्थिति दोबारा देखे, जो उस वक्त हुई थी?

हममें से कोई भी यह नहीं चाहता कि विश्व में अशांति और असुरक्षा का माहौल पनपे और लगातार युद्धों की राजनीति में राष्ट अपने आपको झोंक दें। इससे न केवल समय और धन नष्ट होता है, बल्कि लोगों की जिंदगी अस्त-व्यस्त हो जाती है। वर्षों से पाया हुआ राष्ट्रीय मुकाम धराशायी हो सकता है। हमें चाहिए कि हम अपनी लालसा को नियंत्रित करें, चाहे वह व्यक्तिगत रूप से हो या राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर। हमें अपने अंदर की इस कमी को दूर करना ही होगा। वरना भविष्य में मनुष्य जाति के सामने संकट और ज्यादा बड़ा हो सकता है। आने वाली पीढ़ियों को हम ऐसा जीवन देकर जाएंगे, जो संसाधनविहीन होगा और उनकी प्रगति के सारे रास्ते बंद हो जाएंगे।

इसलिए हमें चाहिए कि हम व्यक्तिगत स्तर पर आपसी संघर्ष से और राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गृहयुद्धों और महायुद्धों से दूर रहें, ताकि सभी लोग मिल-जुलकर तरक्की कर सकें और विश्व को शांति रूपी समाधान दे सकें।

वक्त जितनी तेजी से आगे भाग रहा है, उतनी ही तेजी से शायद समाज और लोगों की जीवनशैली में बदलाव भी हो रहा है। दो-ढाई दशक पहले तक ग्रामीण इलाकों में होने वाले शादी समारोहों में तस्वीर बिल्कुल अलग होती थी। वहां परिवार के साथ समाज होता था, केवल भोजन करने या समारोह में शामिल होने के लिए नहीं, बल्कि हर स्तर पर सब कुछ ठीक से निबाह देने में अपने स्तर पर हर सहयोग करने के लिए भी। शादी समारोह में शामिल सभी लोगों के लिए यह अपना आयोजन होता था। एक-दो पीढ़ी पहले के दौर में दो या तीन दिनों की अवधि के मुकाबले अब सब कुछ चंद घंटे में किसी विवाह भवन या 'बैंक्वेट' या 'विवाह भवन' में संपन्न हो जाता है। मगर अब भी कभी-कभी किसी शादी समारोह में पुराने दिनों की झलक मिल जा सकती है, जहां लोगों ने परंपरा को कायम रखने की कोशिश की।

भारत की जल समस्या केवल 'कितना पानी है' का सवाल नहीं, बल्कि 'कैसा पानी है' का भी सवाल

इसमें दोराय नहीं कि बांध, नहर, पाइपलाइन और बोरवेल आवश्यक हैं, लेकिन वे अकेले समाधान नहीं हैं। अब जरूरत इस बात की है कि जल नीति आपूर्ति बढ़ाने से आगे बढ़ कर मांग-प्रबंधन, जल गुणवत्ता, पुनर्भरण, पुनर्चक्रण और स्थानीय जल शासन पर जोर दे। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय जल नीति में संशोधन की चर्चा महत्त्वपूर्ण हो जाती है। लंबे समय से यह महसूस किया जा रहा है कि वर्ष 2012 में अद्यतन हुई नीति अब मौजूदा चुनौतियों के लिए पर्याप्त नहीं है।

(अलका 'सोनी')

हम सभी यह सुनते और जानते हुए बड़े हुए हैं कि जल है तो जीवन है। इसके बावजूद जल का अपव्यय करते हैं। जिस गति से संचय करने की बात की जाती है, उससे कई गुना पानी की बर्बादी होती है। कहीं भी सड़कों पर पानी बहते हुए देखा जा सकता है। यही कारण है कि भारत में जल संकट अब भविष्य की चेतावनी नहीं, वर्तमान की कठोर सच्चाई है। देश के अनेक हिस्सों में भूजल स्तर नीचे जा चुका है, नदियां प्रदूषण से बेहाल हैं। शहरों की जल आपूर्ति व्यवस्था दबाव में है। लोग पानी के लिए घंटों इंतजार में खड़े रहते हैं। जलवायु परिवर्तन ने वर्षा को भी इतना अनिश्चित बना दिया है कि कहीं बाढ़ और कहीं सूखा एक साथ दिखाई देता है। समस्या केवल पानी की कमी की नहीं है, असली संकट यह है कि प्रकृति की अपनी सीमाएं हैं। जल संचय के लिए बनी नीतियों की धीमी गति और समाज के असंतुलित जल-व्यवहार के बीच आज भारत बुरी तरह उलझता जा रहा है।

भारत में जल संकट इसलिए भी जटिल है, क्योंकि यहां पानी का सवाल सिर्फ पर्यावरण का नहीं, बल्कि कृषि, स्वास्थ्य, शहरीकरण, सामाजिक न्याय और शासन-व्यवस्था सबसे जुड़ा है। भूजल पर भारत की निर्भरता बहुत गहरी है। केंद्रीय भूजल बोर्ड और सरकार द्वारा जारी नवीनतम आकलन के अनुसार, वर्ष 2025 में देश की कुल वार्षिक भूजल पुनर्भरण क्षमता 448.52 बिलियन क्यूबिक मीटर आंकी गई, जबकि वार्षिक निकासी 247.22 बिलियन क्यूबिक मीटर रही। पहली नजर में यह संतुलित लग सकता है, लेकिन सच यह है कि राष्ट्रीय औसत के भीतर क्षेत्रीय असंतुलन छिपा हुआ है। कई इलाके ऐसे हैं जहां निकासी सुरक्षित सीमा के आसपास या उससे ऊपर है, जबकि दूसरे क्षेत्रों में संसाधन अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में हैं। यही वजह है कि जल संकट पूरे देश में एक समान नहीं, बल्कि कई रूप में सामने आता है।

इसमें दोराय नहीं कि बांध, नहर, पाइपलाइन और बोरवेल आवश्यक हैं, लेकिन वे अकेले समाधान नहीं हैं। अब जरूरत इस बात की है कि जल नीति आपूर्ति बढ़ाने से आगे बढ़ कर मांग-प्रबंधन, जल गुणवत्ता, पुनर्भरण, पुनर्चक्रण और स्थानीय जल शासन पर जोर दे। इसी संदर्भ में राष्ट्रीय जल नीति में संशोधन की चर्चा महत्त्वपूर्ण हो जाती है। लंबे समय से यह महसूस किया जा रहा है कि वर्ष 2012 में अद्यतन हुई नीति अब मौजूदा चुनौतियों के लिए पर्याप्त नहीं है। जल संसाधन मंत्रालय के दस्तावेजों में भी यह स्वीकार किया गया है कि कम जल-उपयोग दक्षता, भूजल पर बढ़ता दबाव, जलवायु परिवर्तन, अपशिष्ट जल के दोबारा उपयोग और फसल-पद्धति जैसे मुद्दों को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय जल नीति के पुनरीक्षण की जरूरत पड़ी। मिहिर शाह समिति इसी उद्देश्य से गठित की गई थी।

बुनियादी सवाल यह है कि जब संकट इतना स्पष्ट है, तो सुधार की गति इतनी धीमी क्यों है! इसका उत्तर भारत की संघीय संरचना और जल शासन की जटिलता में छिपा है। जल राज्यों का विषय है। केंद्र दिशा दे सकता है, योजनाएं बना सकता है, वित्तीय सहायता दे सकता है, पर वास्तविक क्रियान्वयन राज्यों, स्थानीय निकायों और विभागीय तंत्र के माध्यम से ही होता है। यही कारण है कि राष्ट्रीय स्तर पर अच्छी नीयत से बनाई गई नीतियां भी जमीन तक पहुंचते-पहुंचते धीमी पड़ जाती हैं। ऊपर से पानी का प्रश्न राजनीतिक रूप से संवेदनशील भी है। मुफ्त या सस्ती बिजली, सिंचाई, शहरी जलापूर्ति, उद्योगों की जरूरतें और राज्यों के जल विवाद ये सब मिल कर निर्णय को कठिन बना देते हैं।

कृषि इस बहस के केंद्र में है, क्योंकि भारत में जल उपयोग का सबसे बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र में होता है। मगर कृषि को दोष देकर समस्या हल नहीं होगी। असल बात यह है कि दशकों से नीतिगत

ढांचा ही ऐसे फसल को बढ़ावा देता रहा है जो कई क्षेत्रों में जल-उपलब्धता के अनुकूल नहीं हैं। जहां पानी सीमित है, वहां भी धान या गन्ने जैसी फसलों की खेती जारी रहती है, जिसमें पानी की अधिक जरूरत होती है। इस परिस्थिति में यदि जल संरक्षण की बात की जाए, तो किसानों को विकल्प, तकनीक, सिंचाई, बाजार और मूल्य का आश्वासन भी देना होगा।

समस्या का दूसरा बड़ा कारण जल गुणवत्ता है। कई बार पानी उपलब्ध होता है, पर सुरक्षित नहीं होता। केंद्रीय भूजल बोर्ड की 2025 की वार्षिक भू-जल गुणवत्ता रपट और संसद में सरकार द्वारा साझा जानकारी बताती है कि परीक्षण के लिए एकत्रित 28.3 फीसद नमूनों में नाइट्रेट, फ्लोराइड और आर्सेनिक जैसी समस्याएं अभी भी गंभीर हैं। दिसंबर 2025 में साझा आंकड़ों के अनुसार 2024 के नमूनों में 3,415 में से 123 नमूनों में आर्सेनिक और 2,537 में से 24 नमूनों में सीसा अनुमेय सीमा से अधिक पाया गया। इसका मतलब साफ है कि भारत की जल समस्या केवल 'कितना पानी है' का प्रश्न नहीं, बल्कि 'कैसा पानी है' का भी प्रश्न है।

शहरी भारत में भी स्थिति कम चिंताजनक नहीं है। तेजी से बढ़ते शहरों ने अपने स्थानीय जलस्रोतों जैसे तालाबों, झीलों, नालों और जलग्रहण क्षेत्रों को या तो पाट दिया है या उपेक्षित छोड़ दिया है। नतीजा यह हुआ कि शहर अब दूरदराज के स्रोतों, गहरे बोरवेल और टैंकरों पर निर्भर होते गए। यह व्यवस्था महंगी है और असमान भी। धनाढ्य इलाके में लोग पानी खरीद लेते हैं, लेकिन गरीब बस्तियां अनिश्चित आपूर्ति पर निर्भर रहती हैं। शहरों में सीवर और औद्योगिक अपशिष्ट का पर्याप्त शोधन न होने के कारण सतही जल स्रोत और भूजल दोनों प्रभावित होते हैं। यानी शहर अपने लिए पानी खींचते भी हैं और उसे प्रदूषित भी करते हैं। यह दोहरा दबाव भविष्य की शहरी जल सुरक्षा को और अधिक नाजुक बनाता है।

ग्रामीण भारत में तस्वीर अलग होते हुए भी उतनी ही गंभीर है। पिछले कुछ वर्षों में जल जीवन मिशन ने ग्रामीण पेयजल आपूर्ति के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। जनवरी 2026 के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, मिशन के तहत 81.57 फीसद से अधिक ग्रामीण परिवारों को नल से जल दिया जा चुका है। यह उपलब्धि छोटी नहीं है। वर्ष 2019 में जहां केवल सीमित हिस्से तक नल-जल पहुंचा था, वहीं अब स्थिति काफी बदली है। मगर चुनौती यहीं समाप्त नहीं होती। पाइप के जरिए पानी देना एक बात है, नियमित, पर्याप्त और सुरक्षित जल आपूर्ति सुनिश्चित करना दूसरी बात है। कार्यक्षमता आकलन रपट भी इस बात की ओर संकेत करती है कि 'कनेक्शन' और 'भरोसेमंद सेवा' में फर्क है।

यही वह बिंदु है जहां समाज की भूमिका बहुत अहम हो जाती है। भारत में पानी को अब भी असीमित संसाधन की तरह बरतने की प्रवृत्ति व्यापक है। घरों में अपव्यय, कालोनियों में वर्षाजल संचयन की उपेक्षा, भूजल के अनियंत्रित दोहन और स्थानीय जलस्रोतों के प्रति उदासीनता ये सब मिल कर संकट को गहरा करते हैं। दूसरी ओर, यही समाज समाधान का आधार भी बन सकता है। जहां पंचायतें, मोहल्ले, किसान समूह, स्वयंसेवी संस्थाएं और स्थानीय प्रशासन मिल कर जलस्रोतों के पुनर्जीवन, तालाबों की मरम्मत और फसलों के विविधीकरण जैसे उपाय करते हैं, वहां परिणाम अधिक टिकाऊ दिखते हैं। नीतियां तभी सफल होती हैं, जब समाज उसे अपना कार्यक्रम समझे, केवल सरकारी योजना नहीं। हाल के वर्षों में जल बजट पर भी जोर बढ़ा है, जो इस दिशा में उपयोगी कदम हो सकते हैं।

पानी का संकट दुनिया भर में गहराता जा रहा है। भारत भी इससे अछूता नहीं है। आधिकारिक रिपोर्ट के मुताबिक पृथ्वी पर कुल उपलब्ध पानी का 97.5 फीसदी हिस्सा समुद्री है, बाकी 2.5 फीसदी हिस्सा मीठा जल है, लेकिन इसका भी काफी मात्रा प्रदूषित है, जो पीने योग्य नहीं है। एक अनुमान के अनुसार कुल जल का केवल एक फीसदी हिस्सा ही पीने योग्य है, जो दुनिया की आबादी के लिहाज से बहुत कम है। ऐसे में जल संकट भयावह होता जा रहा है। भारत सरकार का जल शक्ति मंत्रालय, जल प्रबंधन और संरक्षण खास तौर पर वर्षा जल संरक्षण के लिए कदम उठा रहा है, और इस दिशा में कई तरह के प्रयास किए जा रहे हैं, लेकिन अब भी परिणाम अपेक्षा के अनुरूप नहीं है। जल शक्ति मंत्रालय को लोगों को पेयजल उपलब्ध कराने सहित पानी के दूसरे मुद्दों से निपटने की जिम्मेदारी दी गई है। इसके लिए विभाग ने कई महत्वाकांक्षी योजनाएं बनाई है, इसमें सबसे प्रमुख 2024 तक भारत के हर घर में पाइप से पानी के कनेक्शन उपलब्ध कराने की योजना है।

शॉर्ट सर्किट से चार परिवारों के आधा दर्जन घर जले

घनी आबादी के बीच हादसा, ग्रामीणों ने बिजली विभाग की लापरवाही पर उठाए सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारसोई (कटिहार)। नगर पंचायत बारसोई के वार्ड नंबर 01 में बिजली के शॉर्ट सर्किट से चार परिवार के आधा दर्जन घर जले।भीषण आग लगी। घनी आबादी के बीच अचानक उठी आग की लपटों से पूरे इलाके में अफरा-तफरी मच गई प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बिजली के तारों में शॉर्ट सर्किट होने के बाद अचानक आग भड़क उठी।

देखते ही देखते लपटें तेज हो गईं और आसपास के घरों को अपनी चपेट में ले लिया। आग लगते ही इलाके में चीख-पुकार मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे।स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए खुद ही आग बुझाने की कोशिश शुरू की। लेकिन आग की भयावहता के कारण उस पर काबू पाना मुश्किल हो रहा था। इसी बीच घटना की सूचना बारसोई थाना और दमकल विभाग को दी गई।सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया।इस अग्निकांड में चार घर पूरी तरह जलकर राख हो गए। बताया जा रहा है कि इन घरों में भारी मात्रा में जलावन रखा हुआ था, जिससे आग तेजी से फैल गई। हालांकि गनीमत रही कि समय रहते दमकल की टीम पहुंच गई।

जिससे किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।घटना के बाद स्थानीय ग्रामीणों में बिजली विभाग के खिलाफ भारी आक्रोश देखा जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि घनी आबादी के बीच से गुजर रहे खुले और जर्जर बिजली के तार लंबे समय से खतरा बने हुए हैं।ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने कई बार विभाग को शिकायत कर इन तारों को हटाने और केबल वायर लगाने की मांग की थी। लेकिन उनकी बातों को अनसुना कर दिया गया। उनका कहना है कि विभाग की इसी लापरवाही के कारण आज यह हादसा हुआ है। फिलहाल आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है, लेकिन इस घटना ने बिजली विभाग की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस संबंध में प्रखंड विकास पदाधिकारी चंदन प्रसाद एव नगर कार्यपालक पदाधिकारी रजनीश कुमार ने कहा कि अग्निकांड का आकलन किया जा रहा है। जांचके उपरांत अग्निकांड से पीड़ित लोगोंको मुआवजा राशि दी जाएगी।

पंचायत स्तर पर पेंशनधारियों के शत-प्रतिशत जीवन प्रमाणीकरण के लिए शिविर कल से : अमरेश

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिला पदाधिकारी पूर्णिया के निदेशानुसार जिले में लंबित कुल 1,37,043 पेंशनधारियों का शत-प्रतिशत जीवन प्रमाणीकरण सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से 8 से 17 अप्रैल 2026 तक पंचायत स्तर पर विशेष शिविरों का आयोजन किया जाएगा। यह अभियान सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के अंतर्गत लाभान्वित पेंशनधारियों की पहचान एवं उनकी पात्रता की निरंतरता सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। इन शिविरों के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि कोई भी पात्र लाभार्थी जीवन प्रमाणीकरण से वंचित न रह जाए तथा उन्हें समय पर पेंशन का लाभ मिलता रहे।उक्त विशेष शिविरों में कॉमन सर्विस सेंटर के वीएलई के द्वारा पेंशनधारियों का जीवन प्रमाणीकरण किया जाएगा।

सभी पंचायतों में निर्धारित स्थानों पर शिविर आयोजित किए जाएंगे, जहां पेंशनधारी उपस्थित होकर अपना जीवन प्रमाणीकरण करवा सकेंगे। इस कार्य को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए संबंधित पंचायतों के पंचायत सचिव, वार्ड सदस्य, विकास मित्र एवं अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधियों को पेंशनधारियों को शिविर स्थल तक लाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। इन सभी की सक्रिय भागीदारी से अभियान को गति प्रदान की जाएगी। शिविरों के संचालन, पर्यवेक्षण एवं अनुश्रवण की जिम्मेदारी संबंधित प्रखंडों के प्रखंड

विकास पदाधिकारी को दी गई है। वे अपने स्तर से यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी व्यवस्थाएं सुचारू रूप से संचालित हों तथा किसी प्रकार की असुविधा पेंशनधारियों को न हो।

साथ ही, प्रत्येक शिविर स्थल पर आवश्यक संसाधनों एवं तकनीकी सुविधाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित की जाएगी, जिससे जीवन प्रमाणीकरण की प्रक्रिया सरल एवं त्वरित रूप से पूरी हो सके। इस विशेष अभियान के दौरान जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग पूर्णिया के सहायक निदेशक अमरेश कुमार द्वारा विभिन्न शिविरों का भ्रमण किया जाएगा तथा जीवन प्रमाणीकरण कार्य का अनुश्रवण किया जाएगा। उनके द्वारा मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। जिससे कार्य की गुणवत्ता एवं पारदर्शिता बनी रहे। इसके अतिरिक्त जिला प्रबंधक सीएससी द्वारा प्रतिनियुक्त वीएलई के कार्यों का सतत पर्यवेक्षण किया जाएगा। ताकि प्रत्येक पेंशनधारी का जीवन प्रमाणीकरण समयबद्ध तरीके से पूर्ण हो सके।

संक्षिप्त समाचार

10 हजार के इनामी एवं वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

कटिहार (नबिटासं)। जिला पुलिस ने ईनामी वांछित को गिरफ्तार किया है। पुलिस पदाधिकारी ने बताया कि वादी मो. शकील (40) पिता मो. सिद्दीक उर्फ कुद्दुस माधेपुर थाना तेलता, जिला कटिहार निवासी ने अपने लिखित आवेदन में बताया कि दिनांक 09.12.25 को समय लगभग 7.40 बजे शाम में मो. वसीम अपने एक साथी के साथ मोटरसाइकिल से मेरे दरवाजे पर आया। मो. वसीम के साथी ने मुझे जान से मारने की नीयत से फायरिंग की। जिससे मैं बाल-बाल बच गया। शोर होने पर घर के लोग आ गए और हमलोगों ने मो. वसीम को मोटरसाइकिल सहित पकड़ लिया। जबकि उसका साथी अंधेरे का लाभ उठाकर भाग गया। घटना की सूचना पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस आकर अभियुक्त को अपने कब्जे में ले ली। जिस संदर्भ में तेलता थाना कांड संख्या-63/25, दिनांक-09.12.2025, धारा-109/351(2)/3(5) भारतीय न्याय संहिता एवं 27 आर्म्स एक्ट के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज की गई। उक्त कांड की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक कटिहार के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी बारसोई के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया। गठित टीम छापेमारी कर दिनांक-06.04.2026 को अभियुक्त के घर पर छापेमारी कर अभियुक्त मो. सलाम पिता मो. सरफुद्दीन साकिन नन्दियार पेलापुर थाना बलिया बेलौन जिला कटिहार को विधिवत गिरफ्तार किया गया।

कृषि विज्ञान केन्द्रों में वार्षिक कार्ययोजना 2026 का आयोजन

कटिहार (नबिटासं)। कृषि विज्ञान केन्द्र में बिहार सबौर कृषि विश्वविद्यालय के अधीन आनेवाले 22 कृषि विज्ञान केंदों के वार्षिक कार्य योजना वर्ष 2026 की कार्यशाला का उद्घाटन बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर भागलपुर के निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ एस.के.पाठक,अटारी पटना के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. डीवी सिंह एवं कृषि विज्ञान केन्द्र कटिहार के वरीय

वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ मृणाल वर्मा ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर अपने संबोधन में निदेशक प्रसार शिक्षा डॉ एसके पाठक ने किसानों की आय बढ़ाने हेतु बिहार कृषि विश्विद्यालय एवं भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने पर जोड़ दिया। अटारी पटना के प्रधान वैज्ञानिक डॉ. डीवी सिंह ने किसानों की आजीविका में सुधार हेतु कृषि विज्ञान केंद्र में आयोजित होने वाले विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम, अग्रिम पंक्ति प्रत्यक्षण ,कृषकों के प्रक्षेत्र पर परीक्षण अन्य प्रसार कार्यक्रम की गुणवत्ता में सुधार हेतु अपने सुझाव दिए। वरीय वैज्ञानिक सह प्रधान डॉ. मृणाल वर्मा ने इस कार्यशाला में भाग ले रहे सभी अतिथियों का स्वागत संबोधन किया। उन्होंने कटिहार जिले में उत्पादित होने वाली प्रमुख फसलों मखाना, मक्का के संबंध में जानकारी दी। इस कार्यशाला में स्वीकृत कार्ययोजना के अनुसार ही सभी कृषि विज्ञान केन्द्र वर्ष 2026 में अपनी गतिविधियों को संचालित करेंगे। कार्यशाला के पहले दिन कुल 12 कृषि विज्ञान केंद्रों ने अपनी कार्ययोजना की प्रस्तुति दी। कार्यशाला में मंच संचालन कृषि वैज्ञानिक पंकज कुमार ने किया।

महंगाई से कराह रही जनता, सरकार प्रचार में व्यस्त : तारिक अनवर

कटिहार (नबिटासं)। सांसद तारिक अनवर ने सोमवार को कदवा और आजमनगर प्रखंड के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर स्थानीय लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को सुना। इस दौरान ग्रामीणों ने सड़क, नाला, पुल और सामुदायिक भवन निर्माण सहित कई बुनियादी सुविधाओं की मांग सांसद के समक्ष रखी।सांसद ने सभी समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए संबंधित विभागों से समन्वय कर जल्द समाधान का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा और प्राथमिकता के आधार पर जरूरी कार्यों को आगे बढ़ाया जाएगा। दौरे के दौरान पत्रकारों से बातचीत में सांसद तारीक अनवर ने बढ़ती महंगाई को लेकर केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि देश और बिहार में महंगाई चरम पर है, जिससे आम जनता पर भारी बोझ पड़ रहा है।उन्होंने आरोप लगाया कि एक ओर जनता महंगाई से जूझ रही है, वहीं

केंद्र सरकार चुनावी प्रचार में व्यस्त है। उन्होंने कहा कि कभी नोटबंदी के दौरान लोगों को लंबी कतारों में खड़ा होना पड़ा, तो कभी ऑक्सीजन और अब एलपीजी गैस सिलेंडर के लिए भी जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।सांसद ने कहा कि सरकार लोगों को दिग्भ्रमित करने का काम कर रही है, लेकिन अब जनता धीरे-धीरे जागरूक हो रही है और आने वाले समय में इसका जवाब देगी।दौरे के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौजूद रहे और अपनी समस्याओं को लेकर सांसद से उम्मीद जताई। मौके पर कटिहार कांग्रेस के अध्यक्ष सुनील कुमार यादव के साथ-साथप्रखण्ड अध्यक मो. अंसार काजमी,मो. असलम, मुखिया अख़्तर हुसैन, पूर्व मुखिया अंजाम आलम, मिनाज आलम,सदावर आलम,दीपक राय, ईमाम जाफर, मुखिया रागिब सजग,समशेर आलम,मो. सालिम,मो. हेलाल सहित कई कांग्रेस नेता एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

मरंगी टोला में अगलगी से चार घर राख, लाखों की संपत्ति स्वाहा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरारी (कटिहार)। बरारी थाना क्षेत्र के जगदीशपुर पंचायत के वार्ड संख्या 11 स्थित मरंगी टोला में सोमवार को अचानक लगी आग ने चार परिवारों को बेघर कर दिया। इस भीषण अगलगी में मो. साबीर,अब्दुल रकीब,मो. सकीम और मो. तौफीक आलम के घर जलकर पूरी तरह नष्ट हो गए। घटना में लाखों रुपये के नुकसान का अनुमान है। जानकारी के अनुसार मो. साबीर के घर में लकड़ी के चूल्हे पर खाना बनाते समय आग भड़क उठी।

तेज हवा के कारण आग तेजी से फैल गई और देखते ही देखते आसपास के घरों को अपनी चपेट में ले लिया। कुछ ही देर में चारों घर

जलकर राख हो गए। आग लगते ही पूरे इलाके में अफरातफरी मच गई। घटना की सूचना पर बरारी थाना पुलिस और अग्निशमन टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से काफी प्रयास के बाद आग पर काबू पाया गया। लेकिन तब तक घरों में रखा अनाज,कपड़ा, फर्नीचर,जरूरी कागजात और नकदी जल चुकी थी। पीड़ितों के अनुसार मो. साबीर के करीब 3.30 लाख, अब्दुल रकीब के 1.80 लाख, मो. सकीम के 1 लाख और मो. तौफीक आलम के 30 हजार रुपये आग में जल गए। सूचना मिलते ही मुखिया प्रतिनिधि मो.मंजूर आलम, जिला परिषद सदस्य प्रतिनिधि शारिब खान,वार्ड सदस्य धर्मेंद्र कुमार शर्मा मौके पर पहुंचे और पीड़ितों को सांत्वना दी।

पंचायत सचिव नीतीश कुमार ने भी नुकसान का जायजा लेकर मुआवजे की प्रक्रिया जल्द शुरू कराने का आश्वासन दिया।घटना के बाद सभी प्रभावित परिवार खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से तत्काल राहत सामग्री उपलब्ध कराने की मांग की है।

जिले में 24170 सिलेंडर उपलब्ध, घरेलू गैस की नहीं है कमी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। जिले में 14170 घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर उपलब्ध है। 4 अप्रैल को 6386 बुकिंग के विरुद्ध उपभोक्ताओं को 6239 उपलब्ध कराया गया है।उक्त जानकारी प्रेस वार्ता में जिला आपूर्ति पदाधिकारी सुशील कुमार ने दी है।

उन्होंने बताया कि जिले में खपत के अनुसार उपभॅक्ताओं के बीच सामान्य ढंग से सिलेथडर उपलब्ध कराया जा रहा है।04 मार्च रविवार को 5720 सिलेंडरों की आपूर्ति की जाएगी।डीएसओ ने बताया कि गैस की कालाबजारी एवं जमाखोरी रोकने के साथ उपभोक्ताओं को सहजता सै गैस उपलब्ध कराने को लेकर जिला प्रशासन हर संभव उपाय कर रहा है।

फलका हिंसा मामला में पुलिस की ताबड़तोड़ छापेमारी

तीन और आरोपी गिरफ्तार कर भेजे गए जेल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फलका (कटिहार)। थाना क्षेत्र में पुलिस अभिरक्षा के दौरान बाइक लूट कांड के संदिग्ध राकेश कुमार यादव (24) की मौत के बाद भड़की हिंसा को लेकर प्रशासन एक्शन मोड में है।घटना के तीसरे दिन भी पुलिस और प्रशासन का कड़ा रुख बरकरार रहा।सोमवार को पुलिस ने विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी कर हिंसा व बवाल में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर कागजी कार्रवाई के बाद न्यायिक हिरासत में भेज दिया है।

इस मामले में अब तक कुल आठ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा चुका है। शनिवार को हुई इस घटना के बाद से ही क्षेत्र में तनाव व्याप्त है। पुलिस द्वारा उपद्रवियों की पहचान के लिए लगातार की जा रही छापेमारी के कारण स्थानीय लोगों में भारी डर और अफरा-तफरी का माहौल देखा जा रहा है। कई युवक और संदिग्ध कार्रवाई के डर से घर छोड़कर फरार बताए जा रहे हैं। बीते शनिवार को पुलिस ने बाइक लूट के मामले में राकेश यादव को हिरासत में लिया था।हिरासत के दौरान उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी।जिसके बाद

परिजनों और ग्रामीणों ने पुलिस पर पिटाई का आरोप लगाते हुए थाने पर हमला बोल दिया था। इस दौरान जमकर रोड़ेबाजी, आगजनी और तोड़फोड़ हुई थी, जिसे नियंत्रित करने के लिए प्रशासन को काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। मामले में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर-टू रंजन कुमार सिंह ने बताया कि घटना के तीसरे दिन तीन आरोपी सूरज यादव,नीरज यादव दोनों लीला थाना भवानीपुर जिला पूर्णिया एवं प्रकाश कुमार यादव गोपालपट्टी निवासी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। इस मामले में अबतक कुल आठ आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है,अन्य की गिरफ्तारी हेतु छापेमारी की जा रही है। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि कानून हाथ में लेने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। सीसीटीवी फुटेज और वीडियो साक्ष्यों के आधार पर अन्य उपद्रवियों की पहचान की जा रही है।पुलिस पदाधिकारियों ने शांति बनाए रखने की अपील किया है। हालांकि भारी पुलिस बल की तैनाती के कारण पूरा इलाका छावनी में तब्दील नजर आ रहा है।

गैस सिलेंडर के लिए भारत गैस कार्यालय में लगी भीड़

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आजमनगर (कटिहार)। स्थानीय बाजार स्थित बुद्ध हाट के निकट कलावती गैस एजेंसी के प्रांगण में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। प्रखंड क्षेत्र के लोग गैस सिलेंडर लेने के लिए कलावती गैस एजेंसी के प्रांगण में लाइन में खड़े हो गए। भीड़ को देखते हुए एजेंसी के लोग काफी परेशान हो गए।

गैस एजेंसी के प्रबंधक संजय कुमार दास से पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि एजेंसी में गैस सिलेंडर पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। परंतु अफवाह की वजह से लोगों की भीड़ जुट गई है। भीड़ जुट जाने से एजेंसी के लोगों को काफी

परेशानी हो रही है। प्रखंड क्षेत्र में अफवाहों का बाजार गरम है। गैस सिलेंडर लेने पहुंचे लोगों का कहना था कि कुछ दिन के बाद गैस सिलेंडर मिले अथवा ना मिले स्थिति काफी बद से बदतर होने की संभावना को देखते हुए आवश्यकता के अनुसार गैस सिलेंडर लेने के लिए लाइन में खड़े हैं। अगर पर्याप्त मात्रा में गैस सिलेंडर उपलब्ध है तो लोग लाइन में घंटों खड़े होकर गैस सिलेंडर लेने का इंतजार क्यों करते हैं। इस सवाल का जवाब देने के लिए कोई तैयार नहीं है।

पुलिस अभिरक्षा में मौत के बाद फलका में उपद्रव को लेकर तीन प्राथमिकी दर्ज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फलका (कटिहार)। शनिवार को फलका थाना क्षेत्र में पुलिस अभिरक्षा के दौरान बाइक लूट कांड के संदिग्ध राकेश कुमार यादव की मौत के बाद भड़की हिंसा और बवाल के मामले में पुलिस ने सख्त रुख अख्तियार कर लिया है। फलका मुख्य चौक और थाना परिसर में हुए उपद्रव,पुलिसकर्मियों के साथ मारपीट और राइफल छीनने की कोशिश की घटनाओं को लेकर पुलिस ने कुल तीन अलग - अलग प्राथमिकी दर्ज की है।वहीं पुलिस ने सरकारी हथियार छिनने व थाना परिसर में उपद्रव करने की घटना का मुख्य आरोपी सहित कुल आठ लोगों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। फलका चौक पर बवाल पर पहली प्राथमिकी फलका मुख्य चौक पर सड़क जाम और उपद्रव करने के आरोप में दर्ज की गई है।जिसमें 14 नामजदे और लगभगे 300 अज्ञाते लोगों को आरोपी बनाया गया है। दूसरी प्राथमिकी थाना परिसर में घुसकर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के मामले में दर्ज की गई है।इसमें 6 नामजदे और 100 अज्ञाते लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है।

पार्टी कार्यकर्ता सेवा, समर्पण और सुशासन के मूल्यों को करें आत्मसात : भाजपा

देश एवं समाज के विकास में दिया जा रहा महत्वपूर्ण योगदान : मनोज राय

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। विश्व की सबसे बड़ी लोकतांत्रिक पार्टी भारतीय जनता पार्टी के 47 वां स्थापना दिवस के अवसर पर पार्टी के जिला कार्यालय में जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में जिला कार्यालय में बड़ी धूमधाम की स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर खगड़िया के पूर्व सांसद अनिल यादव मुख्य रूप से शामिल रहे। पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तेल चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं वंदे मातरम के साथ स्थापना दिवस के अवसर पर सगोष्ठी कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर मंच पर उपस्थित पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, प्राणपुर विधायक निशा सिंह, कोढ़ा विधायक कविता पासवान, पूर्व सांसद निखिल कुमार चौधरी, पूर्व विधान पार्षद राजवंशी सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष चंद्रभूषण ठाकुर, लक्खी प्रसाद महतो, जिला परिषद अध्यक्ष रश्मि सिंह, जिला महामंत्री रामनाथ पांडे, सौरभ कुमार मालाकार शामिल हुए।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष मनोज राय में उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा की यह दिवस हमें राष्ट्र प्रथम की भावना, सेवा, समर्पण और संगठन की शक्ति की याद दिलाता है। वर्षो से पार्टी ने देशहित में जो कार्य किए हैं, वे हम सभी के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं। उन्होंने कहा कि हम सभी मिलकर राष्ट्र निर्माण के इस संकल्प को और सशक्त बनाएं। इस अवसर पर मंचासीन सभी वक्ताओं ने अपने-अपने संबोधन में विश्व के सबसे बड़े राजनीतिक संगठन,भारतीय जनता पार्टी के स्थापना दिवस के अवसर पर सभी समर्पित और कर्मठ कार्यकताओं को बधाई देते हुए कहा कि 1980 में अपनी स्थापना से लेकर आज दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी बनने तक का यह गौरवशाली सफर,असंख्य कार्यकताओं के त्याग,तपस्या और बलिदान की अमर गाथा है। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय' के स्वप्न को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में आज धरातल पर साकार होते देखना हर भारतवासी के लिए गर्व का विषय है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्र प्रथम की भावना के साथ सेवा, समर्पण और सुशासन के मूल्यों को आत्मसात कर देश एवं समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। यही संगठन की वास्तविक शक्ति है। जो निरंतर भारत को प्रगति और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ा रही है। स्थापना दिवस के अवसर पर कार्यक्रम में जिला के उपाध्यक्ष प्रेम प्रकाश चौधरी, शोभा जयसवाल, आलोक मंडल, पप्पू गुप्ता, सीमा झा, बबन झा, जिला मंत्री मंजू चंद्रवंशी, धर्मनाथ तिवारी, सविता शर्मा, छाया तिवारी, रीना झा, रंजना झा, रवि साह, भास्कर सिंह, विकास सिंह, विजय सिंह, महेंद्र झा, पिंटू भगत, अजय दास, नगर अध्यक्ष उमेश पासवान, राजेश शर्मा, जोक्सन यादव सहित विधानसभा प्रभारी विधानसभा संयोजक मंडल प्रभारी सभी मोर्चा के बड़ी संख्या में कार्यकर्ता शामिल रहे।

टाटा मोटर्स, अडानी पावर समेत 6 शेयरों में बड़ी हलचल की उम्मीद

नईदिल्ली, एजेंसी। आज 6 प्रमुख कंपनियों के शेयरों पर आज शेयर मार्केट की नजर रहेगी। इनमें विप्रो, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स, इमामी, जे कुमार इंफ्राप्रोजेक्ट्स, रेल विकास निगम लिमिटेड और अडानी पावर शामिल हैं। कंपनियों के बारे में बड़े अपडेट्स हैं, जो निवेशकों का ध्यान अपनी ओर खींचने पर मजबूर कर देंगे। विप्रो लिमिटेड के शेयरों पर सोमवार, 6 अप्रैल को विशेष ध्यान रहेगा, क्योंकि कंपनी ने ओलाम ग्रुप के साथ एक लंबी अवधि का ट्रांसफॉर्मेशन डील हासिल की है। यह आठ साल का समझौता कुल कॉन्ट्रैक्ट वैल्यू में 1 अरब डॉलर को पार करने की उम्मीद है, जिसमें 800 मिलियन डॉलर का निर्धारित व्यय शामिल है। पिछले सत्र में विप्रो के शेयर 1.89 प्रतिशत की बढ़त के साथ 194.80 रुपये पर बंद हुए, हालांकि इस साल अब तक यह स्टॉक 27 प्रतिशत से अधिक लुढ़क चुका है। विप्रो के शेयर अपने पांच सप्ताह के हाई 273.1 रुपये (जो पिछले साल 22 दिसंबर को बना था) से अब तक 30 प्रतिशत तक गिर चुके हैं।

जे कुमार इंफ्राप्रोजेक्ट्स : लखनऊ में 1,184 करोड़ का कॉन्ट्रैक्ट मिला : कंपनी को लखनऊ (उत्तर प्रदेश) के वृंदावन योजना में 10,000 लोगों की क्षमता वाला अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन केंद्र बनाने के लिए 1,184 करोड़ रुपये का ईपीसी (इंजीनियरिंग, प्रोक्योरमेंट एंड कंस्ट्रक्शन) कॉन्ट्रैक्ट मिला है।

रेल विकास निगम लिमिटेड : दक्षिण मध्य रेलवे से 242.5 करोड़ का लोआ मिला : कंपनी को दक्षिण मध्य रेलवे से 242.5 करोड़ रुपये का लेटर ऑफ अवार्ड मिला है। (विजयवाड़ा डिवीजन) में फीडिंग सिस्टम में अपग्रेडेशन के लिए है। कंपनी को महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी से 25 साल के लिए 2,500 मेगावाट रिन्यूएबल एनर्जी राउंड-द-क्लॉक बिजली की सप्लाई का लेटर ऑफ अवार्ड मिला है।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के शेयर की कीमत पर आज निवेशकों की निगाहें टिकी रहेंगी। ऑटो दिग्गज की ब्रिटिश लग्जरी कार सब्सिडियरी जगुआर लैंड रोवर द्वारा जारी वित्त वर्ष 2026 की चौथी तिमाही और 31 मार्च 2026 को समाप्त पूरे वित्त वर्ष के थोक और रिटेल सेल के आंकड़े हैं। पिछले वर्ष की तुलना में चौथी तिमाही में यूरोप को छोड़कर सभी बाजारों में थोक बिक्री घटी है। यूरोप में 4.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। अन्य बाजारों में यूके में 23.1 प्रतिशत, उत्तरी अमेरिका में 19.0 प्रतिशत, चीन में 29.8 प्रतिशत, ओवरसीज (अन्य विदेशी बाजार) में 7.9 प्रतिशत और मेना क्षेत्र में 2.4 प्रतिशत की गिरावट आई है। इमामी ने एक्सियम आयुर्वेद में बची हुई 73.5 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए डील कर लिया है। पहले चरण में इमामी ने 36.7 प्रतिशत की अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदी (पहले से कंपनी के पास लगभग 26.5 प्रतिशत हिस्सेदारी थी)। यह अधिग्रहण अगले तीन महीनों में चरणबद्ध तरीके से पूरा होगा।

मई से कितना बैरल तेल प्रतिदिन प्रोडॅक्शन

युद्ध के बीच ओपीईसी ने खोल दिया तेल टैंकरों का मुंह, मई से रोज 2 लाख बैरल क्रूड ऑयल

नई दिल्ली, एजेंसी। मिडिल ईस्ट युद्ध के बीच तेल निर्यातक देशों के संगठन प्लस के देशों ने अपना तेल प्रोडॅक्शन का कोटा हटा दिया है। ओपीईसी ने यह फैसला लिया है। ईरान की ओर से होर्मुज स्ट्रेट को बंद करने के बाद से ओपेक ने लगातार दूसरे महीने यह कदम उठाया है। होर्मुज की वजह से भारत समेत पूरी दुनिया का एनर्जी मार्केट प्रभावित हुआ है।

ओपीईसी के आठ सदस्य वालंटरी एट या वी8 ब्लॉक कहा जाता है। इसमें सऊदी अरब और रूस भी शामिल हैं। इन आठों सदस्यों ने मई में 206,000 बैरल प्रतिदिन कच्चे तेल का उत्पादन बढ़ाने पर वोट किया। इसका मकसद बीते महीने तेल के दामों में हुई बढ़ोतरी में कमी लाना है।

ओपेक का यह फैसला तब आया है, जिसमें एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर को तबाह करने की सीधी चेतावनी दी गई है। दरअसल, अगर ये एनर्जी इन्फ्रास्ट्रक्चर नष्ट होते हैं तो इनकी मरम्मत में बहुत लंबा समय लगेगा और इसकी लागत भी काफी आएगी। मीडिया रिपोर्टों में कहा गया है कि अगर जहाजी रास्तों पर हमले ज्यादा होते हैं तो इससे मार्केट में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है और कच्चे तेल की कीमतों को काबू करना बहुत मुश्किल हो जाएगा। जिनकी एनर्जी ढांचे पर ईरान ने हमले किए हैं। वहीं, एक ओर मोर्चे पर यूक्रेन ने

रूसी तेल ढांचे पर हमले करना जारी रखा है। रूस ओपेक प्लस का सबसे बड़ा सदस्य है। वी8 के सदस्यों ने होर्मुज की बाधा के बाद अपने तेल टैंकरों के रास्ते बदल दिए हैं। वो वैकल्पिक रूटों की व्यवस्था कर रहे हैं, ताकि खतरे कम से कम हों। वी8 के सदस्य कुवैत, कजाकिस्तान, अल्जीरिया और ओमान लगातार तेल का निर्यात बढ़ा रहे हैं। भारत पर ओपेक देशों का सबसे ज्यादा प्रभाव ओपेक प्लस देशों से भारत करीब 85 फीसदी कच्चे तेल का आयात करता है। इससे भारत को अपने देश में तेल की कीमतों को स्थिर रखने और महंगाई पर लगाम लगाने में मदद मिलती है।

फारस की खाड़ी में अस्थिरता के चलते ओपेक का यह फैसला

रिपोर्टों के अनुसार, ओपेक का यह फैसला फारस की खाड़ी में भारी अस्थिरता की वजह से आया है। ईरान ने होर्मुज स्ट्रेट से तेल टैंकरों के गुजरने पर पाबंदी लगा दी है। ईरान ने कहा है कि अगर उसकी मंजूरी के बिना तेल टैंकर होर्मुज से गुजरते हैं तो उस पर हमले हो सकते हैं। युद्ध से पहले होर्मुज हर दिन पूरी दुनिया के करीब 20 फीसदी तेल और लिक्विफॉयड नेचुरल गैस सप्लाई के लिए अहम रास्ता था। होर्मुज के बाधित होने से खाड़ी के देशों से तेल का निर्यात बेहद कम हो गया है। ओपेक के कई सदस्य देश खाड़ी देशों से हैं। ऐसे में यह भी संदेह पैदा हो रहा है कि क्या ये देश ओपेके के फैसलों के तहत अपना ऑयल प्रोडॅक्शन बढ़ाएंगे? क्योंकि ये देश युद्ध संकट से जूझ रहे हैं और कई ने अपनी तेल सप्लाई भी सीमित कर दी है। ओपीईसी+ ने बयान जारी कर कहा है कि एनर्जी का निर्बाध प्रवाह बनाए रखने के लिए अंतरराष्ट्रीय समुद्री रास्तों की सुरक्षा बेहद महत्वपूर्ण है। ओपेक ने चेतावनी दी है कि तेल ढांचे पर हमले हुए तो मार्केट हिचकोले खाने लगेगा। रिपोर्टों के अनुसार, अमेरिका और इजरायल ने 28 फरवरी से ईरान के खिलाफ हमले करने शुरू किए हैं। ईरान ने भी अमेरिका और उसके सहयोगियों के खिलाफ ताबड़तोड़ हमले कर रहा है। वह क्षेत्र के देशों के एनर्जी फैसिलिटीज पर हमले कर रहा है। इनमें ओपेक के सदस्य भी हैं। सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात दोनों वी8 के सदस्य हैं।

सोने के हर गहने को अब मिलेगी अलग पहचान संख्या, हॉलमार्किंग को और सख्त करने जा रही सरकार

नईदिल्ली, एजेंसी। सोने की शुद्धता में गड़बड़ी और हॉलमार्क के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए सरकार हॉलमार्किंग व्यवस्था को और सख्त करने की तैयारी कर रही है। नए प्रस्तावित नियमों के तहत अब हर सोने के गहने को एक अलग पहचान संख्या दी जाएगी, जो केवल उसी गहने के लिए होगी और दोबारा किसी दूसरे गहने पर इस्तेमाल नहीं की जा सकेगी। इससे ग्राहकों को असली और सही शुद्धता वाला सोना मिलने में मदद मिलेगी। फिलहाल देश के 400 जिलों में हॉलमार्क यूनिक आईडी सिस्टम लागू है, जिसमें हर गहने को एक विशेष नंबर दिया जाता है। लेकिन सरकार को शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ मामलों में एक ही नंबर कई गहनों पर इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे ग्राहक को जिस शुद्धता का सोना बताया जाता है, जांच में कई बार उतना शुद्ध नहीं पाया गया। इस तरह के कई मामले सामने आ चुके हैं। यह ग्राहकों के साथ धोखाधड़ी मानी जाती है। इसी समस्या को रोकने के लिए सरकार अब नई और सख्त व्यवस्था लागू करने जा रही है।

25 जिलों में सफल परीक्षण: सरकार ने इस नई व्यवस्था का परीक्षण पहले 25 जिलों में किया था। इस दौरान हॉलमार्क वाले हर गहने की फोटो, वजन और अन्य जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज की गई थी। हॉलमार्क जरूर देखें: सोना खरीदते समय हमेशा भारतीय मानक ब्यूरो का हॉलमार्क चेक करें। असली हॉलमार्क पर तिकोना निशान, शुद्धता (जैसे 22च/916) और हॉलमार्किंग सेंटर का कोड साफ लिखा होता है। बिना हॉलमार्क वाला सोना खरीदने से बचें।

एसिड टेस्ट: सोने की सतह पर हल्का सा खरोंच लगाकर उस पर नाइट्रिक एसिड की एक बूंद डालें। अगर रंग हरा हो जाए तो सोना नकली हो सकता है। असली सोने पर कोई असर नहीं पड़ता।

चुंबक टेस्ट: असली सोना चुंबक की ओर आकर्षित नहीं होता। अगर आपका सोना मैग्नेट से चिपकने लगे, तो उसमें मिलावट होने की संभावना है।

पानी में डालकर जांचें: सोना पानी में डालने पर हमेशा डूब जाता है। अगर वह तैरने लगे या ऊपर रहे, तो समझ लें कि सोना शुद्ध नहीं है। सोने की कीमत उसके कैरेट पर निर्भर करती है। 24 कैरेट सबसे शुद्ध होता है, जबकि 22 कैरेट ज्वैलरी के लिए इस्तेमाल होता है। बहुत सस्ता सोना मिलने पर सावधान रहें। यह नकली या कम शुद्धता वाला हो सकता है। हमेशा भरोसेमंद ज्वैलर्स से ही सोना खरीदें। अच्छे शोरूम बिल, हॉलमार्क और अन्य जरूरी प्रमाण देते हैं, जिससे भविष्य में बेचते समय नुकसान नहीं होता। इंडियन बुलिय ज्वैलर्स एसोसिएशन की रिपोर्ट के अनुसार 24 कैरेट गोल्ड का रेट 2 मार्च की सुबह 167471 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर था। 2 अप्रैल 2026 को यह 33178 रुपये की गिरावट के बाद 134293 रुपये के स्तर पर आ गया है। वजह से इंडियन बुलियन ज्वैलर्स एसोसिएशन ने नए रेट नहीं जारी किए थे। 2 मार्च 2026 को चांदी का रेट 289848 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर था। इंडियन बुलियन ज्वैलर्स एसोसिएशन की रिपोर्ट के अनुसार 2 अप्रैल को यह 227813 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया।

सोना की कीमतों 33178 रुपये की बड़ी गिरावट

नईदिल्ली, एजेंसी। सोने और चांदी की कीमतों में आज फिर से गिरावट देखने को मिली है। गोल्ड का रेट बीते एक महीने में 33178 रुपये लुढ़क चुका है। आज सोमवार को सोने का भाव इंटरनेशल मार्केट में 0.30 प्रतिशत कम हो गया है। इस गिरावट के बाद इंटरनेशनल मार्केट 4665.50 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, चांदी की कीमतों में भी आज सोमवार को गिरावट देखने को मिली है। जिसकी वजह से इंटनेशनल मार्केट में Silver का रेट 0.53 प्रतिशत की गिरावट के बाद 72.535 डॉलर प्रति आउंस के स्तर पर आ गया है।

छोटे एलपीजी सिलेंडरों की बिक्री तेज कर दी

सरकार ने बाजार में उतारे लाखों 'छोटकू' एलपीजी सिलेंडर, 14 दिन में 6.6 लाख बिके

नईदिल्ली, एजेंसी। पेट्रोलियम मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा गया है 'कल (4 अप्रैल) पांच किलोग्राम के 90,000 से अधिक एफटीएल सिलेंडर बेचे गए। 23 मार्च 2026 से अब तक करीब 6.6 लाख पांच किलोग्राम एफटीएल सिलेंडर बेचे जा चुके हैं।' सरकार ने बाजार में उतारे लाखों 'छोटकू' एलपीजी सिलेंडर, जानें खरीदने का प्रोसेस, 14 दिन में 6.6 लाख बिके सरकार ने रसोई गैस की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए पांच किलोग्राम वाले छोटे एलपीजी सिलेंडरों की बिक्री तेज कर दी है। पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, 23 मार्च से अब तक ऐसे करीब 6.6 लाख सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। सब्सिडी वाले 14.2 किलोग्राम के घरेलू सिलेंडरों के विपरीत, पांच किलोग्राम के छोटे सिलेंडर, जिन्हें एफटीएल सिलेंडर कहा जाता है, बाजार कीमत पर मिलते हैं और इन्हें नजदीकी गैस एजेंसी से लेने के लिए पते का प्रमाण देना जरूरी नहीं होता। पेट्रोलियम मंत्रालय ने एक बयान में कहा, 'कल (4 अप्रैल) पांच किलोग्राम के 90,000 से अधिक एफटीएल सिलेंडर बेचे गए। 23 मार्च 2026 से अब तक करीब 6.6 लाख पांच किलोग्राम एफटीएल सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। '

घरेलू उपयोग और परिवहन के लिए पूरी आपूर्ति जारी है, जबकि फर्टीलाइजर्स प्लांट के लिए आपूर्ति छह अप्रैल से औसत खपत के करीब 90 प्रतिशत तक बढ़ाई जाएगी, जिसे आने वाले एलएनजी कार्गो का समर्थन मिलेगा।

एलपीजी सिलेंडर की नहीं है कोई कमी

मंत्रालय ने कहा कि एलपीजी वितरकों के पास किसी तरह की कमी की कोई सूचना नहीं है। एक ही दिन में 51 लाख से अधिक घरेलू सिलेंडरों की आपूर्ति की गई और कुल मांग का लगभग 95 प्रतिशत हिस्सा ऑनलाइन बुकिंग के जरिए पूरा हुआ। वहीं, प्रशासन ने जमाखोरी और कालाबाजारी के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है। मार्च से अब तक 50,000 से अधिक सिलेंडर जब्त किए गए हैं, एलपीजी वितरकों को 1,400 से ज्यादा कारण बताओ नोटिस जारी किए गए हैं और अब तक 36 डीलरशिप निलंबित की जा चुकी हैं। मंत्रालय ने यह भी कहा कि कॉमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति को संकट से पहले के स्तर के 70 प्रतिशत तक सीमित किया गया है, जबकि छोटे सिलेंडरों की उपलब्धता बढ़ाई जा रही है ताकि मांग का दबाव कम हो सके।

नायका की नजर दीपिका पादुकोण की कंपनी पर

नईदिल्ली, एजेंसी। नायका के मालिकाना हक वाली कंपनी इस समय दीपिका पादुकोण की प्रीमियम स्कीनकेयर कंपनी 82 में मेजॉरिटी हिस्सेदारी खरीदना चाह रही है। इकनॉमकि टाइम्स की रिपोर्ट के अनुसार कंपनी इस डील को लेकर बातचीत कर रही है। नायका इस दीपिका पादुकोण की कंपनी को अपने साथ जोड़कर अपने स्कीनकेयर पोर्टफोलियो को और मजबूत करना चाह रही है। जिससे इस प्रतिद्वंदी बाजार में उसकी स्थिति और बेहतर हो सके। बीएसई में शेयर 246.50 रुपये के लेवल पर खुले थे। दिन में कंपनी के शेयरों का भाव करीब 4 प्रतिशत की तेजी के साथ 255.50 रुपये के इंट्रा-डे हाई पर पहुंच गया।

नायका और पादुकोण इस समय साथ कर रहे काम- मौजूदा समय में नायका के लिए दीपिका पादुकोण प्रचार करती है। पिछले साल सितंबर में इस कंपनी ने दीपिका पादुकोण को ग्लोबल ब्रांड एम्बेसडर बनाया था। बता दें, डील को लेकर अभी तक कोई भी आधिकारिक ऐलान नहीं किया गया है। 82एइ की शुरुआत दीपिका पादुकोण ने 2022 में की थी। वित्त वर्ष 2025 के दौरान कंपनी का कुल रेवन्यू 14.70 करोड़ रुपये रहा था। जोकि एक वित्त वर्ष पहले की तुलना में 30 प्रतिशत कम है। कंपनी को वित्त वर्ष 2025 के दौरान कुल 12.26 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। वहीं, नायका और कैटरीना कैफ के ज्वाइंट वेंचर में चल रही मेक अप कंपनी का रेवन्यू वित्त वर्ष 2025 में 132.40 करोड़ रुपये रहा था।

जोकि सालाना आधार पर 50 प्रतिशत अधिक है। इस कंपनी में नायका की हिस्सेदारी 51 प्रतिशत है। वहीं, बड़ा हिस्सा कैफ के पास है।

कंपनी में छोटा हिस्सा मैट्रिक्स का भी है।नायका ने अपना बिजनेस अपडेट भी साझा किया है। कंपनी ने मार्च तिमाही के दौरान कुल 26 नए स्टोर खोले हैं। जिसकी वजह से 31 मार्च 2026 तक उनके कुल स्टोर की संख्या 313 हो गई है।

कर्मचारी के निधन पर भी 10 साल तक परिवार को 50% सैलरी देता है गूगल

नई दिल्ली, एजेंसी। आमतौर पर नौकरी सिर्फ कर्मचारी तक सीमित मानी जाती है, लेकिन दुनिया की टॉप टेक कंपनियों में से एक गूगल के लिए कर्मचारी सिर्फ एक रिसोर्स नहीं, बल्कि परिवार का हिस्सा है। कंपनी कर्मचारी की मौत के बाद भी उसके परिवार का ख्याल रखती है और आर्थिक मदद जारी रहती है।

गूगल की पेरेंट अल्फाबेट मार्केट कैप के हिसाब से दुनिया की तीसरी बड़ी कंपनी है। उसके आगे केवल एनवीडिया और ऐपल है। पूरी दुनिया में गूगल के कर्मचारियों की संख्या करीब 190,800 है।

कॉर्पोरेट में मिसाल: कॉर्पोरेट सेक्टर में ऐसी सुविधाएं बहुत कम देखने को मिलती है। इसीलिए गूगल की पॉलिसी चर्चा में रहती है। यह दिखाती है कि कंपनियां चाहें तो अपने कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए एक सुरक्षित माहौल बना सकती है।

10 साल तक सैलरी

गूगल की इस पॉलिसी के तहत अगर किसी कर्मचारी का निधन हो जाता है, तो उसके जीवनसाथी को अगले 10 साल तक उसकी सैलरी का करीब 50त्न दिया जाता है। सबसे खास बात यह है कि इसके लिए लंबे समय तक नौकरी करना जरूरी नहीं है। यह सुविधा कर्मचारी के जॉइन करते ही लागू हो जाती है। कंपनी बच्चों को भी नजरअंदाज नहीं करती। कर्मचारी के हर बच्चे को हर महीने करीब 1000 डॉलर (लगभग 80 हजार रुपये) की आर्थिक मदद दी जाती है। यह सहायता बच्चों की एक तय उम्र तक जारी रहती है, ताकि उनकी पढ़ाई और बाकी जरूरतें प्रभावित न हों। पॉलिसी की खास बात यह है कि कर्मचारी को भविष्य में मिलने वाले कंपनी के शेयर भी तुरंत परिवार के नाम ट्रांसफर कर दिए जाते हैं। इससे परिवार को एकमुश्त बड़ी आर्थिक मदद मिल जाती है और आर्थिक सुरक्षा मजबूत होती है।

भाई-बहन की जोड़ी ने किया कमाल

नई दिल्ली, एजेंसी। आस्तिका नरुला और उनके छोटे भाई शंकर नरुला पंजाब के लुधियाना से हैं। बहन-भाई की इस जोड़ी ने अपने घर के भीतर 'इनडोर एयरोपोनिक्स' तकनीक से केसर उगाकर सबको चौंका दिया है। दिलचस्प यह है कि दोनों का कोई एग्रीकल्चर बैकग्राउंड नहीं है। उन्होंने 'ग्रो ग्रोअर' नाम का एक सफल ब्रांड खड़ा कर दिया है। इस ब्रांड के तहत बहन-भाई ने लुधियाना में कश्मीर जैसा आर्टिफिशियल एनवायरनमेंट तैयार किया। सिर्फ दो सीजन में 26 लाख रुपये की कमाई की। तकनीक और सही रिसर्च से उन्होंने इस असंभव को संभव बनाया। आइए, यहां आस्तिका और शंकर की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं। आस्तिका और शंकर लुधियाना के रहने वाले हैं। उनका परिवार पारंपरिक रूप से खेती से जुड़ा नहीं रहा है। उनके पिता विकास नरुला एक बैंकर हैं।

ऊंची कीमत पर ऐसे किया सौदा

भारतीय बाजार में जहां सस्ता ईरानी केसर हावी है। वहीं, भाई-बहन ने शुद्ध कश्मीरी केसर की क्वालिटी पर फोकस किया। पहले सीजन में उन्होंने अपना ज्यादातर माल ऑस्ट्रेलिया और कनाडा जैसे विदेशी बाजारों में 1,300 रुपये से 1,650 रुपये प्रति ग्राम की ऊंची कीमतों पर बेचा।

घर बैठे-बैठे कमाए सिर्फ दो सीजन में 26 लाख रुपये

चुनौतियों का किया डटकर सामना

हालांकि, यह सफर आसान नहीं था। भाई-बहन को भारी नुकसान भी झेलना पड़ा। शुरुआत में गर्मी के कारण 20 प्रतिशत बीज खराब हो गए। तकनीकी गलतियों की वजह से दूसरे साल पैदावार थोड़ी कम रही। हालांकि, इन गलतियों से सीखते हुए अब वे भारत के अन्य राज्यों में अपने पार्टनर नेटवर्क के जरिए 8-15 किलो केसर का उत्पादन करने का टारगेट रख रहे हैं। उनका मकसद सिर्फ केसर का उत्पादन नहीं है। इसके बजाय भारत को बीज उत्पादन में आत्मनिर्भर बनाना है।

छोटा सा कमरा बना प्रयोगशाला

भाई-बहन ने 630 वर्ग फीट के बंद कमरे में एयरोपोनिक्स (बिना मिट्टी की खेती) तकनीक का इस्तेमाल किया। इस तरीके में पौधों की जड़ों को हवा में लटकाया जाता है। उन पर पोषक तत्वों की धुंध (मिस्ट) छिड़की जाती है। उन्होंने सीखा कि तापमान को कैसे 3 डिग्री सेल्सियस से 27 डिग्री सेल्सियस के बीच मेनटेन करना है। साथ ही नमी को 30 प्रतिशत- 80 प्रतिशत के बीच किस तरह से कंट्रोल में रखना है। करीब चार साल की डीप रिसर्च और ईरानी वैज्ञानिकों से ऑनलाइन ट्रेनिंग लेने के बाद उन्होंने 2024-25 के पहले सीजन में 1.3 किलो प्रीमियम केसर का उत्पादन किया। यूपीएससी में असफल होने के बाद आस्तिका आगे कुछ करने के बारे में सोच रही थीं। इस बीच शंकर ने बीसीए की पढ़ाई पूरी कर ली थी। उसी समय दोनों को वक्त मिला।

अनीत पड्डा की 'शक्ति शालिनी' में निगेटिव किरदार में नजर आएंगे विनीत कुमार

मैडॉक का हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स बॉलीवुड के सबसे पसंदीदा फ्रेंचाइजी में से एक है। इस फ्रेंचाइजी की अधिकतर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर हिट हैं। पिछले साल इस यूनिवर्स की 'थामा' रिलीज हुई थी, जिसको फैंस ने पसंद किया था। अब फैंस इस यूनिवर्स की अगली फिल्म 'शक्ति शालिनी' का इंतजार कर रहे हैं। अनीत पड्डा की प्रमुख भूमिका वाली इस फिल्म में एक और दिग्गज एक्टर की एंट्री हुई है। इसके बाद इस फिल्म को लेकर लोगों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है।

विनीत कुमार सिंह की हुई एंट्री

अनीत पड्डा के प्रमुख भूमिका वाली 'शक्ति शालिनी' अपनी घोषणा के बाद से ही फैंस के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। अब फिल्म को लेकर एक नई जानकारी सामने आ रही है। वैरायटी इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की इस आगामी फिल्म में अभिनेता विनीत कुमार सिंह की एंट्री हुई है। रिपोर्ट के अनुसार, विनीत कुमार सिंह फिल्म में निगेटिव रोल में नजर आएंगे। वहीं रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि विनीत ने फिल्म की शूटिंग भी शुरू कर दी है, जिसका निर्माण पिछले साल शुरू हुआ था।

हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की छठी फिल्म है 'शक्ति शालिनी'

आदित्य सरपोतदार द्वारा निर्देशित 'शक्ति शालिनी' मैडॉक हॉरर यूनिवर्स की छठी फिल्म है। इससे पहले इस यूनिवर्स की 'स्त्री', 'भेड़िया', 'मुंज्या', 'स्त्री 2' और 'थामा' जैसी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल रही हैं। इस प्रोजेक्ट में विशाल जेठवा और अनीत पड्डा 'सलाम वेंकी' के बाद एक बार फिर साथ नजर आएंगे। हालांकि, फिल्म की कहानी के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इस फिल्म की आधिकारिक घोषणा 'थामा' के क्लाइमेक्स के दौरान की गई थी।

'हेलो बच्चों' में नजर आए विनीत कुमार सिंह

विनीत कुमार सिंह ने पिछले साल आई विक्की कौशल की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'छावा' में कवि कलश की भूमिका से काफी सुर्खियां बटोरी थीं। इस फिल्म में उनके अभिनय की जमकर प्रशंसा हुई थी। अब विनीत कुमार सिंह के हाथ एक और बड़ी फिल्म लगी है। विनीत कुमार सिंह हाल ही में नेटफ्लिक्स की सीरीज 'हेलो बच्चों' में नजर आए थे।

कविता कौशिक ने बताया 'कप्तान' के लिए क्यों नहीं करनी पड़ी ज्यादा मेहनत

एक्शन-क्राइम ड्रामा वेब सीरीज 'कप्तान' ओटीटी पर स्ट्रीम हो रही है। यह सीरीज ज्वालाबाद शहर में एसएसपी समरदीप सिंह की कहानी पर आधारित है। इसमें साकिब सलीम के अलावा सिद्धार्थ निगम, कविता कौशिक और अंजुम शर्मा जैसे मंझे हुए कलाकार नजर आ रहे हैं। सीरीज में कविता कौशिक ने डीएसपी प्रीत का रोल निभाया है, जो एक सख्त महिला पुलिस अधिकारी होती है। अभिनेत्री का कहना है कि उन्हें पुलिस के किरदार में ढलने में ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ा था। अभिनेत्री ने हाल ही में आईएएनएस के साथ बातचीत की, जिसमें उन्होंने अपने किरदार के ढलने की प्रक्रिया पर जोर देते हुए कहा, 'मुझे अपने किरदार के लिए ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी थी क्योंकि मेरा बैकग्राउंड ही पुलिस से जुड़ा हुआ है। मेरे पिता एक पुलिस अधिकारी थे। बचपन से हम उसी माहौल में बड़े हुए हैं। इसलिए यह भूमिका मेरे लिए स्वाभाविक लगी। चाहे चंद्रमुखी चौटाला का किरदार हो या फिर डीएसपी प्रीत, पुलिस वाली बात मेरी परफॉर्मेंस में अपने आप दिख जाती है।'

कविता ने आगे बातचीत में पूरी टीम की जमकर सराहना की। उन्होंने कहा, 'हमारे पास बहुत अच्छा डायरेक्टर, शानदार प्रोड्यूसर्स और एक बेहतरीन प्लेटफॉर्म है। हमारी कास्ट भी कमाल की है। सब कुछ मुझे सही लगा था, यही कारण है कि सीरीज के लिए हां कहना बहुत आसान हो गया था।' अभिनेत्री ने मुश्किल शूट के बारे में बात करते हुए कहा, 'सच कहूं, तो मुझे सीन शूट करने में दिक्कत नहीं हुई। अगर मैं मुश्किल कहूंगी तो यह अन्य कलाकारों के साथ नाइंसाफी होगी। वे बहुत कठिन हालात में भी फिट रहते हुए जबरदस्त एक्शन सीन कर रहे थे। उनका अनुशासन और समर्पण देखकर मैं प्रेरित हुई। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। मेरी भूमिका उनकी तुलना में काफी आरामदायक थी।' अक्सर पुलिस ड्रामा में महिला अधिकारियों को कम महत्व दिया जाता है। इस पर कविता ने बेबाकी से कहा, 'मैंने अपने करियर में कभी खुद को नजरअंदाज महसूस नहीं किया। मुझे जो मौका मिलता है, उसका पूरा फायदा उठाती हूं। मैं ज्यादा स्क्रीन टाइम के लिए नहीं लड़ती। मेरा फोकस अपने काम के असर पर रहता है।'

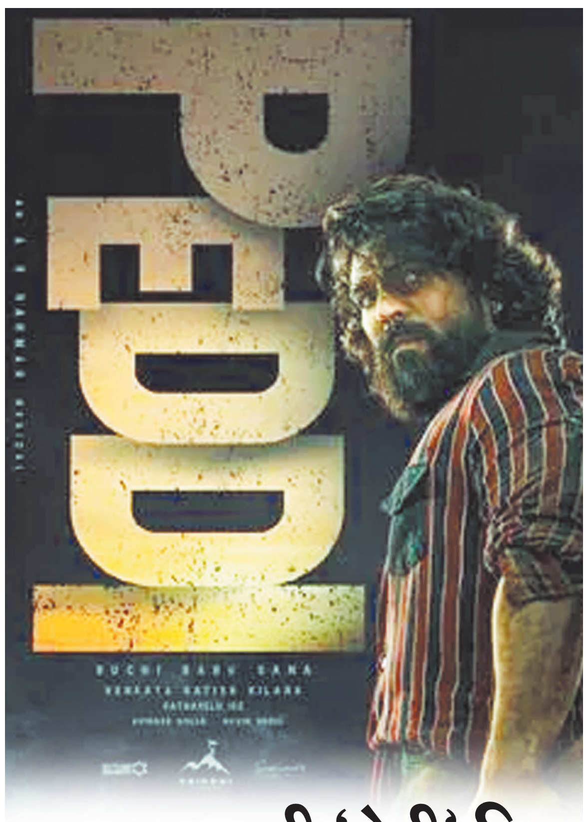

राम चरण की 'पेद्दी' फिर से पोस्टपोन? साउथ में 'धुरंधर 2' का भूचाल!

बॉक्स ऑफिस पर 'धुरंधर 2' की धूम मची हुई है। जबकि दूसरी ओर, साउथ की फिल्मों का हाल बेहाल है। 'धुरंधर 2' के साथ ही रिलीज हुई पवन कल्याण की 'उस्ताद भगत सिंह' बुरी तरह पिट गई है। इसका असर ये हुआ कि एक बार फिर से फिल्मों की रिलीज टलने लगी है। पहले अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' 10 अप्रैल को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब इसे एक हफ्ते के लिए टाल दिया गया है। दूसरी ओर, खबर है कि राम चरण की 'पेद्दी' भी अब 30 अप्रैल को रिलीज नहीं होगी। यही नहीं, इसी के साथ विग्नेश शिवन-प्रदीप रंगनाथन की फिल्म 'LIK' की रिलीज को एक बार फिर टाल दिया गया है, जबकि अखिल अक्किनेनी की 'लेनिन' की भी नई रिलीज डेट की घोषणा की गई है। 'धुरंधर पार्ट 1' की रिलीज के साथ ही डायरेक्टर आदित्य धर ने 'धुरंधर 2' की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया था। इस कारण बीते दिनों यश की कमबैक फिल्म 'टॉक्सिक', जो पहले 19 मार्च को ही 'धुरंधर: द रिवेंज' को टक्कर देने आने आ रही, उसकी रिलीज डेट बदलकर 4 जून 2026 कर दी गई। अब 'भूत बंगला' की नई रिलीज डेट 17 अप्रैल को होने का सीधा मतलब है, सलमान खान की गलवान युद्ध पर बनी 'मातृभूमि' भी पोस्टपोन होगी। वैसे भी, सलमान की फिल्म की शूटिंग अभी बाकी है। अब राम चरण की 'पेद्दी' की रिलीज भी फिर से टलने की चर्चा है।

'पेद्दी' के पोस्टपोन होने से धनुष की 'कारा' को फायदा

राम चरण की रूरल स्पोर्ट्स एक्शन ड्रामा 'पेद्दी' की रिलीज में इससे पहले ही काफी देरी हो चुकी है। अब नई रिपोर्ट में कहा गया है फिल्म की शूटिंग और पोस्ट प्रोडक्शन का काम बचा है, जिस कारण यह अप्रैल की डेडलाइन से चूक जाएगी। इसका सीधा फायदा धनुष की तमिल फिल्म 'कारा' को होगा, जो अभी भी 30 अप्रैल को ही रिलीज होने वाली है। राम चरण की 'पेद्दी' से उनके फैंस और बाकी दर्शकों, दोनों को बहुत उम्?मीदें हैं। शुरुआत में इसे मार्च 2026 में रिलीज करने की योजना थी, लेकिन अब 'पेद्दी' के निर्माता मई या जून 2026 में एक नई तारीख पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है, लेकिन इंडस्ट्री के सूत्रों का कहना है कि फिल्म मई के आखिर या जून में रिलीज होगी।

राम चरण की आंख में चोट, बची हुई है शूटिंग

'पेद्दी' की रिलीज में देरी का कारण अधूरा प्रोडक्शन बताया जा रहा है। बीते दिनों शूटिंग के दौरान राम चरण को आंख के ऊपर हल्की चोट भी आई, जिस कारण शूटिंग रुक गई है। बुची बाबू सना के डायरेक्शन में बनी 'पेद्दी' में जान्हवी कपूर, शिव राजकुमार, जगपति बाबू और दिव्येंदु मुख्य भूमिकाओं में हैं।

ममूटी और मोहनलाल की फिल्म 'पैट्रियट' की नई रिलीज डेट की हुई घोषणा

ममूटी और मोहनलाल की फिल्म 'पैट्रियट' पहले 23 अप्रैल 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन कुछ वजहों से रिलीज डेट को आगे बढ़ा दिया गया था, जिससे फैंस काफी निराश हो गए थे। अब फिल्ममेकर्स ने आधिकारिक तौर पर नई डेट की घोषणा कर दी है। ममूटी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर यह खबर शेयर की है। उन्होंने लिखा फिल्म 'पैट्रियट' 1 मई 2026 से दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फैंस ममूटी और मोहनलाल की एक्शन स्पाई थ्रिलर फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। पहले जब 'पैट्रियट' की रिलीज डेट टाली गई थी, तब फिल्म टीम ने बयान जारी करके बताया था कि वह फिल्म को बेहतरीन क्वालिटी के साथ दर्शकों तक पहुंचाना चाहते हैं। कुछ अनियोजित परिस्थितियों के कारण रिलीज को कुछ दिनों के लिए टालना पड़ा था।

'पैट्रियट' की स्टार कास्ट

'पैट्रियट' को माहेश नारायणन ने लिखा और निर्देशित किया है। फिल्म में ममूटी और मोहनलाल के अलावा फहद फासिल, नयनतारा, रजनीव मेनन, रेवती और कई बाकी कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म की रिलीज का इंतजार अब फैंस को 1 मई 2026 तक करना पड़ेगा।

बॉलीवुड में नाम कमाने के बाद हॉलीवुड की तरफ बढ़ी सनी लियोनी

सनी लियोनी हाल ही में रिलीज हुई अनुराग कश्यप की फिल्म कैनेडी को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म में उनकी परफॉर्मेंस पर पॉजिटिव रिव्यू मिलने के बाद वह हॉलीवुड प्रोजेक्ट की ओर चल पड़ी हैं। इस एक्ट्रेस ने हॉलीवुड सीरीज द जाइंट की कास्ट को जॉइन कर लिया है। जल्द ही इसकी शूटिंग शुरू होगी।

प्रोजेक्ट को लेकर सनी लियोनी ने कहा, यह मेरे पहले किए गए काम से बहुत अलग है। उन्होंने आगे कहा पूरी तरह से एक नई दुनिया में कदम रखना मेरे लिए हमेशा एक रोमांचक अनुभव होता है। वह बोलीं मैं इस सफर का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं और इसमें अपना सब कुछ देने के लिए तैयार हूं। इस सीरीज में अभिनेत्री थोड़ा अलग रोल कर रही हैं। सनी लियोनी इसमें रिजर्वेशन शेरिफ क्वानाह डियरलीफ के किरदार में होंगी। सीरीज की कास्टिंग में थोड़ी विविधता है। इसमें लैटिन अमेरिकी, अफ्रीकी अमेरिकी और एशियाई मूल के एक्टर्स शामिल होंगे।

'डकैत' की रिलीज डेट टालने पर अदिवि शेष ने रखा अपना पक्ष

बोले- 'धुरंधर 2' से डर नहीं, स्क्रीन का मामला था

पहले अदिवि शेष अभिनीत 'डकैत' फिल्म 'धुरंधर 2' के साथ रिलीज होने वाली थी। लेकिन इसकी रिलीज को आगे बढ़ा दिया गया। अब 10 अप्रैल को यह फिल्म रिलीज होने वाली है। फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है, जिसमें मृणाल ठाकुर और अनुराग कश्यप जैसे कलाकार भी नजर आ रहे हैं। हाल ही में अदिवि शेष ने फिल्म 'धुरंधर 2' से टकराव, स्क्रीन की कमी के अलावा करियर से जुड़ी कई बातें की हैं।

'धुरंधर 2' से कॉम्पिटिशन नहीं था

फिल्म 'डकैत' की रिलीज टलने के सवाल पर अदिवि शेष साफ कहते हैं, 'जहां तक 'धुरंधर 2' की बात है, मेरे हिसाब से आर्टिस्ट और आर्ट के बीच कोई रेस नहीं होती है। आर्ट की दुनिया में कॉम्पिटिशन नहीं होता है। 19 मार्च की तारीख 'डकैत' के लिए बहुत जरूरी थी, खासकर हिंदी वर्जन के लिए। हमारे लिए जरूरी था कि फिल्म को अच्छा शो और स्क्रीन मिले। इसलिए यह डर का नहीं बल्कि स्क्रीन का फैसला था।' वह आगे कहते हैं, 'जब इंडिया की इतनी बड़ी फिल्म रिलीज होती है तो स्क्रीन मिलना मुश्किल हो जाता है। इसलिए हमने रिलीज को आगे बढ़ाया जिससे तेलुगु और हिंदी दोनों वर्जन को सही स्पेस और बेहतर शो मिल सकें। 'धुरंधर 2' मैंने देखी है और मुझे बहुत पसंद आई। इसमें कोई शक नहीं कि यह इंडिया की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक है।'

अक्षय कुमार से खास है कनेक्शन

अदिवि शेष की फिल्म 'डकैत' अक्षय कुमार की 'भूत बंगला' के साथ रिलीज हो रही है। वह कहते हैं, 'मुझे नहीं पता कि अक्षय सर के साथ क्या कनेक्शन है। मैं उनका बहुत बड़ा फैन हूं। मेरी फिल्म 'मेजर' भी उनकी फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' के साथ क्लैश हुई थी। अब 'भूत बंगला' के साथ 'डकैत' के साथ रिलीज हो रही है। मैं खुश हूं कि किसी न किसी तरह से उनके साथ कनेक्शन बना रहता है।' साउथ सिनेमा से शुरुआत करने वाले अदिवि शेष अब हिंदी फिल्मों में भी सक्रिय हैं। इस बदलाव पर वह कहते हैं, 'मुझे लगता है पहले जो दूरी थी, वो अब धीरे-धीरे कम हो रही है। जब लोग एक-दूसरे से कम बात करते हैं तो गैप बढ़ जाता है। लेकिन अब आना-जाना बहुत बढ़ गया है। हिंदी इंडस्ट्री के कई एक्टर्स हैदराबाद आते हैं और हम भी मुंबई-दिल्ली जाते रहते हैं। इस वजह से एक क्लोजनेस आ गई है। मुझे लगता है कि खासकर अगली जनरेशन शायद यह फर्क ही नहीं करेगी कि यह हिंदी फिल्म है या साउथ की है। सबको इंडियन फिल्म्स के तौर पर देखा जाएगा।' एक दिलचस्प उदाहरण देते हुए वह कहते हैं, 'मैं हाल ही में दिल्ली में था, वहां एक टैक्सी ड्राइवर बता रहा था कि उसने मलयालम फिल्म हिंदी डबिंग में देखी। मेरा खुद का ड्राइवर हिंदी शोज देखता है। इससे साफ है कि जो दूरी पहले थी, वो अब कम हो रही है।'

खुद को 'मेजर' के बाद नहीं दोहराया

बॉलीवुड से मिले ऑफर्स पर अदिवि शेष का जवाब काफी साफ है। वह कहते हैं, 'मुझे 'मेजर' के बाद वॉर फिल्मों के काफी सारे ऑफर्स आए। लेकिन मुझे कहीं न कहीं लगा कि 'मेजर' में संदीप का रोल करने के बाद फिर से वही किरदार करना सही नहीं होगा। मैंने उनके पैरेंट्स से भी वादा किया था। साथ ही यह मेरे लिए एक ड्रीम प्रोजेक्ट था। उसके बाद अगर मैं बार-बार उसी तरह के रोल करता रहता, तो उसका असर कम हो जाता। यही वजह है कि मैंने ऐसे कई ऑफर्स ठुकरा दिए।' अदिवि शेष आगे कहते हैं, 'मेरे लिए यह जरूरी है कि जो भी काम करूं, उसमें कुछ खास हो। मुझे इससे फर्क नहीं पड़ता कि प्रोड्यूसर कौन है? डायरेक्टर कौन है? या कितने पैसे मिल रहे हैं? अगर वह चीज मुझे अंदर से टच नहीं करती, तो मैं उसे नहीं करता।'

बॉलीवुड एंट्री को लेकर साफ है नजरिया

बॉलीवुड में एंट्री को लेकर चल रही बहस पर अदिवि शेष कहते हैं, 'सच कहूं तो किसी भी इंडस्ट्री में एंट्री आसान नहीं होती। सिर्फ बॉलीवुड ही नहीं, हॉलीवुड में भी जाकर देख लीजिए। संघर्ष हर जगह है। पूरे देश में गिने-चुने हीरो होते हैं, उनमें से भी बहुत कम ऐसे होते हैं जिनकी फिल्में सच में बिकती हैं। मैं खुद को खुशकिस्मत मानता हूं कि यहां तक पहुंच पाया। यह सिर्फ फिल्म इंडस्ट्री की बात नहीं है। आप किसी भी फील्ड में चले जाइए। हर जगह कॉम्पिटिशन है, हर जगह स्ट्रगल है। यह कहना कि सिर्फ बॉलीवुड में एंट्री मुश्किल है, पूरी तरह सही नहीं है।'

एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में 11 मेडल पक्के

- मीनाक्षी और जैस्मिन सहित 5 महिला बॉक्सर सेमीफाइनल में
- 6 पुरुष मुक्केबाजों ने भी मेडल पक्के किए

मंगोलिया (एजेंसी)। मंगोलिया के उलानबटोर में चल रही एशियन बॉक्सिंग चैंपियनशिप में भारत के शानदार प्रदर्शन जारी है। पांच महिला और छह पुरुष मुक्केबाज़ों ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।पुरुष वर्ग में लोकेश, आकाश और हर्ष चौधरी की जीत के साथ कुल छह भारतीय बॉक्सर सेमीफाइनल में पहुंच चुके हैं।

मीनाक्षी और जैस्मिन की एकतरफा जीत

रविवार के मॉर्निंग सेशन में मीनाक्षी (48 किग्रा) और जैस्मिन (57 किग्रा) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने-अपने मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली।

मीनाक्षी ने जापान की युका सादामात्सु को 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से हराया। वहीं, जैस्मिन ने चीन की झियी चेन को 5-0 से मात देकर सेमीफाइनल का टिकट हासिल किया। इससे पहले शनिवार को निखत जरीन, प्रिया घंघास और प्रीति पवार भी अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं।

लोकेश, आकाश और हर्ष आगे बढ़े

पुरुष वर्ग में भारतीय मुक्केबाज़ों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में अपनी दावेदारी मजबूत की।85 किग्रा भार वर्ग में लोकेश ने कोरिया के गिचे किम को 5-0 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। वहीं, आकाश ने तुर्कमेनिस्तान के यल्हास बग्टयारोव को 5-0 से मात दी।इसके अलावा, हर्ष चौधरी ने किर्गिज़ गणराज्य के तिनिस्तान अलीबाएव को हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की।हालांकि, 80 किग्रा भार वर्ग में अंकुश को जॉर्डन के हुसैन इशाश के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा, जिससे वे टूर्नामेंट से बाहर हो गए।वहीं, 50 किग्रा वर्ग में विश्वनाथ सुरेश और 60 किग्रा में सचिन ने भी जीत दर्ज कर सेमीफाइनल में अपनी जगह सुनिश्चित कर ली है।

अंडर-20 एथलेटिक्स मीट में देहरादून के आहिल और दीपांशु चैंपियन

- प्रतियोगिता का हुआ समापन; नेशनल के लिए कर्नाटक जाएंगे होनहार एथलीट्स

देहरादून (एजेंसी)। महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज के एथलेटिक्स ट्रैक पर चल रही दो दिवसीय उत्तराखंड स्टेट जूनियर अंडर-20 एथलेटिक्स प्रतियोगिता का रविवार को समापन हो गया। प्रतियोगिता के दूसरे और अंतिम दिन 18 इवेंट्स आयोजित किए गए।

समापन समारोह में स्पोर्ट्स कॉलेज के प्रधानाचार्य राजेश ममगाई (मुख्य अतिथि) और ओलंपियन मनीष रावत (विशिष्ट अतिथि) ने विजेता एथलीट्स को मेडल और

प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया और उनका हौसला बढ़ाया। इस प्रतियोगिता में उत्तराखंड के सभी जिलों से कुल 134 होनहार एथलीट्स (92 बालक और 42 बालिकाओं) ने अपना दम-खम दिखाया।

प्रतियोगिता की प्रमुख बातें

आयोजन सचिव केजेएस कलसी ने बताया कि जो भी एथलीट एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के मानकों को पूरा करेंगे, उन्हें 24 से 26 अप्रैल 2026 तक कर्नाटक के तुमकुर में होने वाली 24वीं नेशनल जूनियर अंडर-20 फेडरेशन एथलेटिक्स प्रतियोगिता में उत्तराखंड का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिलेगा। मुख्य निर्णायक लोकेश कुमार के नेतृत्व में 14 सदस्यीय रेफरी पैनल ने दोनों दिनों के कुल 36 इवेंट्स को निर्विवाद और पारदर्शी तरीके से संपन्न कराया।

आईपीएल 2026: सीएसके की डेथ गेंदबाजी पर बिफरे अंबाती रायुडू, कहा-

इस तरह की बॉलिंग के लिए धोनी ने कभी हां नहीं कहा

बेंगलुरु (एजेंसी)। भारत और चेन्नई सुपर किंग्स के पूर्व बल्लेबाज अंबाती रायुडू ने सीएसके की डेथ ओवर की बॉलिंग पर निशाना साधा है। सीएसके ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ आखिरी पांच ओवर में 97 रन लुटाए थे। इसमें आखिरी ओवर में 30 रन शामिल हैं। टिम डेविड ने 25 गेंद में तीन चौके और आठ छक्के की मदद से 70 रन बनाकर पूरा पासा पलट दिया था। हालांकि, रायुडू ने कहा है कि जिस लेंथ पर चेन्नई के गेंदबाजों ने गेंदबाजी की, उस लेंथ पर गेंदबाजी करने से महेंद्र सिंह धोनी ने हमेशा मना किया था।

चेन्नई की रणनीति की आलोचना की

आरसीबी ने रविवार को सीएसके को 43 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए 250 रन बनाने के बाद, उसने सीएसके को 207 रन पर समेट दिया।

आरसीबी ने जेमी ओवरटन के आखिरी ओवर में 30 रन बटोरे थे। ओवरटन ने राउंड द विकेट गेंदबाजी की और डेविड ने इस एंगल का फायदा उठाते हुए लगातार चौके-छक्के लगाए।

चेन्नई को करना होगा रणनीति में बदलाव

हाल के वर्षों में सीएसके से जुड़ी अन्य फ्रेंचाइजियां, जैसे जोहानिसबर्ग सुपर किंग्स और टेक्सास सुपर किंग्स, राउंड द विकेट गेंदबाजी की रणनीति अपना रही हैं और इसके लिए स्पेशलिस्ट गेंदबाजों पर भरोसा करती हैं। सीजन के पहले तीन मैचों में चेन्नई की गेंदबाजी सबसे बड़ी चिंता बनकर उभरी है। टीम का इकोनॉमी रेट 11.57 रहा है, जो बेहद महंगा है। दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भी पहले कहा था कि टूर्नामेंट में आगे सीएसके के लिए सबसे बड़ी चुनौती उनकी गेंदबाजी ही होगी, क्योंकि बल्लेबाजों पर हर मैच में 225-230 रन बनाने का दबाव बन रहा है। आरसीबी से हार के बाद सीएसके अंक तालिका में सबसे नीचे बनी हुई है और उसका नेट रन रेट -2.517 है। अब टीम की नजरें वापसी पर हैं, जब वह 11 अप्रैल को चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अगला मुकाबला खेलेगी।

डेथ ओवर में गेंदबाजी चेन्नई के लिए सबसे बड़ी समस्या

डेथ ओवर्स चेन्नई सुपर किंग्स के लिए एक बड़ी समस्या बने रहे, क्योंकि आखिरी चार ओवरों में टीम ने 78 रन लुटा दिए, जिससे रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 250/3 का विशाल स्कोर खड़ा करने में सफल रही। हालांकि लक्ष्य का पीछा करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स 200 रन के पार पहुंच गई, लेकिन वह आरसीबी के स्कोर से काफी पीछे रह गई।चेन्नई की डेथ बॉलिंग पर खासा असर पड़ा है, खासकर तब से जब नाथन एलिस हैमस्ट्रिंग चोट के कारण बाहर हो गए। उनके रिप्लेसमेंट के तौर पर शामिल किए गए स्पेंसर जॉनसन अभी तक टीम से नहीं जुड़ पाए हैं। एलिस की गैरमौजूदगी में जेमी ओवरटन उस कमी को भरने में संघर्ष करते नजर आए हैं। राउंड द विकेट गेंदबाजी करना उनके लिए नया है। आरसीबी के खिलाफ मैच से पहले उन्होंने अपने पूरे करियर में इस एंगल से दो ओवर से भी कम गेंदबाजी की थी।

कहां खो गया विश्वकप हीरो सैमसन का फॉर्म?

कोच फ्लेमिंग ने किया बचाव, ऋतुराज ने हार की जिम्मेदारी ली

बेंगलुरु (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में संजू सैमसन का खराब फॉर्म जारी है। चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलते हुए वह लगातार तीसरे मैच में भी सिंगल डिजिट स्कोर पर आउट हो गए। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ 251 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए सैमसन सिर्फ नौ रन ही बना सके।

यह वही बल्लेबाज हैं जिन्होंने हाल ही में टी20 विश्वकप 2026 में शानदार प्रदर्शन किया था, लेकिन आईपीएल में उनकी लय पूरी तरह गायब नजर आ रही है।

फ्लेमिंग ने किया बचाव

सीएसके के कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने सैमसन का बचाव करते हुए कहा, जब आप लंबे समय तक किसी एक फ्रेंचाइजी के साथ रहते हैं, तो नई टीम में ढलना आसान नहीं होता। भले ही वह खुद को सहज महसूस कर रहे हों, लेकिन टीम से जुड़ाव बनने में थोड़ा समय लगता है। वह अभी इस टीम के साथ तालमेल बैठाने की प्रक्रिया में हैं, और टीम में भी कई बदलाव हुए हैं, इसलिए यह पूरी तरह से सेटअप नहीं है।

नो-बॉल ने बढ़ाई मुश्किल

18वें ओवर में अंशुल कंबोज ने डेविड को बोल्ड कर दिया था, लेकिन वह नो-बॉल निकली। इसके बाद डेविड ने मैच पूरी तरह बदल दिया। फ्लेमिंग ने इस पर कहा, दबाव में सही एग्जीक्यूशन जरूरी होता है। टिम डेविड जैसे बल्लेबाज के खिलाफ आपको बिल्कुल सटीक रहना पड़ता है। हम थोड़े पीछे रह गए और उन्होंने लय पकड़ ली। नो-बॉल भी अहम रही, वहां करीब 40 रन का फर्क पड़ा। छोटी-छोटी गलतियां बड़े नुकसान में बदल गईं।

आरसीबी ने किया सीएसके का काम तमाम

मैच की बात करें तो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 250 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। हालांकि, आरसीबी की पारी के 15 ओवर तक सीएसके ने मुकाबले में पकड़ बनाए रखी थी, लेकिन आखिरी पांच ओवरों में 97 रन लुटा दिए। टिम डेविड और कप्तान रजत पाटीदार ने मिलकर सीएसके के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की और 97 रन जोड़े।

कोहली सीएसके के खिलाफ टॉप स्कोरर बने

- डेविड का 106 मीटर सिक्स मैदान के बाहर गया, भुवनेश्वर के 200 विकेट पूरे, बने यह रिकॉर्ड्स

बेंगलुरु (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स को 43 रन से हराया। रविवार के मैच में विराट कोहली सीएसके के खिलाफ आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बने। आरसीबी ने 250/3 बनाकर अपना तीसरा सबसे बड़ा टोटल बनाया। टिम डेविड ने 106 मीटर सिक्स लगाया। गेंद स्टेडियम के बाहर गई।

सबसे बड़े टोटल से 13 रन पीछे रही आरसीबी- रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने 250/3 बनाकर आईपीएल इतिहास का तीसरा सबसे बड़ा टोटल बनाया। नंबर-1 पर 2013 में पुणे वॉरियर्स के खिलाफ 263/5 का स्कोर है।

कोहली सीएसके के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज- विराट कोहली ने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड बनाया। उनके 1174 रन हो गए। वे किसी एक टीम के खिलाफ आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले प्लेयर बने। दूसरे नंबर पर मुंबई के

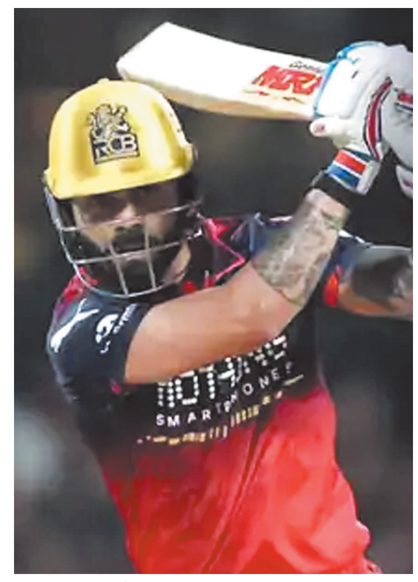

रोहित शर्मा हैं। उनके कोलकाता के खिलाफ 1161 रन हैं।

आरसीबी ने सीएसके के खिलाफ सबसे ज्यादा सिक्स लगाए

आरसीबी ने 19 सिक्स लगाए। यह सीएसके के खिलाफ किसी टीम द्वारा एक पारी में सबसे ज्यादा हैं। इससे पहले रिकॉर्ड 17 सिक्स का था। इसे कोलकाता (2018, चेन्नई) और राजस्थान (2020, शारजाह) ने बनाया था। यह आरसीबी की पारी में तीसरा सबसे ज्यादा सिक्स का आंकड़ा भी है।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड- 3 दिन में 6 डायरेक्टर्स का इस्तीफा

प्रेसिडेंट बोले- सब चले जाएं, मैं आखिर तक हूं; लिटन 2028 तक कप्तान रहेंगे

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) में इस वक्त भारी उठापटक चल रही है। शनिवार को बोर्ड के 4 और डायरेक्टर्स ने एक साथ इस्तीफा दे दिया। गुरुवार को भी 2 मेंबर्स ने अपना पद छोड़ा था।

बोर्ड प्रेसिडेंट अमिनुल इस्लाम ने जरूर कह दिया, सब भले चले जाएं, मैं कहीं नहीं जाऊंगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, एक सप्ताह के अंदर बीसीबी की नई सरकार भंग हो सकती है।बोर्ड ने लिटन दास को 2028 और मेहदी हसन को 2027 तक टी-20 कप्तान भी बनाए रखा है।

3 दिन में 6 बड़े चेहरों ने साथ छोड़ा

शनिवार को हुई मीटिंग के बाद सानियान तनीम, मेहराब आलम, फैयाजुर रहमान और मंजूरुल आलम ने अपना इस्तीफा सौंप दिया। इससे 2 दिन पहले ही यासिर मोहम्मद और फैसल आशिक ने भी पद छोड़ दिया था। अब तक 6 डायरेक्टर्स बीसीबी का साथ छोड़ चुके हैं। माना जा रहा है कि कुछ और लोग भी पद छोड़ने की तैयारी में हैं।

प्रेसिडेंट बोले- बाहरी लोग काम नहीं करने दे रहे- अमिनुल इस्लाम बुलबुल मीडिया के सामने तो नहीं आए, लेकिन एक टीवी चैनल से बातचीत में अपना दर्द बयां कर दिया। उन्होंने कहा, मैं आखिरी दिन तक अपनी कुर्सी संभालूंगा। हमारी टीम अच्छी और ईमानदार है, मैं उनके साथ मिलकर देश के क्रिकेट की सेवा करना चाहता हूं।

उन्होंने सीधा आरोप लगाया कि कुछ

बाहरी ताकतें उन्हें खुलकर काम नहीं करने दे रही हैं। बुलबुल के मुताबिक, हमें एक दिन भी आजादी से काम नहीं करने दिया गया। बाहर से लगातार दखलअंदाजी हो रही है, जिसकी वजह से हमारे क्रिकेट की रफ्तार थम गई है।

बीसीबी में काफी दिनों से विवाद की स्थिति- बोर्ड के पिछले चुनाव को लेकर काफी विवाद चल रहा है। अब नेशनल स्पोर्ट्स काउंसिल इसकी जांच कर रही है। माना जा रहा है कि इसी जांच और मीडिया के सवालों से बचने के लिए अध्यक्ष मीटिंग के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में नहीं आए।

लिटन दास ही वनडे कप्तानी करेंगे

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने मेंहदी हसन मिराज को 2027 वनडे वर्ल्ड कप और लिटन दास को 2028 टी-20 वर्ल्ड कप तक के लिए कप्तान बनाए रखा है। बोर्ड का मानना है कि लंबी जिम्मेदारी से दोनों कप्तान अपनी टीम को बेहतर ढंग से तैयार कर पाएंगे। बोर्ड ने पूर्व दिग्गज मोहम्मद रफीक को एक साल के लिए स्पिन गेंदबाजी सलाहकार बनाया है।

वर्ल्ड कप खेलने नहीं आया था बांग्लादेश

इसी साल जनवरी में बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने अपनी टीम को टी-20 वर्ल्ड कप खेलने के लिए भारत नहीं भेजा था। बोर्ड ने भारत ने सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी, जिसके बाद इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने बांग्लादेश की जगह स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में एंट्री दे दी।

बास्केटबॉल चैम्पियन का 'कैंडी' सीक्रेट

मिलन शॉट से पहले दिमाग में दोहराते हैं 'जेलीबीन', ओवरथिंकिंग दूर करने का मिला अचूक फॉर्मूला

न्यूयार्क (एजेंसी)। बड़े मैचों के दबाव में अक्सर दुनिया के बेहतरीन खिलाड़ियों का दिमाग भी सुन्न पड़ जाता है। ऐसे में वे अपने ही खेल पर शक करने लगते हैं। अमेरिका के कॉलेज बास्केटबॉल टूर्नामेंट में इस साल के सर्वश्रेष्ठ 3-पॉइंट शूटर मिलन मोमसिलोविक भी इसी ओवरथिंकिंग का शिकार हो रहे थे। लेकिन इस 6 फीट 8 इंच लंबे स्नाइपर ने अपने दिमाग को शांत करने का एक बेहद अजीब, लेकिन 100 प्रतिशत अचूक तरीका खोज निकाला है। यह तरीका है एक शब्द 'जेलीबीन'।

आयोवा स्टेट के मिलन इस वक्त डिवीजन-1 कॉलेज बास्केटबॉल के सबसे सटीक शूटर हैं। लेकिन एक वक्त था जब हर शॉट से पहले उनका आत्मविश्वास डगमगा जाता था। मिलन बताते हैं, 'मुझे हमेशा लगता था कि मेरे शॉट में कुछ कमी है। शायद गेंद का आर्क सही नहीं है या मैं सही तरीके से थ्रो नहीं कर रहा हूं।' लगातार गिरते कॉन्फिडेंस को बचाने के लिए उन्होंने एक मशहूर स्पोर्ट्स साइकोलॉजिस्ट डॉ. मैथ्यू मायरविक से संपर्क किया।

डॉ. मैथ्यू ने उन्हें एक बेहद आसान मनोवैज्ञानिक तरकीब बताई- 'थ्रो करने से ठीक पहले दिमाग में किसी एक चीज, खासकर किसी खाने की चीज का नाम सोचो।' मिलन ने इसके लिए 'जेलीबीन' शब्द चुना। वे कहते हैं, 'शायद यह शब्द बोलने में थोड़ा लंबा है, इसलिए मैंने इसे चुना। मजेदार बात यह है कि जेलीबीन मेरी फेवरेट कैंडी भी नहीं है।' मिलन यह शब्द जोर से नहीं बोलते, शॉट लेने से ठीक पहले वे इसे बस अपने दिमाग में दोहराते हैं। यह टेक्निक उनके दिमाग में आने वाले नकारात्मक ख्यालों को ब्लॉक कर देती है, जिससे उनका फोकस सिर्फ थ्रो पर रहता है। जैसे ही दिमाग ओवरथिंकिंग करना बंद करता है, शरीर की 'मसल मेमोरी' अपना काम बिल्कुल सटीक तरीके से करने लगती है। यह तकनीक खिलाड़ी का ध्यान नतीजे से हटाकर प्रोसेस पर ले आती है।

आयोवा स्टेट के हेड कोच टीजे ओत्जेल्बर्गर इस बदलाव से बेहद खुश हैं। उनका कहना है, 'पहले अगर वह एक-दो शॉट मिस करता था, तो अगला शॉट लेने से डरने लगता था। लेकिन अब उसका माइंडसेट बदल गया है। अब वह सिर्फ अपनी कोशिशों पर फोकस करता है, नतीजों पर नहीं।'

दिल्ली में हिंदू समाज को एकजुट करने के लिए विहिप का महाअभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। नगर में हिन्दू युवक की हत्या समेत सांप्रदायिक हिंसा के बढ़ते मामलों के मद्देनजर विहिप ने हिंदू समाज को संगठित और सशक्त करने के लिए बड़ा अभियान शुरू करने जा रही है। ओल्ड पुराना राजेंद्र नगर स्थित आर्य समाज मंदिर में रविवार को आयोजित विहिप की इंद्रप्रस्थ प्रांत की मासिक बैठक में कई निर्णय लिए गए, जिसमें शस्त्र वितरण भी शामिल है। विहिप के प्रांत अध्यक्ष कपिल खन्ना, क्षेत्र संगठन मंत्री नीरज, प्रांत संगठन मंत्री सुबोध और प्रांत मंत्री सुरेंद्र गुप्ता समेत अन्य मौजूद रहे। बैठक में हिन्दू समाज और उसकी सांस्कृतिक पहचान की सुरक्षा के लिए डिजिटल और जमीनी स्तर पर अभियान चलाने की घोषणा की। बैठक में पदाधिकारियों ने उत्तम नगर, बदरपुर समेत अन्य स्थानों पर हुई घटनाओं पर गहरा रोष व्यक्त करते हुए दिल्ली की कानून-व्यवस्था पर भी गंभीर सवाल उठाए।बैठक में विहिप के पदाधिकारियों ने समाज को एकजुट करने के लिए सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ का आह्वान किया है। प्रांत मंत्री सुरेंद्र गुप्ता ने कहा कि अब संपूर्ण दिल्ली में प्रत्येक मंगलवार शाम को सात बजे हिंदू समाज के लोग अपने निकटतम मंदिर, बाजार, कार्यालय या सार्वजनिक स्थल पर एकत्र होकर सामूहिक हनुमान पाठ करेंगे, ताकि समाज में आध्यात्मिक शक्ति और एकजुटता का संचार हो सकें।

इसके साथ ही युवाओं के मनोबल को बढ़ाने और उन्हें आत्मरक्षा के लिए तैयार करने पर भी विशेष जोर दिया जाएगा। संगठन के पदाधिकारियों ने घोषणा करते हुए कहा कि उत्तम नगर जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में युवाओं को त्रिशूल एवं कटार दीक्षा जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वहीं, तकनीक के दौर में हिंदुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विहिप जल्द ही एक हेल्पलाइन एप भी शुरू करेगा, जिसके माध्यम से कोई भी हिंदू सीधे विहिप या बजरंग दल के कार्यकर्ताओं से संपर्क कर तत्काल सहायता प्राप्त कर सकेगा।

'इंद्रप्रस्थ' नाम की बहाली की मांग विहिप ने सांस्कृतिक जड़ों की ओर लौटने का आह्वान करते हुए बैठक में दिल्ली का नाम आधिकारिक तौर पर 'इंद्रप्रस्थ' कराने का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित किया और कहा कि दिल्ली की ऐतिहासिक पहचान को वापस दिलाना उनकी प्राथमिकता है और इसके लिए प्रशासनिक व आधिकारिक स्तर पर निरंतर दबाव बनाया जाएगा।

बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ रोकने के लिए बीएसएफ का अनोखा प्लान

नई दिल्ली , एजेंसी। भारत-बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठियों की समस्या से निपटने के लिए बीएसएफ एक अनोखा प्लान तैयार कर रही है। सूत्रों के मुताबिक भारत-बांग्लादेश सीमा के नदी और दलदली इलाकों में घुसपैठ रोकने के लिए क्सस्न प्राकृतिक बैरियर के तौर पर सांप और मगरमच्छों के इस्तेमाल की संभावना पर चर्चा रही है। हालांकि अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक आदेश जारी नहीं किया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक यह विचार सीमा के उन संवेदनशील हिस्सों के लिए है जहां सामान्य बाड़ लगाना संभव नहीं है। करीब 4096 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा में लगभग 175 किलोमीटर हिस्सा नदी और दलदली क्षेत्र में आता है, जिससे केवल भौतिक अवरोधों के जरिए घुसपैठ, तस्करी और अन्य अवैध गतिविधियों को रोकना काफी मुश्किल हो जाता है। सीमा सुरक्षा को प्राथमिकता देने की नीति के तहत अधिकारियों से ऐसे नदी क्षेत्रों की पहचान करने को कहा गया है, जहां इस तरह की योजना लागू की जा सके। हालांकि यह प्रस्ताव अभी केवल चर्चा के स्तर पर है और भविष्य में इसे लागू किया जाएगा या नहीं, यह साफ नहीं है। इसके अलावा क्सस्न आधुनिक तकनीक के जरिए निगरानी भी मजबूत कर रहा है, जिसमें ड्रोन, सेंसर, कैमरे और अन्य आधुनिक साधनों का उपयोग किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में डीटीसी बस ने ऑटो को मारी टक्कर, रोड पर खाया कई पलटी

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली जिले के हुमायूं रोड पर रविवार को एक डीटीसी बस ड्राइवर ने ऑटो चालक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि ऑटो ने दो से तीन बार पलटी खाई और चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। इसके बाद घायल ड्राइवर को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृतक घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, ऑटो चालक की पहचान मंटू महतो के रूप में हुई है। वहीं, तुगलक रोड पुलिस ने आरोपी डीटीसी बस चालक को मौके से ही गिरफ्तार कर लिया है।

दिल्ली के आदर्श नगर में घर में आग लगाने का प्रयास

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी-पश्चिमी दिल्ली के आदर्श नगर इलाके में एक रिहायशी मकान में

आग लगाने की कोशिश का मामला सामने आया है। इस संबंध में दिल्ली पुलिस के थाना आदर्श नगर में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। उत्तरी पश्चिमी जिला पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने बताया कि पांच अप्रैल को सूचना मिली कि अज्ञात बदमाशों ने शिकायतकर्ता के घर में आग लगाने का प्रयास किया। सूचना के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज के विश्लेषण में दो व्यक्तियों की संलिप्तता सामने आई, जिन्होंने जानबूझकर इस वारदात को अंजाम दिया। शिकायतकर्ता के बयान और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी है और संभावित ठिकानों पर दबिश दी जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की आगे की जांच जारी है।

दिल्ली के करावल नगर में झगड़े में बीच बचाव करना महिला को पड़ा भारी

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्ट करावल नगर इलाके

में पड़ोसियों के बीच हुए झगड़े में बीच बचाव करवाना एक महिला को भारी पड़ गया। आरोप है कि विवाद के दौरान बीच-बचाव कर रही 45 वर्षीय महिला पर आरोपित ने नुकीले हथियार से हमला कर दिया। घायल महिला को जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गीता अपने परिवार के साथ गली नंबर-14, वेस्ट करावल नगर में रहती हैं। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उनकी किराएदार ममता और पड़ोस में रहने वाली महिला आशा के बीच घर के बाहर पानी डालने को लेकर कहासुनी हो गई थी। देखते ही देखते दोनों के बीच विवाद बढ़ गया। शोर सुनकर गीता वहां पहुंचीं और दोनों पक्षों के बीच सुलह कराने की कोशिश करने लगीं। इसी दौरान गीता की बेटी योगिता ने झगड़े का वीडियो बनाना शुरू कर दिया। वीडियो बनते देख आरोपी भड़क गए। आरोप है कि आशा का बेटा सूरज और उसके कुछ साथी मौके पर आ गए। उन्होंने पहले योगिता को वीडियो बनाने से रोका और फिर गीता के साथ मारपीट शुरू कर दी।

यूनिवर्सिटी में 12वीं पास के लिए शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्स शुरू

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) ने युवाओं के कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए शॉर्ट टर्म सर्टिफिकेट कोर्सेज की शुरुआत कर दी है। खास बात यह है कि इन कोर्सेज में दाखिला लेने के लिए केवल 12वीं पास होना पर्याप्त है, जिससे बड़ी संख्या में छात्रों को नए अवसर मिलेंगे।

तीन महीने की अवधि वाले ये कोर्स छात्रों को कम समय में प्रोफेशनल स्किल्स से लैस करने पर केंद्रित हैं। कोर्सेज में इंग्लिश लैंग्वेज प्रोफिशिएंसी एंड गाइडेंस और ट्रेवल एंड ट्यूरिज्म जैसे विकल्प शामिल हैं, जो आज के जॉब मार्केट की जरूरतों के अनुरूप तैयार किए गए हैं। प्रत्येक कोर्स में सीमित सीटें होने के कारण चयन प्रतिस्पर्धी रह सकता है।

डीयू के कंटिन्यूइंग एजुकेशन एंड एक्सटेंशन विभाग द्वारा संचालित ये कार्यक्रम न केवल सैद्धांतिक ज्ञान बल्कि व्यावहारिक अनुभव पर भी जोर देते हैं। छात्रों को इंटर्नशिप के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे उन्हें इंडस्ट्री का वास्तविक अनुभव मिल सके। साथ ही प्लेसमेंट सहायता भी दी जाएगी, जो करियर की शुरुआत में अहम भूमिका निभा सकती है। इन कोर्सेज के माध्यम से विश्वविद्यालय का उद्देश्य ऐसे युवाओं को तैयार करना है जो कम समय में रोजगार के लिए सक्षम बन सकें और बदलते पेशेवर माहौल में खुद को स्थापित कर सकें।

राघव चड्ढा के प्रमुख मुद्दे आप की बढ़ा सकते हैं मुश्किल

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी के कुछ नेताओं द्वारा संसद में पंजाब के मुद्दे न उठाने के आरोप पर राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने पलटवार किया है। चड्ढा ने इन आरोपों को निराधार, राजनीति से प्रेरित और आधिकारिक संसदीय रिकॉर्ड के विपरीत बताया है। उन्होंने रविवार को एक नया वीडियो जारी कर कहा, 'कोई भी दुष्प्रचार अभियान मेरी आवाज को दबा नहीं सकता और न ही मेरे संकल्प को कमजोर कर सकता है। सत्य की जीत होगी, तथ्य की जीत होगी और हर झूठ बेनकाब होगा।' उनका का मानना है कि संसद में उन्होंने अभी तक लगातार और मजबूती से पंजाब के मुद्दों को उठाया है। उन्होंने संसद में उठाए गए मुद्दों की भी जानकारी दी। आप सांसद ने कहा कि यह कोई राय या प्रचार का विषय नहीं है, बल्कि आधिकारिक रिकॉर्ड का मामला है, जिसे हर नागरिक सत्यापित कर सकता है। चड्ढा ने फिर दोहराया, 'मेरा काम संसद में ड्रामा करना नहीं, बल्कि जनता के मुद्दों को गंभीरता से

उठाना है। कहा कि मेरे संसदीय रिकॉर्ड में मेरा काम दिखता है। कहा कि दुर्भाग्यपूर्ण है कि तथ्यों के बजाय मेरे खिलाफ दुष्प्रचार किया जा रहा है।' उन्होंने स्पष्ट किया कि पंजाब उनके लिए महज कोई राजनीतिक चर्चा का विषय नहीं, बल्कि एक प्रतिबद्धता है। चड्ढा ने जोर देकर कहा कि कोई भी झूठ या सुनियोजित अभियान उनकी आवाज को नहीं दबा सकता। उन्होंने जोर देकर कहा, 'मैंने हमेशा पंजाब के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी है और आगे भी लड़ता रहूंगा।'

चड्ढा ने गिनाए ये प्रमुख मुद्दे: पंजाब के रुके हुए ग्रामीण विकास फंड का मुद्दा उठाया पंजाब में तेजी से घटते भूजल स्तर और सतत जल प्रबंधन का मुद्दा किसान के लिए एमएसपी, बढ़ती लागत और कृषि संकट के मुद्दे पंजाब के साथ हो रहे वित्तीय अन्याय के खिलाफ आवाज ड्रग्स की समस्या और सीमावर्ती राज्य की सुरक्षा नीतियां करतारपुर साहिब कॉरिडोर का विस्तार और ननकाना साहिब तक सुगम तीर्थयात्रा।

दिल्ली के छतरपुर की मांडी रोड चौड़ीकरण योजना ठप, एक साल बाद भी एनएचएआइ को ट्रांसफर अटका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार की ओर से छतरपुर स्थित मांडी रोड को चौड़ा करने का काम भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआइ) को सौंपने की योजना की घोषणा किए जाने एक वर्ष बाद भी एक इंच काम शुरू नहीं हो पाया। पीडब्ल्यूडी के मुताबिक 8.8 किलोमीटर लंबी यह सड़क महरौली को फरीदाबाद से जोड़ती है। यह पीक आवर्स में भीषण जाम की चपेट में रहती है। यह सड़क छतरपुर से गुरुग्राम के बीच आवाजाही करने वालों के लिए अहम है। अप्रैल 2025 में पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने घोषणा की थी कि इस प्रोजेक्ट को एनएचएआइ को सौंपा जाएगा और इसे राष्ट्रीय राजमार्ग घोषित किया जाएगा। हालांकि, इस हस्तांतरण को आसान बनाने का प्रस्ताव अभी भी स्वीकृति का इंतजार कर रहा है। इससे जमीनी स्तर पर काम शुरू होने में देरी हो रही है। इसे लेकर पीडब्ल्यूडी मंत्री की ओर से कोई जवाब नहीं मिल पाया है। पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्रों तक सामग्री की आवाजाही को आसान बनाने और राष्ट्रीय राजमार्गों से जुड़ने में इसकी भूमिका को देखते हुए, इस प्रोजेक्ट का स्थानीय शहरी परिवहन से कहीं ज्यादा व्यापक राष्ट्रीय और क्षेत्रीय महत्व है। शुरुआती प्रोजेक्ट रिपोर्ट के अनुसार, मौजूदा सड़क संकरी है और इसके दोनों ओर फार्महाउस, रिहायशी इमारतें और अलग-अलग दुकानें हैं। बड़े स्तर पर जमीन अधिग्रहण की जरूरत को देखते हुए दिल्ली सरकार ने इस प्रोजेक्ट को एनएचएआइ को सौंपने का प्रस्ताव रखा, जिसे ऐसी प्रक्रियाओं को संभालने का अधिक अनुभव है। महरौली विधायक व जिला विकास समिति के अध्यक्ष गजेंद्र यादव ने कहा कि हम मंडी रोड को चौड़ा करने के काम में तेजी लाने की कोशिश कर रहे हैं। कुछ पेड़ और दूसरी दिक्कतें हैं, जिन्हें सुलझाया जा रहा है। दरअसल, मांडी रोड एमजी रोड पर छतरपुर मेट्रो स्टेशन के पास से शुरू होती है और फरीदाबाद रोड तक जाती है।

चांद के रहस्यमयी हिस्से का पहली बार होगा दीदार, चंद्रमा के दूरस्थ हिस्से तक पहली मानव उड़ान

ह्यूस्टन/वॉशिंगटन, एजेंसी। नासा का आर्टेमिस-2 मिशन इतिहास रचने जा रहा है, जब इंसान पहली बार चंद्रमा के उस रहस्यमयी हिस्से का प्रत्यक्ष दीदार करेगा, जो पृथ्वी से कभी दिखाई नहीं देता। 53 साल से भी ज्यादा समय के बाद (1972) यह पहला अवसर होगा, जब मानव अंतरिक्ष यात्री (तीन अमेरिकी और एक कनाडाई) चंद्रमा के दूरस्थ हिस्से (फार साइड) तक पहुंचेंगे। ह्यूस्टन स्थित जॉनसन स्पेस सेंटर में मिशन कंट्रोल से लेकर दुनियाभर के चंद्र वैज्ञानिकों तक, सबकी नजरें करीब छह घंटे के फ्लाई-बाय पर टिकी हैं। इस फ्लाई-बाय के दौरान वैज्ञानिकों और मिशन कंट्रोल की निगाहें उन भू-वैज्ञानिक संरचनाओं और क्रेटर (ग्रह या उपग्रह की टक्कर से बना गड्ढा) पर टिकी रहेंगी, जो अब तक सिर्फ रोबोटिक मिशनों एवं सीमित डाटा के जरिये ही समझे गए हैं।

नासा के मुताबिक, मौजूदा कक्षीय स्थिति के चलते इस फ्लाई-बाय के दौरान चंद्रमा के दूरस्थ हिस्से का सिर्फ 20 फीसदी हिस्सा ही सूर्य के प्रकाश में होगा। चारों अंतरिक्ष यात्रियों में ग्लोवर, रीड वाइजमैन और क्रिस्टीना कोच अमेरिकी नागरिक हैं, जबकि हैनसेन कनाडाई मूल के हैं, जो चंद्रमा पर जाने वाले पहले गैर-अमेरिकी हैं। कोच और ग्लोवर चंद्रमा पर जाने वाली पहली महिला एवं पहली अश्वेत अंतरिक्ष यात्री हैं। 10 दिन का मिशन 10 को प्रशांत महासागर में लैंडिंग के साथ समाप्त होगा। उधर, नासा के ओरियन कैप्सूल का शौचालय फिर से खराब हो गया है। यह बुधवार को उड़ान भरने के बाद से ही खराब हो गया था। तब से कभी काम कर रहा है और कभी नहीं। शौचालय जब तक ठीक नहीं हो जाता, मिशन कंट्रोल ने अंतरिक्ष यात्रियों को अतिरिक्त मूत्र संग्रहण थैलियों का इस्तेमाल करने का निर्देश दिया है। नासा के ओरियन कार्यक्रम की उप प्रबंधक डेबी कोर्थ ने बताया, अंतरिक्ष यात्रियों ने शौचालय से आ रही दुर्गंध की भी शिकायत की है, जो गोपनीयता के लिए दरवाजे और पर्दे के साथ कैप्सूल के फर्श में बना है।

होर्मुज में तख्तापलट की साजिश रच रहा है चीन? एक्सपर्ट ने चेताया

बीजिंग एजेंसी। दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण तेल मार्ग हार्मुज जलडमरूमध्य पर चीन का कब्जा अब दूर की संभावना नहीं, बल्कि तेजी से हकीकत बनता जा रहा है। अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने इस रणनीतिक जलमार्ग को लंबे भू-राजनीतिक संघर्ष की ओर धकेल दिया है।

ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर शेयर पोस्ट में लिखा कि अमेरिकी राष्ट्पति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान को सीधा खतरा देते हुए कहा कि मंगलवार को ईरान में पावर प्लांट डे और ब्रिज डे एक साथ होगा। कुछ भी ऐसा नहीं देखा जाएगा। होर्मुज खोल दो, वरना तुम नर्क में रहोगे। बस देखते जाओ।

ईरान की ओर से जवाब भी तेज था। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बागेर गालिबाफ ने कहा कि आपके लापरवाह कदम अमेरिका को हर परिवार के लिए जिंदा नर्क में धकेल रहे हैं। उन्होंने ट्रंप पर इजरायल के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया। तत्काल तनाव से आगे जाकर निवेशक वैश्विक शक्ति संतुलन में हो रहे बड़े बदलाव पर नजर टिका रहे हैं। मार्सेलस इन्वेस्टमेंट्स के संस्थापक सौरभ मुखर्जी ने कहा कि मेरा मानना है कि अब चीन आगे बढ़ेगा। चीन ईरान के साथ गठबंधन करेगा और दोनों मिलकर हार्मुज स्ट्रेट को नियंत्रित कर लेंगे। इससे दुनिया

के बड़े हिस्से के तेल आपूर्ति पर उनका कंट्रोल हो जाएगा, जो चीन के लिए बहुत बड़ा कूपन साबित होगा। एनडीटीवी के मुताबिक, मुखर्जी ने बताया कि यह कोई छोटी घटना नहीं है। यह तेल और हार्मुज के लिए संघर्ष है। यह रणनीतिक शक्ति के लिए लड़ाई है। और दुर्भाग्य से यह जल्दी खत्म होने वाली नहीं है। हार्मुज पर नियंत्रण की यह जंग कई महीनों तक चलती रहेगी।

चीन की तेल रणनीतिकार्नेगी मिडिल ईस्ट के विशेषज्ञ अब्दुल्लाह बाबूद का भी यही मानना है। उन्होंने कहा कि खाड़ी क्षेत्र से आने वाले तेल पर चीन की निर्भरता अब धीरे-धीरे रणनीतिक महत्वाकांक्षा में बदल चुकी है। चीन दुनिया का सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक बन चुका है। ऐसे में हार्मुज से तेल की निर्बाध आपूर्ति उसकी राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए बेहद जरूरी हो गई है।

पश्चिम एशिया में तनाव: तेहरान के रिहायशी इलाकों पर बमबारी से 13 लोगों की मौत; शरीफ यूनिवर्सिटी पर भी हवाई हमला

तेहरान, एजेंसी। सोमवार तड़के ईरान की राजधानी तेहरान के दक्षिण-पश्चिम में स्थित इस्लामशहर के पास एक रिहायशी इमारत पर हुए हवाई हमले में कम से कम 13 लोगों की मौत हो गई। ईरानी मीडिया के अनुसार, यह हमला शहर के नजदीकी इलाके में हुआ, हालांकि इमारत को निशाना बनाए जाने की वजह अब तक स्पष्ट नहीं हो सकी है। इसी दौरान तेहरान स्थित शरीफ यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी को भी निशाना बनाया गया। ईरानी मीडिया के अनुसार, हमले में विश्वविद्यालय की कुछ इमारतों को नुकसान पहुंचा, साथ ही पास स्थित गैस वितरण केंद्र भी प्रभावित हुआ। हालांकि, विश्वविद्यालय परिसर के भीतर असल लक्ष्य क्या था, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है। युद्ध के चलते देशभर के शैक्षणिक संस्थान बंद हैं और सभी कक्षाएं ऑनलाइन चल रही हैं, जिससे कैंपस पहले से ही खाली था। स्थानीय लोगों के अनुसार, कई घंटों तक आसमान में नीचे उड़ते लड़ाकू विमानों की आवाजें गूंजती रहीं, जिससे हालात और भयावह हो गए। गौरतलब है कि इस यूनिवर्सिटी पर पहले भी कई देशों ने प्रतिबंध लगाए हैं, क्योंकि इसका नाम ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम और सैन्य अनुसंधान से जोड़ा जाता रहा है। यह कार्यक्रम मुख्य रूप से ईरान की अर्धसैनिक रिवोल्यूशनरी गार्ड के नियंत्रण में है।

इधर, इस्राइल में सुरक्षा एजेंसियों ने एक मिसाइल अलर्ट जारी किया, जबकि संयुक्त अरब अमीरात के दुबई में भी दो बार ऐसे अलर्ट बजाए गए। वहां एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय हो गया, लेकिन यह साफ नहीं हो पाया कि ईरान की ओर से किस लक्ष्य को निशाना बनाया गया था।

1.55 करोड़ में एक मौका! रूस में महिला ने एक साथ जन्मीं 4 बेटियां

मास्को एजेंसी। रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में कुदरत का एक ऐसा दुर्लभ नजारा देखने को मिला है जिसने आधुनिक चिकित्सा जगत के बड़े-बड़े दिग्गजों को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया है। यहां एक महिला ने एक साथ चार ऐसी बेटियों को जन्म दिया है जो बिल्कुल एक जैसी दिखती हैं। सांख्यिकीय आंकड़ों के अनुसार ऐसी घटना 1.55 करोड़ (15.5 मिलियन) गर्भधारण में से महज एक बार होती है।

चिकित्सा विज्ञान में इस मामले को मोनोकोरियोनिक गर्भावस्था कहा जाता है जो इसे बेहद असाधारण बनाता है। आमतौर पर जुड़वां बच्चों के मामले में हर भ्रूण की अपनी अलग गर्भनाल होती है लेकिन इस केस में चारों बच्चियां एक ही गर्भनाल से जुड़ी हुई थीं। यह तब होता है जब एक ही निषेचित अंडा कई बार विभाजित हो जाता है। वैज्ञानिकों का कहना है कि इसका कोई ठोस आनुवंशिक कारण या पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता, यह पूरी तरह से कुदरत का एक रैंडम करिश्मा है।

इस बेहद जटिल और जोखिम भरे प्रसव के लिए अस्पताल में डॉक्टरों और मेडिकल स्टाफ की एक बड़ी टीम तैनात की गई थी। चारों नवजात बच्चियों का वजन 1,360 ग्राम से 1,640 ग्राम के बीच है जबकि उनकी लंबाई 37 से 41 सेंटीमीटर दर्ज की गई है। एक ही गर्भनाल होने की वजह से बच्चों तक ऑक्सीजन और पोषण पहुंचाना सबसे बड़ी चुनौती थी जिसे रूसी डॉक्टरों ने सफलतापूर्वक अंजाम दिया। फिलहाल मां और चारों बेटियां पूरी तरह स्वस्थ हैं।

दुनिया भर में केवल 15 ऐसे मामले: दुनिया के चिकित्सा इतिहास पर नजर डालें तो अब तक ऐसे केवल 15 मामले ही दर्ज किए गए हैं जिनमें एक जैसे चार बच्चे पैदा हुए हों।

अनोखा संयोग- एक दिलचस्प बात यह है कि इन दुर्लभ मामलों में ज्यादातर लड़कियों का ही जन्म हुआ है।

रूस का रिकॉर्ड- इस सफल डिलीवरी के साथ ही रूस उन चुनिंदा देशों की सूची में शामिल हो गया है जहां एक ही अंडे से जन्मे चार बच्चों का रिकॉर्ड दर्ज है। सोशल मीडिया पर इस खबर को चमत्कारों का चमत्कार कहा जा रहा है। इतनी कम संभावना के बावजूद चारों बच्चियों का सुरक्षित होना न केवल परिवार के लिए खुशी की बात है बल्कि शोधकर्ताओं के लिए भी एक नया विषय बन गया है।

पेटरवार जिला बॉर्डर पर राज्यपाल का डीसी-एसपी ने किया स्वागत

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार का सोमवार को पेटरवार जिला बॉर्डर पर उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा एवं पुलिस अधीक्षक (एसपी) हरविंदर सिंह द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो मुकेश मछुआ भी उपस्थित रहे। राज्यपाल बोकारो होते हुए धनबाद में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने जा रहे थे। जिला सीमा पर पहुंचने पर डीसी एवं एसपी ने उनका अभिवादन करते हुए उनका स्वागत किया। स्वागत के उपरांत राज्यपाल आगे अपने गंतव्य के लिए प्रस्थान कर गए।

बोकारो जिला कोषागार से सब इंस्पेक्टर के वेतन मद में अवैध निकासी का मामला

रिकॉर्ड के अवलोकन एवं ऑडिट में नहीं मिली कोई गड़बड़ी : पुलिस अधीक्षक

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड में सरकारी खजाने से वेतन मद में करोड़ों रुपए की अवैध निकासी का सनसनीखेज मामला सामने आया है। बोकारो जिला कोषागार से एक पुलिस सब इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह के वेतन मद में 20 माह में 3.15 करोड़ रु. निकाल लिए गए। प्रधान महालेखाकार (पीएजी) चंद्रमौली सिंह द्वारा वित्त सचिव प्रशांत कुमार को भेजी गई गोपनीय रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। ट्रेजरी के निरीक्षण के बाद पीएजी ने गुरुवार को सरकार को यह रिपोर्ट भेजी है। आमतौर पर एक पुलिस सब इंस्पेक्टर को करीब एक लाख रुपए वेतन मिलता है। लेकिन उपेंद्र सिंह के वेतन मद में मई 2024 से दिसंबर 2025 तक जो निकासी हुई, उसके अनुसार वेतन 15 लाख रुपए प्रति महीने से ज्यादा हो जाता है। खास बात यह है कि 3.15 करोड़ की निकासी पर जीपीएफ मद में सिर्फ 61,668 रुपए की कटौती की गई। वहीं आयकर और टीडीएस मद में कोई कटौती नहीं की गई है। सिस्टम में पुलिस सब इंस्पेक्टर का पे लेवल 7वां सीपीसी के लेवल-18 के बराबर दिखाया गया है, जो संभव ही नहीं है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ट्रेजरी इंस्पेक्शन और डेटा एनालिसिस के दौरान पेरोल प्रोसेसिंग, पे एंटाइटलमेंट और वैलिडेशन में बड़े पैमाने पर कंट्रोल गैप पाए गए हैं। बोकारो के अलावा अन्य ट्रेजरी में भी कुछ मामलों में दो बार वेतन निकाले जाने की भी आशका है। यही नहीं, एक ही अवधि का भुगतान एक से अधिक बार किया गया। इस मामले को लेकर जब ट्रेजरी ऑफिसर गुलाब चंद्र उरांव से बात की गई तो उन्होंने कुछ भी बोलने से इनकार किया और कहा कि इसकी जांच की जा रही है। बोकारो एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि रिकॉर्ड के अवलोकन से कहीं भी गड़बड़ी सामने नहीं आई है ।फरवरी महीने में ऑडिट भी कराई गई थी।

डीसी ने जांच कर 24 घंटे में विस्तृत प्रतिवेदन समर्पित करने का दिया आदेश

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो ट्रेजरी से एक दारोगा के वेतन मद में 20 महीनों के दौरान 3.15 करोड़ रुपये की निकासी से संबंधित दैनिक समाचार पत्र के प्रकाशन पर जिला प्रशासन ने कड़ा संज्ञान लिया है। उपायुक्त (डीसी) अजय नाथ झा ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी को विस्तृत जांच का आदेश दिया है। उन्हें निर्देशित किया गया है कि समाचार में वर्णित सभी बिंदुओं की गहन जांच करते हुए तथ्यात्मक स्थिति स्पष्ट करें। साथ ही, जांच कार्य पूर्ण कर 24 घंटे के भीतर विस्तृत प्रतिवेदन समर्पित करने को कहा है।

संक्षिप्त समाचार

बीएसएल के सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ विभाग द्वारा सेफ्टी सर्कल प्रतियोगिता का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के मानव संसाधन ज्ञानार्जन एवं विकास तथा सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएं विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय 'सेफ्टी सर्कल प्रतियोगिता' का सफल आयोजन आज प्रारम्भ किया गया तथा 07 अप्रैल को कार्यक्रम का समापन किया जायेगा. इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य संयंत्र के कार्मिकों के बीच सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और कार्यस्थल पर उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना था. आयोजन के दौरान विभिन्न विभागों की कुल 22 टीमों ने अत्यंत उत्साह के साथ भाग लिया और अपनी प्रस्तुति दी. प्रतियोगिता के दौरान प्रतिभागी टीमों ने अपने-अपने कार्य क्षेत्रों से संबंधित सुरक्षा विषयों पर प्रभावशाली प्रस्तुतियां दीं. इस दौरान टीमों द्वारा कई नवाचारपूर्ण सुझाव भी साझा किए गए, जिनका उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा संस्कृति को और अधिक सुदृढ़ बनाना तथा संभावित जोखिमों को न्यूनतम करना है. प्रबंधन द्वारा सभी प्रतिभागियों के प्रयासों की सराहना की गई और उन्हें सुरक्षा के प्रति निरंतर सजग रहने के लिए प्रोत्साहित किया गया. इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के निर्णायक मंडली में स्टील मेल्टिंग शॉप (न्यू) के महाप्रबंधक ओमप्रकाश अग्रवाल, ब्लास्ट फर्नेस के महाप्रबंधक धनंजय कुमार, आरजीबीएस के महाप्रबंधक नागेश रामटेके तथा कोल्ड रोलिंग मिल-क्क्क के महाप्रबंधक श बी. के. मोहंती शामिल थे. कार्यक्रम का सफल संचालन एवं समन्वय सहायक प्रबंधक (मानव संसाधन-ज्ञानार्जन एवं विकास) एस. के. डी. भौमिक तथा उप प्रबंधक (सुरक्षा) अमित बडोले द्वारा किया गया. यह आयोजन बोकारो इस्पात संयंत्र की सुरक्षा के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है. इस तरह की प्रतियोगिताएं न केवल सुरक्षित कार्य वातावरण के निर्माण में सहायक सिद्ध होती हैं, बल्कि कर्मियों के मनोबल को बढ़ाते हुए उन्हें 'शून्य दुर्घटना' के लक्ष्य की ओर प्रेरित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं.

बोकारो इस्पात संयंत्र में सुगम आवागमन हेतु आरसीसी सड़क परियोजना का उद्घाटन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र में बुनियादी ढांचे के सुदृढ़ीकरण, सुरक्षा मानकों में सुधार तथा परिचालन दक्षता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए आज आरसीसी (प्रबलित सीमेंट कंक्रीट) सड़क परियोजना का उद्घाटन अधिशासी निदेशक (संकार्य) अनुप कुमार दत्त द्वारा किया गया. इस परियोजना के अंतर्गत एमएसडीएस-7 एवं इनॉक्स संयंत्र से गेट संख्या 04 तक जाने वाली सड़क को जोड़ने वाले मार्ग का नवनिर्माण किया गया है. इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं अग्निशमन सेवाएँ) बिपिन कृष्ण सरतापे, मुख्य महाप्रबंधक (उपयोगिता) एस. आर. सिंह तथा मुख्य महाप्रबंधक (एसएमएस-क्क) डी. के. सक्सेना की उपस्थिति रही. इनके अतिरिक्त महाप्रबंधक (सीईडी) ए. के. अविनाश, महाप्रबंधक (एसएमएस-क्क ऑपरेशन्स) सचिन कुमार सिंह, महाप्रबंधक (एसएमएस-2/सीसीएस ऑपरेशन्स) ए. बोस एवं पी. मरंडी सहित सिविल इंजीनियरिंग विभाग (संकार्य) के अन्य वरीय अधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे. उल्लेखनीय है कि

एमएसडीएस-7 से गेट संख्या 04 तक का मौजूदा मार्ग गड्ढों और स्लैग जमाव के कारण क्षतिग्रस्त हो गया था, जिससे मानसून के दौरान जलभराव और अत्यधिक धूल की समस्या उत्पन्न होती थी. यह मार्ग भंडार सामग्री, लौह मिश्र धातु, स्क्रैप एवं दुर्दम्य सामग्री के परिवहन के साथ-साथ अग्निशमन और आपातकालीन वाहनों के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी है. कार्मिकों की सुरक्षा और सामग्री की निर्बाध आवागमन को प्राथमिकता देते हुए इस परियोजना के तहत तीन प्रमुख खंडों का विकास किया गया है, जिसमें सड़क संख्या 84 के साथ-साथ मैग्नेट यार्ड-1, न्यू स्लैग यार्ड और न्यू एसएमएस-क्क वेलफेयर बिल्डिंग से कन्वर्टर प्रवेश द्वार तक की कनेक्टिविटी शामिल है. यह परियोजना संयंत्र के भीतर लॉजिस्टिक नेटवर्क को आधुनिक बनाने और कार्यस्थल पर सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में बोकारो इस्पात संयंत्र की प्रतिबद्धता का प्रमाण है. आरसीसी सड़कों के इस नए नेटवर्क से न केवल परिचालन संबंधी बाधाएं दूर होंगी, बल्कि यह भविष्य में संयंत्र की उत्पादकता और सुदृढ़ बुनियादी ढांचे के विकास में भी मील का पत्थर साबित होगा.

सिगरेट एवं तम्बाकू उत्पाद के प्रचार-प्रसार हेतु डिजिटल एवं पोस्टर अपने दुकानों पर न लगायें : सिविल सर्जन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद के आदेशानुसार एवं संजय कुमार थाना प्रभारी सेक्टर 4 के सहयोग से सेक्टर 4 थाना परिक्षेत्र में सिगरेट और अन्य तम्बाकु उत्पाद अधिनियम-2003 के तहत छापामारी अभियान चलाया गया, जिसमें जिला छापामारी दल के सदस्य मो असलम जिला परामर्शी के द्वारा सेक्टर 4 थाना क्षेत्र सिटी सेन्टर, मारूति शोरूम के पास, अम्बोडकर चौक एवं रिलायंस माल के पास के कुल 89 दुकानों की जांच की गई। जिसमें 21 दुकानों/ व्यक्तियों द्वारा कोटपा कानून उल्लघंग करते हुए पाया गया जिनसे अर्थदण्ड के रूप में कुल 5100 रुपए की वसूली की गई। जिला परामर्शी मो0 असलम द्वारा छापामारी के दौरान सभी दुकानदारों को कोटपा नये झारखण्ड संशोधन अधिनियम 2021 के नये कानून के तहत किये गये संशोधन के बारे मे बताया गया।

होमगार्ड भर्ती के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा पूरी सख्ती और पारदर्शिता के साथ शुरू

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राज्य सरकार के निर्देशानुसार तथा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का युवाओं को रोजगार से जोड़ने के संकल्प को लेकर जिला प्रशासन द्वारा होमगार्ड भर्ती के लिए आयोजित की जा रही शारीरिक दक्षता परीक्षा पूरी सख्ती और पारदर्शिता के साथ संचालित की जा रही है। चयन प्रक्रिया को निष्पक्ष बनाने के लिए परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और पूरी प्रक्रिया की डिजिटल निगरानी की जा रही है। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन समेत जिला के अन्य वरीय पदाधिकारी बिरसा मुंडा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हर एक गतिविधि पर कड़ी निगरानी बनाए हुए हैं। उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों तथा कर्मियों को निर्देशित किया है कि कोई भी अभ्यर्थी किसी भी प्रकार की इलेक्ट्रॉनिक गैजेट ले कर अंदर प्रवेश न करें इसका विशेष रूप से ध्यान दें। सीसीटीवी और वीडियोग्राफी परीक्षा केंद्र के हर कोने पर सीसीटीवी कैमरों से नजर रखी जा रही है। साथ ही, दौड़ और अन्य शारीरिक स्पधाओं की निरंतर वीडियोग्राफी कराई जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की गड़बड़ी की गुंजाइश न रहे। बायोमेट्रिक सत्यापन अभ्यर्थियों के प्रवेश के समय बायोमेट्रिक हाजिरी और आधार सत्यापन किया जा रहा है। इससे फर्जी अभ्यर्थियों के प्रवेश पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। तकनीकी का उपयोग दौड़ के सटीक समय के मापन के लिए (रेडियो फ्रीक्वेंसी आइडेंटिफिकेशन) चिप तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है, जिससे परिणाम पूरी तरह त्रुटिहीन और पारदर्शी बने रहें। वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी परीक्षा स्थल पर उपायुक्त आदित्य रंजन, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, अनुमंडल पदाधिकारी लोकेश बारंगे, जिला समादेष्टा सूर्यकांत कुमार, डीएसपी मुख्यालय 1 शंकर कामती, कार्यपालक दंडाधिकारी राम नारायण ठाकुर समेत वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों की टीम लगातार मौजूद है, जो पूरी प्रक्रिया का औचक निरीक्षण कर रही है। उपायुक्त ने स्पष्ट किया है कि चयन केवल योग्यता और प्रदर्शन के आधार पर होगा। उन्होंने अभ्यर्थियों को सचेत किया है कि वे किसी भी बिचौलिए या ठग के झांसे में न आएं। किसी भी प्रकार की अनियमितता की सूचना मिलने पर तुरंत इसकी सूचना केंद्र पर तैनात पुलिस बल या हेल्पडेस्क या कंट्रोल रूम को दें। किसी भी प्रकार का फर्जीवाड़ा पाए जाने पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उपायुक्त आदित्य रंजन ने बताया कि परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से चल रही है और सफल अभ्यर्थियों की सूची प्रक्रिया पूरी होने के बाद आधिकारिक वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी। साथ ही प्रेस बंधुओं के लिए समय समय पर फोटो, वीडियो और प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचना उपलब्ध कराई जाएगी।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम शुरू

धनबाद /नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। राजकीय पॉलिटेक्निक, बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी एवं सदर अस्पताल के एमटीसी ट्रेनिंग हाल में सोमवार को सभी 256 पंचायत के मुखियाओं के लिए तीन दिवसीय प्रशिक्षण सह उन्मुखीकरण कार्यक्रम शुरू हुआ। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने राजकीय पॉलिटेक्निक स्थित प्रशिक्षण केंद्र का भ्रमण किया। उन्होंने मुखियाओं को प्रशिक्षण के दौरान बताई जा रही बातों को ध्यान पूर्वक सुनने एवं पंचायत स्तर पर उसका पालन करने का निर्देश दिया। साथ में राज्य सरकार की सभी प्रमुख जनकल्याणकारी योजनाओं का पारदर्शिता रखकर क्रियान्वयन करने व धरातल पर उतारने तथा पंचायत के अंतिम व्यक्ति को योजना का लाभ प्रदान करने का निर्देश दिया। प्रशिक्षण में मुखियाओं को पंचायत के अधिकार एवं कर्तव्य, ग्राम पंचायत की प्रशासनिक एवं वित्तीय शक्तियां, सरकारी विकास योजनाओं का पारदर्शी क्रियान्वयन, जन भागीदारी, मुखिया के उत्तरदायित्व के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। राजकीय पॉलिटेक्निक में रांची से आए प्रशिक्षक सुजीत कमार ने बाघमारा, बलियापुर एवं पूर्वी टुंडी प्रखंड के मुखियाओं, बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी में प्रकाश राना ने टुंडी, तोपचांची एवं गोविंदपुर तथा सदर अस्पताल के एमटीसी ट्रेनिंग सेंटर में नमिता देवी ने निरसा, एगारकुंड, कलियासोल एवं धनबाद प्रखंड के मुखियाओं को प्रशिक्षण दिया। राजकीय पॉलिटेक्निक में परियोजना पदाधिकारी मनरेगा मनोज कुमार, बीबीएमकेयू में जिला कार्यक्रम प्रबंधक15वें वित्त आयोग मो तौहीद आलम एवं एमटीसी ट्रेनिंग सेंटर में जिला समन्वयक पीएमएवाय सुशांत कुमार नोडल पदाधिकारी बनाए गए हैं। तीनों सेंटर में प्रशिक्षण 8 अप्रैल तक चलेगा।

कथारा कोलियरी के स्टॉक में फिर लगी आग, प्रबंधन अलर्ट

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बेरमो अनुमंडल के कथारा कोलयरी में एक बार फिर कोयले के विशाल स्टॉक में आग लगने की घटना सामने आई है। आग उसी स्थान पर लगी है,जहां से एआरओएम कोयले का लोकल सेल संचालित हो रहा है। उल्लेखनीय है कि पिछले महीने भी इसी स्थान पर आग भड़क उठी थी, जिस पर सीसीएल प्रबंधन ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पानी की पाइपलाइन बिछाकर काबू पा लिया था। जानकारी के अनुसार, पिछली घटना के बाद आग पूरी तरह बुझने पर पानी डालने की प्रक्रिया बंद कर दी गई थी। अब उसी स्थान पर दोबारा आग लगने से क्षेत्र में चिंता का माहौल है। स्थानीय लोगों और कर्मियों का कहना है कि बार-बार आग लगने से कंपनी को भारी नुकसान हो रहा है। इस संबंध में कथारा कोयलयरी के परियोजना पदाधिकारी रणजीत कुमार ने बताया कि कोयले के स्टॉक में आग लगना एक प्राकृतिक प्रक्रिया है। उन्होंने कहा कि सामान्यतः तीन महीने के भीतर कोयले में स्वत स्फूर्त आग की संभावना बन जाती है, जिससे इस प्रकार की घटनाएं होती हैं। उन्होंने आगे बताया कि आग पर नियंत्रण के लिए प्रबंधन पूरी तरह सतर्क है और पानी के छिड़काव की समुचित व्यवस्था पहले से ही की गई है। हमारी टीम लगातार निगरानी कर रही है और जल्द ही आग पर पूरी तरह काबू पा लिया जाएगा, विशेषज्ञों के अनुसार, कोयले के बड़े स्टॉक में अंदरूनी तापमान बढ़ने के कारण स्वतः आग लगने की संभावना रहती है। ऐसे में नियमित पानी का छिड़काव और तापमान की निगरानी बेहद आवश्यक होती है। इधर, राष्ट्रीय कोलयरी मजदूर संघ के क्षेत्रीय सचिव बरुण सिंह ने कहा कि कोयले में आग लगना स्वाभाविक प्रक्रिया हो सकती है, लेकिन एक ही स्थान पर बार-बार आग लगना प्रबंधन की लापरवाही को दर्शाता है। उन्होंने प्रबंधन से मांग की कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए स्थायी समाधान अपनाया जाए। फिलहाल, प्रबंधन द्वारा आग बुझाने का कार्य तेजी से जारी है और पीओ रणजीत कुमार ने जल्द ही स्थिति सामान्य होने की उम्मीद जताई जा रही है।

वृक्षारोपण राशि में गड़बड़ी का आरोप, डीसी से की जांच की मांग

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। ग्रामीण एकता मंच, गोपालीचक 2 नंबर के केंद्रीय अध्यक्ष रंजीत सिंह उर्फ बबलू सिंह ने धनबाद के उपायुक्त को पत्र लिखकर वृक्षारोपण मद में अनियमितता का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने वाइल्ड लाइफ मैनेजमेंट प्लान, सेल एवं टासरा के तहत धनबाद रेंज में वृक्षारोपण और विकास कार्यों के लिए आवंटित 3.5 करोड़ रुपये को बिना विभागीय अनुमति टुंडी और तोपचांची क्षेत्र में डायवर्ट करने का आरोप लगाया है। साथ ही पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। पत्र में सिंह ने कहा कि धनबाद के कोलियरी और शहरी क्षेत्रों में बढ़ते वायु प्रदूषण से आम जनता का जीवन प्रभावित हो रहा है। इस मुद्दे पर झारखंड उच्च न्यायालय भी संबंधित विभागों को ठोस कदम उठाने का निर्देश दे चुका है। इसके बावजूद प्रदूषण प्रभावित इलाकों को नजरअंदाज कर पहले से हरे-भरे क्षेत्रों में राशि खर्च करना गंभीर लापरवाही है।

वाहन जांच अभियान में 11 वाहनों से वसूले हजार रुपए

तेनुघाट/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह के निर्देश पर तेनुघाट ओपी थाना क्षेत्र के समीप ट्रैफिक पुलिस ने सघन वाहन जांच अभियान चलाया। इस दल का नेतृत्व ट्रैफिक पुलिस के एस आई अर्जुन महतो ने किया। इसमें ट्रैफिक पुलिस के शारदा पांडे, प्रवीन सिंह और संजय पांडे शामिल रहे। टीम ने यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों की पहचान कर कानूनी कार्रवाई की। इस अभियान के दौरान कुल 11 वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 30 हजार रुपये का ऑनलाइन चालान किया गया। चालान किए गए वाहनों में दोपहिया और चार पहिया दोनों तरह के वाहन शामिल थे। ट्रैफिक पुलिस के अर्जुन महतो ने कहा है कि यह अभियान यातायात नियमों की पालन सुनिश्चित करने और सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाया गया था। ऐसे अभियान भविष्य में भी जारी रहेंगे। इस जांच के दौरान बिना हेलमेट, ड्राइविंग लाइसेंस, वाहन बीमा, प्रदूषण, इंश्योरेंस, सीट बेल्ट की जांच की गई कहा जांच क्रम में सबसे ज्यादा दो पहिया वाहन में हेलमेट पर जोर दिया गया साथ में चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट लगाने का निर्देश भी दिया पुलिस ने नागरिकों से यातायात नियमों का पालन करने और अपने वाहनों के सभी जरूरी दस्तावेज हमेशा संभालकर रखने की अपील की है। बता दूँ की सघन जांच के दौरान कई दो पहिया वाहन देखकर इधर-उधर भागने में सफल रहें के इसके साथ-साथ ट्रैफिक द्वारा बताया जाता है कि यातायात नियमों की पालन सुनिश्चित करने और सड़क सुरक्षा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चलाया गया है।

चिन्मया विद्यालय में डॉ नेहा वर्मा ने की मुख स्वास्थ्य जांच

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। विश्व मुख स्वास्थ्य दिवस के अन्तर्गत चल रहें जन जागरूकता अभियान एवं ओरल स्क्रीनिंग हेतु सिविल सर्जन डॉ अभय भूषण प्रसाद के निर्देशन में चिन्मया विद्यालय द्वारा आयोजित कैम्प में डॉ नेहा वर्मा दन्त चिकित्सा पदाधिकारी चन्दनकियारी के द्वारा कुल 67 लोगो का ओरल स्क्रीनिंग किया गया। डॉ नेहा वर्मा द्वारा कैम्प में आये सभी प्रतिभागियों को ब्रश करने का सही तरीका के बारे में बताया गया साथ ही उन्होंने बताया कि यदि गुटखा खाते हो तो ये 5 बाते जिन्दगी में दिल से समझ ले। गुटखा खाने पर हर चबाने में मजा है....लेकिन हर थूक में जहर होता है। मुंह की लत लगती है फिर कैंसर बिना दस्तक दिये आ जाता है। शुरूआत शौक से होती है..... फिर लत बनकर जिन्दगी को खा जाती है। लोग कहते है छोड दूंगा कभी भी पर ज्यादा तर जिन्दगी छोड़ चले जाते है। गालों में छाले, होंठो में सडन, और जुबान पर सन्नाटा यही होता है अंजाम। गुटखा खाने वालो को यह सन्देश देते हुये उन्हे जागरूक किया गया।अभी भी वक्त है सोचो, समझो और सम्भलो। कार्यक्रम के दौरान स्कूल प्राचार्य सूरज शर्मा, डॉ नेहा वर्मा दन्त चिकित्सा पदाधिकारी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चन्दनकियारी बोकारो के साथ स्कूल के शिक्षक, स्टाफ, दन्त सहायक विकास दास एवं बच्चे उपस्थित थे।

ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस के दो दिवसीय कार्यक्रम में झारखंड से भी रही अच्छी भागीदारी : ए के वर्मा

ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस के शानदार आयोजन से कायस्थों में नई ऊर्जा का संचार

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पटना में हुए ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस के राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक और महादेवी वर्मा सम्मान समारोह के सफल आयोजन से झारखंड का कायस्थ समाज खासा उत्साहित है। जिसमें झारखंड से भी कॉन्फ्रेंस के कई पदाधिकारी शामिल हुए। ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस के झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष ए के वर्मा ने बताया, अब झारखंड के कायस्थों के सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और शैक्षणिक क्षेत्र में भागीदारी को बढ़ाने के लिए कॉन्फ्रेंस और सशक्त होकर काम करेगा। उन्होंने बताया पटना के आयोजन ने कॉन्फ्रेंस के पदाधिकारियों में नई ऊर्जा का संचार किया है। श्री वर्मा ने बताया, ग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस के ग्लोबल अध्यक्ष राजीव रंजन प्रसाद, प्रबंध न्यासी रागिनी रंजन एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व प्रवक्ता कमल किशोर ने पटना में हुए कार्यक्रम में कहा कि महादेवी वर्मा सम्मान समारोह ने सामाजिक, बौद्धिक, साहित्यिक और सांस्कृतिक एकजुटता का विशिष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है । उन्होंने कहा कि भारत के विभिन्न राज्यों समेत अन्य कई देशों के प्रतिनिधियों की मौजूदगी से इस आयोजन को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप हासिल हुआ। इससे यह साबित हुआ कि पूरी दुनिया में छायावाद की सबसे मजबूत स्तंभ एवं ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित महादेवी वर्मा की स्मृति में आयोजित होने वाला यह अब तक का सबसे बड़ा आयोजन है। श्री वर्मा ने बताया, महादेवी वर्मा सम्मान समारोह में बिहार विधानसभा अध्यक्ष डॉ प्रेम कुमार, उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, बिहार सरकार के मंत्रियों श्रवण कुमार, राम कृपाल यादव, संजय सिंह टाइगर समेत कई आयोगों के अध्यक्षों, विधान पार्षदों और विशिष्ट अतिथियों की गौरवपूर्ण उपस्थिति कार्यक्रम की भव्यता का परिचायक है। श्री वर्मा ने बताया कि पूर्व वरिष्ठ आइएएस अधिकारी एवं बिहार विद्यापीठ के अध्यक्ष विजय प्रकाश, नेपाल के सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश गिरीश चंद्र लाल, मेजर जनरल अनुज माथुर तथा सेवानिवृत आइएएस श्यामजी सहाय को महादेवी वर्मा लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राजीव रंजन, श्रीमती रंजन एवं श्री किशोर ने कहा कि ऐसे विभूतियों को सम्मानित करग्लोबल कायस्थ कांफ्रेंस ने स्वयं को गौरवान्वित महसूस कर रहा है। कॉन्फ्रेंस के प्रदेश उपाध्यक्ष ए के वर्मा ने कहा कि झारखण्ड में भी समाज के उत्थान के लिए अब युद्ध स्तर पर काम होगा। समाज के बुद्धिजीवी को कॉन्फ्रेंस से जोड़ा जाएगा। झारखंड में भी बहुत जल्द बड़े आयोजन की तैयारी चल रही है। समाज के लोगों का सहयोग मिल रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com